दिल्ली की फिजा में तीसरे दिन भी घुला जहर वायु गुणवत्ता बेहद गंभीर - 12

सस्ते आयात और डंपिंग से इस्पात क्षेत्र को नुकसान : आरबीआई बुलेटिन - 12

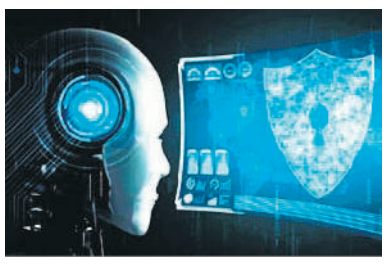

दुनिया की कई प्रमुख हस्तियां एआई सुपर इंटेलिजेंस के खिलाफ एकजुट - 13

न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगा भारत- 14

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
17.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.18
सूर्यास्त 05.34

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया 10:47 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 23 अक्टूबर 2025, वर्ष 5, अंक 242, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

गड्ढे में फंसा राष्ट्रपति का हेलिकॉप्टर

पथनमथिट्टा (केरल)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सबरीमला ले जा रहे हेलीकॉप्टर के पहिए बुधवार सुबह यहां प्रमदम स्थित राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में उतरते समय कंक्रीट के नवनिर्मित हेलीपैड में धंस गए। पुलिसकर्मियों और अग्निशमन बल के जवानों ने धक्के देकर उसे गड्ढों से बाहर निकाला। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने इसे सुरक्षा चूक करार दिया और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ● एजेंसी

वन क्षेत्र के मामले में विश्व में नौवें स्थान पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

● संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने जारी की रिपोर्ट, भारत ने वार्षिक वनक्षेत्र वृद्धि में तीसरा स्थान भी बरकरार रखा

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार भारत कुल वन क्षेत्र के मामले में विश्व स्तर पर नौवें स्थान पर पहुंच गया है और वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि में अपना तीसरा स्थान भी बरकरार रखा है।

पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के बड़े पैमाने पर वनरोपण और आम लोगो की अगुवाई में हुए वन संरक्षण प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि भारत का 10वें स्थान से नौवें स्थान पर पहुंचना सतत वन प्रबंधन और पारिस्थितिक संरक्षण के मामले में एक बड़ी उपलब्धि है। मंत्री ने कहा कि विशेष रूप से एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत वृक्षारोपण अभियानों में बढ़ती जन भागीदारी और बड़े पैमाने पर राज्य सरकारों के अभियानों ने इस प्रगति में योगदान दिया है।

यादव ने 'एक्स' पर लिखा कि यह सभी भारतीयों के लिए बहुत खुशी की बात है। हमने वैश्विक स्तर पर वन क्षेत्र के मामले में नौवां स्थान प्राप्त किया है जबकि पिछली बार हम 10वें स्थान पर थे। वार्षिक वृद्धि के मामले में भी हमने वैश्विक स्तर पर अपना तीसरा स्थान बनाए रखा है। एफएओ ने बाली में वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन (जीएफआरए) 2025 शुरू किया है। एफएओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया का कुल वन क्षेत्र 4.14 अरब हेक्टेयर है, जो पृथ्वी की 32 प्रतिशत भूमि पर है। मूल्यांकन से पता चला है कि एशिया एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जहां 1990 से 2025 के बीच वन क्षेत्र में वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें चीन और भारत का योगदान सबसे अधिक है।

आधे से अधिक वनक्षेत्र सिर्फ पांच देशों में

रिपोर्ट के अनुसार आधे से अधिक वन क्षेत्र (54 प्रतिशत) सिर्फ पांच देशों – रूस, ब्राजील, कनाडा, अमेरिका और चीन में है। ऑस्ट्रेलिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और इंडोनेशिया के बाद भारत दुनिया के शीर्ष 10 वन-समृद्ध देशों में शामिल है। चीन में 2015 से 2025 के बीच वन क्षेत्र में सबसे अधिक वार्षिक शुद्ध वृद्धि 1.69 मिलियन हेक्टेयर प्रति वर्ष दर्ज की गई, उसके बाद रूसी संघ 9,42,000 हेक्टेयर और भारत 1,91,000 हेक्टेयर के साथ दूसरे स्थान पर है। महत्वपूर्ण वन विस्तार वाले अन्य देशों में तुर्किये (1,18,000 हे.), ऑस्ट्रेलिया (1,05,000 हे.), फ्रांस (95,900 हे.), इंडोनेशिया (94,100 हे.), दक्षिण अफ्रीका (87,600 हे.), कनाडा (82,500 हे.) और वियतनाम (72,800 हे.) शामिल हैं।

ब्रीफ न्यूज

राम मंदिर में सुबह सात बजे से मिलेगा प्रवेश

अयोध्या। राम मंदिर में शीतकालीन सत्र प्रारंभ होने के साथ ही रामलला के दर्शन अवधि में बदलाव कर दिया गया है। गुरुवार से श्रद्धालुओं को सुबह 7 बजे से मंदिर में प्रवेश दिया जाएगा। इसके पूर्व मंगला आरती 4.30 बजे और श्रृंगार आरती 6.30 बजे होगी, ज़बकि पहले मंदिर परिसर में 6.30 बजे से सभी श्रद्धालुओं के लिए पट खोल दिया जाता था। अब दर्शन सुबह 7 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक कर सकेंगे। दोपहर 12:30 से 1 बजे तक पट बंद रहेगा। बिरला धर्मशाला के सामने स्थित गेट से 8:30 बजे तक और रात 9 बजे सुरक्षा क्रॉसिंग से प्रवेश रोक दिया जाएगा।

अंतरिक्ष वैज्ञानिक चिटनिस का निधन

पुणे। प्रसिद्ध भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक एकनाथ वसंत चिटनिस का बुधवार को उनके आवास पर निधन हो गया। चिटनिस के परिवार के सदस्यों ने बताया कि 100 वर्ष पूरे कर चुके डॉ. चिटनिस पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थे और सुबह के समय उन्हें दिल का दौरा पड़ा। पद्म भूषण से सम्मानित डॉ. चिटनिस ने भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति के शुरुआती वर्षों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो बाद में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में परिवर्तित हुआ।

पर्वतीय जिलों में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

देहरादून। मौसम विभाग ने गुरुवार को राज्य के पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी और हल्की बारिश की संभावना जताई है। सरकार ने सभी जिला प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। दीपावली के बाद से मैदानी क्षेत्रों में भी ठंड ने दस्तक देना शुरू कर दिया है। सुबह और रात की ठंड होने लगी है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक गुरुवार को राज्य के 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर हल्की बारिश के साथ बर्फबारी हो सकती है। उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़, बागेश्वर, रुद्रप्रयाग और देहरादून में हल्की बारिश की संभावना जताई है। वहीं, 23 से 27 अक्टूबर तक मौसम साफ रहने के आसार हैं।

आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहेंगे भारत और अमेरिका : मोदी

ट्रंप ने प्रधानमंत्री से फोन पर की बातचीत, दिवाली की दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत की और उन्हें दिवाली की शुभकामनाएं दीं। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत और अमेरिका दोनों ही दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहेंगे और हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहेंगे। ट्रंप की ओर से यह फोन ऐसे वक्त में किया गया है जब कुछ दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा है कि भारत, रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद कर देगा। ट्रंप की इस टिप्पणी के बाद भारत ने कहा था कि ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन करने और दिवाली की शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद। रोशनी के इस पर्व पर दोनों महान लोकतंत्र दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहें और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट रहें। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि फोन पर बातचीत के दौरान पाकिस्तान पर चर्चा नहीं हुई। मोदी और ट्रंप के बीच 16 सितंबर के बाद से फोन पर हुई यह तीसरी बातचीत है जिसकी सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गई है। दोनों नेताओं के बीच फोन पर यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने और अन्य मुद्दों को लेकर अमेरिका-भारत संबंधों में तल्खी है। ट्रंप ने मंगलवार रात को व्हाइट हाउस में दिवाली समारोह का आयोजन किया जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और कई प्रमुख भारतीय मूल के व्यापारिक नेता शामिल हुए।

टैरिफ को लेकर भारत-अमेरिकी संबंधों में है तनाव

ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के बाद से भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में तनाव है। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित, अपारदर्शी और अविवेकपूर्ण बताया है। अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर ने दो सप्ताह पहले नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। बैठक के बाद गोर ने कहा था कि अमेरिका, भारत के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है। गोर ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिसरी से भी बातचीत की थी।

अंधकार पर विजय का प्रमाण है दीपावली : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि दीपावली अंधकार पर प्रकाश की विजय का शाश्वत स्मरण है। यह अज्ञान पर ज्ञान की विजय है, और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। ट्रंप ने कार्यक्रम में आए लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि यहां आने के लिए शुक्रिया! बहुत शुक्रिया! क्या शानदार संस्कृति है और क्या शानदार लोग हैं। उन्होंने भारतीयों को दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी और गंभीर लोगों का समूह बताया और कहा कि हम आपकी संस्कृति, आपकी भावना का जश्न मनाते हैं और हम भारत से मित्रता को और मज़बूत करते रहेंगे।

मेहुल चौकसी की भारत वापसी का रास्ता खुला

नई दिल्ली। बेल्जियम में एंटवर्प की एक अदालत ने भगोड़े कारोबारी मेहुल चौकसी की अपील खारिज कर दी है और उसे भारत भेजने के फैसले को बरकरार रखा है।

हीरा कारोबारी चौकसी 13,000 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में एक प्रमुख आरोपी है। अदालत ने मामले पर गौर करने के बाद पाया कि उसके प्रत्यर्पण के लिए सभी कानूनी शर्तें पूरी होती हैं। अदालत ने 2018 और 2021 के भारतीय गिरफ्तारी वारंटों को लागू करने योग्य बताया। चौकसी ने अदालत से अपनी दलील में कहा था कि भारत में उसके जीवन और स्वतंत्रता को खतरा होगा।

● बेल्जियम की अदालत में मुकदमा हारा

उसने यह भी दावा किया कि उसे निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिलेगी। अपनी खराब सेहत का भी हवाला दिया। लेकिन अदालत ने चौकसी की दलीलों को अपर्याप्त बताया और कहा कि वह भारत में किसी तरह के अमानवीय व्यवहार की आशंका या इंसाफ नहीं मिलने के वास्तविक जोखिम को साबित नहीं कर सका है।

धर्मांतरण हमारी राष्ट्रीय पहचान के लिए खतरा

नागपुर, एजेंसी

● संघ के दिवाली मिलन समारोह में बोले भैयाजी जोशी
● कहा-देश में धर्मांतरण पर लगाया जाए पूर्ण प्रतिबंध

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता सुरेश भैयाजी जोशी ने बुधवार को धर्मांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसी प्रथाएं राष्ट्रीय और सांस्कृतिक पहचान के लिए गंभीर चुनौती हैं।

जोशी ने नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय में आयोजित दिवाली मिलन समारोह के दौरान अपने संबोधन में देश में धर्मांतरण की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इसे समाप्त करने के लिए सामूहिक रूप से प्रतिबद्ध होने का आग्रह किया। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक संरक्षण के मुद्दों पर भी बात की। इज़राइल का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत को अपनी आंतरिक और बाह्य अखंडता की रक्षा के लिए इसी तरह का दृढ़ रुख अपनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आंतरिक और बाह्य खतरों का सामना करने के लिए भारत को आत्मनिर्भर, मजबूत और सतर्क बनना होगा।आज दुनिया भारत की ओर आशा भरी नज़रों से देख रही है। हमारी संस्कृति वैश्विक स्तर पर भारतीयों के लिए गौरव का स्रोत है। देश की आजादी के बाद के कालखंड का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सच्चा राष्ट्रीय विकास बुनियादी ढांचे और अर्थशास्त्र से आगे तक फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि हम स्वतंत्र भारत में जन्म लेने के लिए भाग्यशाली हैं। इस स्वतंत्रता को बनाए रखना एक साझा ज़िम्मेदारी है। विकास में मानसिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विकास भी शामिल होना चाहिए। आरएसएस के पूर्व सरकार्यवाह ने इस दौरान राम जन्मभूमि अभियान और अनुच्छेद 370 को निरस्त करने सहित प्रमुख संगठनात्मक निर्णयों और वैचारिक का जिक्र किया।

मीडिया मंचों की जवाबदेही का मसौदा पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

● डीपफेक, कृत्रिम सामग्री के नुकसान से बचाने की तैयारी

कृत्रिम मेधा (एआई) से बनाए गए डीपफेक और कृत्रिम सामग्री से होने वाले नुकसान से उपयोगकर्ताओं को बचाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आईटी नियम, 2021 में संशोधन का मसौदा पेश किया है।

प्रस्तावित बदलावों का उद्देश्य 'एआई के जरिए कृत्रिम रूप से तैयार सामग्री' (सिंथेटिक कंटेंट) की स्पष्ट पहचान करना और बड़े सोशल मीडिया मंचों की जवाबदेही को बढ़ाना है। मंत्रालय ने कहा कि जनरेटिव एआई टूल का इस्तेमाल बढ़ने से अब गलत जानकारी पेश करना और नकली वीडियो एवं ऑडियो क्लिप तैयार करना आसान हो गया है। ऐसी स्थिति में इन पर नियंत्रण पाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में कुछ बदलावों का मसौदा पेश किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि हाल ही में डीपफेक वीडियो के बहुप्रचारित होने की घटनाओं ने दिखाया है कि जनरेटिव एआई की मदद से ऐसे व्यक्ति के कथन या कृत्य दिखाए जा सकते हैं जो वास्तव में उनके नहीं थे। ऐसा होने से गलत सूचना फैल सकती है, प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता है, चुनावों को प्रभावित किया जा सकता है या धोखाधड़ी भी हो सकती है। प्रस्तावित नियमों के तहत, 50 लाख या उससे अधिक उपयोगकर्ताओं वाले बड़े सोशल मीडिया मंचों को यह सुनिश्चित करना होगा कि अपलोड की गई सामग्री कृत्रिम तो नहीं है।

देशव्यापी धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी

● ऑनलाइन सफारी बुकिंग कर ऊंचे दाम पर बेचते थे परमिट
● जिम कार्बेट व अन्य सफारियों में की थी परमिट की भारी बुकिंग

गुजरात सीआईडी ने कई राज्यों में थोक बुकिंग के माध्यम से जंगल सफारी परमिट की कृत्रिम कमी पैदा करने और फिर इस परमिट को ऊंचे दामों पर बेचने का गिरोह चलाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने बुधवार को बताया गया कि मामले की जांच के बाद अजयकुमार चौधरी व अरविंद उपाध्याय नाम के दो लोगों को दिल्ली से गिरफ्तार किया और उन्हें गुजरात ले आए। दोनों आरोपियों ने फर्जी पहचान पत्रों का इस्तेमाल कर गुजरात के गिर जंगल सफारी, राजस्थान के रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, महाराष्ट्र के ताडोबा-अंधारी बाघ अभयारण्य, उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, असम के काजीरंगा और मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य के ऑनलाइन परमिट की भारी बुकिंग की थी। बिहार के मूल निवासी चौधरी व उपाध्याय फर्जी पहचान पत्रों का इस्तेमाल कर इन राष्ट्रीय उद्यानों/बाघ अभयारण्यों के लिए ऑनलाइन सफारी परमिट थोक में बुक करते थे। फर्जी पहचान पत्रों का इस्तेमाल कर आधिकारिक वेबसाइटों से थोक में परमिट खरीदने के बाद दोनों उन्हें 'ट्रैवल एजेंटों' को बेच देते थे, जो पर्यटकों को बहुत ऊंची कीमतों पर परमिट बेचते थे।

आरोपियों ने फर्जी वेबसाइट भी बनाई थी

जांचकर्ताओं के अनुसार, चौधरी व उपाध्याय ने आधिकारिक वेबसाइट के नाम से मिलती-जुलती एक फर्जी वेबसाइट बनाई थी ताकि वे धोखाधड़ी से अनजान पर्यटकों से बुकिंग ले सकें और फिर अवैध रूप से हासिल किए गए परमिट उन्हें ऊंची कीमतों पर बेच सकें। अब तक दोनों आरोपियों ने अकेले गिर जंगल सफारी के लगभग 12,000 परमिट बेचे हैं और भुगतान की पुष्टि करने वाले लगभग 8,600 ईमेल भी उनके कंप्यूटर से बरामद किए गए हैं।

हरिद्वार में पटाखे जलाने पर युवकों पर तेजाब फेंका

ब्यूरो, देहरादून/ हरिद्वार

● घटना से नाराज लोगों ने बुजुर्ग को पीट-पीटकर किया अधमरा

अमृत विचार : हरिद्वार में दिवाली की रात को दिल दहला देने वाली घटना हुई। यहां पटाखे जलाने पर गुस्साए एक बुजुर्ग ने तीन युवकों पर तेजाब फेंक दिया। एक युवक गंभीर और दो आंशिक रूप से झुलस गए। नाराज लोगों ने बुजुर्ग को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। बुजुर्ग और गंभीर रूप से झुलसे युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, लक्सर कोतवाली क्षेत्र के भिकमपुर गांव में मंगलवार रात दीपावली पर सौरभ, राहुल और दीपक पटाखे जला रहे थे। उनका गांव के ही बुजुर्ग गोवर्धन (60) से पटाखे जलाने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि गुस्से में आकर गोवर्धन ने तीनों युवकों पर तेजाब फेंक दिया। जिससे सौरभ बुरी तरह झुलस गया। आक्रोशित लोगों ने बुजुर्ग को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। युवकों के परिजन अधमरी हालत में गोवर्धन को पुलिस चौकी लेकर पहुंचे और पुलिस के हवाले कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने गोवर्धन को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि जिस समय गोवर्धन ने तेजाब फेंका, वह नशे की हालत में था। भिकमपुर चौकी इंचार्ज वीरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले में जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

एसआईआर को अंतिम रूप देने की कवायद

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारी बुधवार को यहां राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं, ताकि मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद शुरू करने की अपनी योजना को अंतिम रूप दिया जा सके। दो दिवसीय यह बैठक सितम्बर के बाद से दूसरी बार हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयुक्तों एसएस संधू तथा विवेक जोशी सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ यहां बैठक कर रहे हैं।

● राज्यों के मुख्य निर्वाचन आयुक्तों के साथ ईसी की बैठक

शीतकालीन प्रवास सैन्य बैंड एवं पारंपरिक वाद्यों की धुनों के बीच निकली मां गंगा की डोली

गंगोत्री धाम के कपाट बंद, छह माह मुखवा में रहेंगी मां गंगा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : चारधामों से एक गंगोत्री धाम के कपाट बुधवार को शीतकाल के छह माह के लिए बंद कर दिए गए। सैन्य बैंड एवं पारंपरिक वाद्यों के साथ मां गंगा की जयघोष के साथ डोली यात्रा शीतकालीन प्रवास मुखवा के लिए रवाना हुई। अब शीतकाल के छह माह तक मां गंगा का दर्शन मुखवा में ही होगा।

गंगोत्री धाम में बुधवार सुबह से ही अनुष्ठानों का दौर शुरू हो गया था। तीर्थ पुरोहितों ने घाट पर गंगा जी का अभिषेक और आरती तथा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। फिर अन्नकूट पर्व पर अभिजीत मूहुर्त में सुबह 11:36 बजे विधि-विधान से धाम के कपाट बंद कर दिए गए। सेना के बैंड एवं पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुनों पर मां गंगा की डोली मुखवा के लिए रवाना हुई। शीतकाल में भी गंगोत्री धाम में ही रहने वाले साधु-संतों और स्थानीय लोगों ने मां गंगा को शीतकाल प्रवास के लिए विदाई दी। तीर्थपुरोहित राजेश सेमवाल ने बताया गंगोत्री धाम से मां गंगा की डोली का रात्रि विश्राम मार्कण्डेय मंदिर में होगा। अगले दिन डोली मुखवा पहुंचेगी। जहां शीतकाल के छह माह तक मां गंगा के दर्शन होंगे। उन्होंने बताया कि धाम में तांबे के बड़े दीपक में अखंड जोत जलती रहेगी। अगले वर्ष अक्षय तृतीया पर धाम के कपाट खुलेंगे तो वह अखंड जोत जलती हुई मिलती है। सेना के जवानों ने यहां निशुल्क मेडिकल कैंप तथा लंगर लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा की।

शीतकालीन प्रवास के लिए मां गंगा की डोली को मुखवा लेकर जाते श्रद्धालु।

आज बंद होंगे केदार व यमुनोत्री धाम के कपाट

श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि केदारनाथ धाम के कपाट आज (गुरुवार) सुबह 8:30 बजे शीतकाल के लिए बंद हो जाएंगे। बीकेटीसी ने कपाट बंद करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। गुरुवार को भैया दूज के अवसर पर केदारनाथ तथा यमुनोत्री धाम के कपाट भी शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे जबकि बदरीनाथ के कपाट 25 नवंबर को बंद होंगे। सर्दियों में बर्फवारी और भीषण ठंड के कारण चारधामों के कपाट हर साल अक्टूबर-नवंबर में श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाते हैं जो अगले साल अप्रैल-मई में फिर खोल दिए जाते हैं। गढ़वाल क्षेत्र की आर्थिकी की रीढ़ मानी जाने वाली चारधाम यात्रा के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं।

अमृत विचार

हल्द्वानी , गुरुवार,23 अक्टूबर 2025

स्टेट ब्रीफ

चार संदिग्धों को अवैध चाकू के साथ दबोचा

हरिद्वार : त्योहारी सीजन में सुरक्षा को लेकर अलर्ट मोड पर चल रही पुलिस ने कोतवाली लक्सर क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाकर चार संदिग्धों को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। एसएसपी हरिद्वार के निर्देशानुसार, कोतवाली लक्सर पुलिस ने थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की। इसी दौरान पुलिस टीम ने कमरूल, साहिल, समीर और साहिल को अवैध चाकू के साथ दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कोतवाली लक्सर में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमे पंजीकृत किए गए हैं।

स्टंटबाजी करने वाले 3 गिरफ्तार, दो बाइकें सीज

हरिद्वार : पुलिस ने बाइकों से खतरनाक स्टंटबाजी का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले तीन युवकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया और उनकी बाइकें सीज कर दी हैं। जानकारी के अनुसार रामधाम शिवालिक नगर निवासी अक्षय पाल, निखिल पाल और ईशु कश्यप सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर अपनी खतरनाक बाइक स्टंट की वीडियो अपलोड कर रहे थे। लोगों की शिकायत पर सिडकुल पुलिस ने जांच की, तो मामला सही पाया गया। इसके बाद पुलिस ने इन तीनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनके वाहनों को सीज कर लिया। साथ ही उनसे स्टंट से जुड़ी सभी वीडियो डिलीट करवाई। तीनों ने माफी मांगी और भविष्य में ऐसी हरकत न दोहराने की बात कही।

ऋषिकेश में छठ पूजा के लिए तैयारियां शुरू

देहरादून : धर्म नगरी ऋषिकेश में नगर निगम ने 26 से 28 अक्टूबर तक होने वाले छठ पूजा महोत्सव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। महापौर शंभू पासवान और नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल ने त्रिवेणी घाट पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। महापौर ने पुलिस विभाग को ट्रैफिक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए ताकि श्रद्धालुओं की भीड़ पर जाम की स्थिति नहीं बने। वहीं, सिंचाई विभाग को पोकलैंड की मदद से जलधारा को घाट की ओर मोड़ने और टूटे खंभों व चैनों की मरम्मत कराने को कहा। नगर निगम के ईई को घाट पर पर्याप्त लाइटिंग, रेत हटाकर समतलीकरण और अन्य आवश्यक काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। एसएनए चंद्रकांत भट्ट को घाट की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने और आस्था पथ की ओर जाने वाले मार्ग पर बाइक रोकने के लिए चैन लगाने को कहा गया।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने गोवर्धन पूजा पर अपने आवास स्थित गोशाला में गोमाता की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि व खुशहाली की कामना की

गोवर्धन पूजा प्रकृति संरक्षण तथा मनुष्य व पशुओं के बीच प्रेम का पर्वः धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गोवर्धन पूजा के अवसर पर आवास स्थित गोशाला में गोमाता की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली, समृद्धि और जन कल्याण की कामना की।

सीएम ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति संरक्षण, मनुष्यों एवं जानवरों के बीच के प्रेम को दर्शाता है। यह पर्व हमें अपनी परंपराओं, संस्कृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बने रहने का भी संदेश देता है। हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा मिला है। गोमाता सनातन संस्कृति और कृषि जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उनकी सेवा और संरक्षण, हमारे जीवन को आगे बढ़ाता है। कई परिवारों का भरण-पोषण गाय पालन और गो सेवा से होता है। गो-संवर्धन धार्मिक भावनाओं से जुड़े होने के साथ ही आजीविका और आत्मनिर्भरता से भी जुड़ा हुआ है।

उन्होंने सभी से अपील की है कि सभी मिलकर गायों की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण के लिए प्रयास करें। राज्य सरकार निराश्रित गोवंश के लिए गौ सदनों के निर्माण और संचालन को बढ़ावा दे रही है।

सीएम ने कहा कि राज्य में निराश्रित पशुओं के भरण पोषण के लिए पहले 5 रुपए प्रति दिन प्रति पशु दिया जाता था, इसे बढ़ाकर अब 80 रुपए प्रति पशु/प्रति दिन किया गया है। निजी रूप से गोशालाओं के निर्माण में राज्य सरकार ने 60 फीसदी सब्सिडी देने का प्रावधान किया है। राज्य में करीब 54 गोसदनों का निर्माण जारी है।

हरिद्वार में गोवर्धन पूजा पर्व उल्लास से मनाया गया

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार : धर्मनगरी में बुधवार को शहर के अनेक स्थानों पर गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया गया। शहर के विभिन्न भगवान राधा कृष्ण के मंदिरों में विशेष पूजा की गई। मंदिरों को सजाया गया तथा गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की प्रतिमा बनाकर उसका पूजन भी किया। इसी के साथ ही भगवान कृष्ण को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग भी लगाया गया है।

कनखल स्थित राधा कृष्ण मंदिर के पुजारी प्रणव शर्मा का कहना है कि गोवर्धन पूजा की परंपरा ब्रज मंडल से जुड़ी है पौराणिक कथाओं के अनुसार गोकुल वासियों द्वारा गोवर्धन पर्वत व गायों की पूजा करने से इंद्रदेव रूष्ट हो गए और उन्होंने भारी वर्षा आरंभ कर दी तब भगवान कृष्ण ने अपनी छोटी उंगली से गोवर्धन पर्वत को उठा लिया था और गोकुल वासियों की इंद्र के प्रकोप से रक्षा की थी। तब राजा इंद्र ने भगवान से क्षमा याचना की थी तब से गोवर्धन पूजा मानने की परंपरा है उन्होंने बताया कि आज के दिन भक्तगण गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाते हैं और गोवर्धन पर्वत की पूजा की जाती है और गायों को भी पूजा जाता है उन्होंने कहा कि यह परंपरा उनके मंदिर में वर्षों से चली जा रही है कनखल का राधा कृष्ण मंदिर बहुत ही प्राचीन मंदिर

है इसकी भक्तों में काफी मानता है । महानिर्वाणी अखाड़े के महंत रवींद्र पुरी महाराज का कहना है कि गोवर्धन पूजा का पर्व अपने आप में एक अलौकिक पर्वत है भगवान कृष्ण विष्णु का ही अवतार माने जाते हैं और समस्त उत्तर भारत में यह त्यौहार बड़े ही हर्षालस के साथ मनाया जाता है गोवर्धन पूजा का पर्व इंद्रदेव के घमंड को दूर करने वाली कथा से जुड़ा हुआ है। आज भी कहीं पर अतिवृष्टि की संभावना होती है या अतिवृष्टि होती है तो लोग गोवर्धन पर्वत की सांकेतिक पूजा करते हैं जिससे, माना जाता है कि इंद्रदेव के प्रकोप से छुटकारा मिलता है उन्होंने कहा कि आज के दिन गायों की भी पूजा की जाती है।

मुख्य सचिव ने श्री केदारनाथ यात्रा की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मुख्य सचिव ने धाम पहुंच बाबा केदार के दर्शन किए और पुनर्निर्माण कार्यों को देखा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

केदारनाथ धाम में मातहत अधिकारियों के साथ मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने बुधवार को श्री केदारनाथ धाम पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन किए और परिसर में चल रहे पुनर्निर्माण एवं विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी किया। उन्होंने धाम क्षेत्र में विभिन्न चरणों में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और कार्य निष्पादन की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारी प्रतीक जैन से धाम में चल रहे सभी कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, सौंदर्य और धार्मिक आस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि गुरुवार को बाबा केदारनाथ के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने जा रहे हैं। कपाट बंद होने के बाद भी धाम में सुरक्षा, सामग्री संरक्षण और बर्फबारी की स्थिति में कार्यों के रखरखाव को लेकर पूरी तैयारी रखी जाए। मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि अब से ही अगले यात्रा सत्र 2026 की तैयारी प्रारंभ कर दी जानी चाहिए। सभी व्यवस्थाओं की प्री प्लानिंग की जाए ताकि अगले यात्रा सीजन में यात्रियों को और भी बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, संचार, परिवहन, सुरक्षा, और आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों के बीच समन्वय को और मजबूत करने पर बल दिया। इस अवसर पर रूद्रप्रयाग डीएम प्रतीक जैन ने मुख्य सचिव को बताया कि केदारनाथ यात्रा से जुड़े सभी विभाग आपसी समन्वय और सहयोग से कार्य कर रहे हैं। मुख्य सचिव ने धाम क्षेत्र में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि केदारनाथ धाम पूरे देश में पुनर्निर्माण और पुनरोत्थान का प्रतीक बन चुका है। सरकार, प्रशासन का लक्ष्य केवल भौतिक निर्माण नहीं बल्कि आस्था और सुविधा का संतुलित संगम सुनिश्चित करना है ताकि श्रद्धालुओं को एक पवित्र, सुरक्षित और दिव्य अनुभव प्राप्त हो। इस दौरान एसपी अक्षय प्रह्लाद कोंडे, मुख्य कार्याधिकारी मंदिर समिति विजय थपलियाल, ऊखीमठ एसडीएम अनिल शुक्ला, डीडीएम ईई विनय झिंकवाण आदि रहे।

चंबा में पुलिस ने चलाया सत्यापन अभियान

देहरादून : टिहरी गढ़वाल के एसएसपी आयुष अग्रवाल के निर्देशानुसार बुधवार को पुलिस ने चंबा में बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन के लिए व्यापक अभियान चलाया गया। इसका उद्देश्य क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाना, असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाना तथा किरायेदारों, मजदूरों, होटल और ढाबों में ठहरने वाले बाहरी व्यक्तियों का रिकॉर्ड अपडेट करना रहा।

थाना चंबा पुलिस टीमों ने विभिन्न इलाकों में किरायेदारों, होटल कर्मियों और मजदूरों का सत्यापन किया। दस्तावेजों की जांच की गई और जिनके कागजात अधूरे पाए गए, उन्हें निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने बताया कि सत्यापन अभियान का मकसद कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करना और नागरिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। एसएसपी आयुष अग्रवाल ने कहा कि यह अभियान केवल कानून प्रवर्तन का हिस्सा नहीं, बल्कि समाज को सुरक्षित बनाने की पहल है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने किरायेदारों, कर्मचारियों और अन्य बाहरी व्यक्तियों की जानकारी थाने में अवश्य दें।

वन्यजीव तस्करी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

ब्यूरो, हरिद्वार

अमृत विचार : वन विभाग ने रुड़की से वन्यजीव तस्करी के मुख्य आरोपी नितिन कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी ननसह क्षेत्र से की गई है।

वन अधिकारियों के अनुसार, बीती 9 सितंबर को खंजनपुर क्षेत्र से वन विभाग की टीम ने 70 कोबरा सांप और 16 रसैल वाइपर बरामद किए थे। घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। हरिद्वार वन डिवीजन की तीन विशेष टीमें लगातार उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में दबिश देकर उसकी तलाश में जुटी थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने आरोपी की डिजिटल गतिविधियों पर नज़र रखी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसे ट्रैक किया। अंततः लगभग दो माह की मेहनत के बाद टीम ने आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त क़र ली।

हरिद्वार एसडीओ पूनम कैंथोला ने बताया कि वन टीमें लंबे समय से आरोपी पर नज़र रखे हुए थीं। डिजिटल साक्ष्यों और सतर्क निगरानी के चलते आरोपी को पकड़ लिया है। आमजन से अपील है कि यदि कहीं भी अवैध वन्यजीव व्यापार या शिकार की सूचना मिले, तो तुरंत निकटतम वन चौकी या वन विभाग को सूचित करें। अब आरोपी से पूछताछ कर तस्करी नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गया है।

बल्याऊं गांव में जला दो मंजिला मकान

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार: तहसील के बल्याऊं गांव दो मंजिला मकान आग लगने से जलकर खाक हो गया। बेटी के विवाह के लिए बने आभूषण और जमा किया धन भी आग की भेंट चढ़ गया। इस घटना में पीड़ित परिवार को 65 लाख रुपये से अधिक के नुकसान हुआ है।

जानकारी के मुताबिक थल तहसील के बल्याऊं गांव में भूपाल सिंह मेहरा और डिगर सिंह मेहरा का दो मंजिला पुश्तैनी मकान है। भवन स्वामियों ने रखरखाव के लिए मकान को गांव के ही हयात सिंह मेहरा को दिया है। पिछले 35 साल से वह पत्नी हेमा देवी और पुत्री रेनू मेहरा के साथ इसमें रह रहे थे। जानकारी के अनुसार, बीते मंगलवार रात हयात सिंह इस मकान से लगभग सौ मीटर दूर अपने खुद के मकान में दिवाली पर दीये जलाने और पूजा के लिए गए थे। इसी बीच भूपाल सिंह मेहरा के मकान में आग लग गई।

कुछ ही देर में पूरा मकान जलकर खाक हो गया। सिर्फ गोठ में बंधे मवेशियों को बाहर निकालकर बचाया जा सका। भीतर रखा राशन, कपड़े, बर्तनों के साथ ही छत तोला सोना, आठ तोला चांदी के आभूषण और एक लाख रुपये की नगदी जलकर खाक हो गई।

सूचना के बाद दूसरे दिन बुधवार को राजस्व विभाग की टीम गांव पहुंची और घटना का जायजा लिया। राजस्व उपनिरीक्षक विपिन कापड़ी ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

रुड़की में ढाबे पर लगी आग, टला बड़ा हादसा

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार : तीर्थ नगरी में श्री राम रेजीडेंसी थाना सिविल लाइन क्षेत्र के निकट एक ढाबे में मंगलवार की देर रात आग लगने से अफरातफरी मच गई।

सूचना मिलते ही फायर स्टेशन की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और हाई प्रेशर वाहन से होज रील फैलाकर आग पर पूर्ण रूप से काबू पा लिया। दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। आग इतनी भीषण थी कि ढाबे में रखा इलेक्ट्रॉनिक कांटा, कुर्सियां, मेज, गैस पाइप, रेगुलेटर सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। वहीं, आग की लपटों की तपिश से छत की टिन की चादरें भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

हालांकि, राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। ढाबा स्वामी घटना के समय मौके पर ही मौजूद थे। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

भराड़ीसैण में आयोजित हो दो दिनी रजत जयंती सत्रः रावत

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : कांग्रेस ने राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर नवंबर में होने वाले विधानसभा सत्र को भराड़ीसैंण में आयोजित कराने की मांग उठाई है।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हरीश रावत ने कहा कि राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इन 25 वर्षों में हुई उपलब्धियों के साथ-साथ कमजोरियों के भी विवेचन करने का अब समय आ गया है। इसको लेकर विशेष सत्र आयोजित होना ही चाहिए क्योंकि राज्य गठन के इन 25 सालों में हुई उपलब्धियों को याद करने का यही सही समय है, लेकिन उसके साथ-साथ जहां खामियां रह गई हैं उन खामियों के भी विहंगम विवेचना की जरूरत आ पड़ी है। अगर राज्य रजत जयंती वर्ष से स्वर्णिम वर्ष की तरफ अग्रसर हो रहा है तो फिर यह समय 26 वें वर्ष में प्रवेश करने से पहले हुई गलतियों और चूकों पर विचार विमर्श करने का भी है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का रजत जयंती सत्र दो दिन की जगह चार दिन का होना चाहिए था,मगर इस बार फिर सीएम धामी सरकार ने एक गलती फिर से दोहरा दी है हालांकि सरकार के पास इस गलती को सुधारने का सुनहरा अवसर था।उन्होंने कहा कि सरकार भले ही कितने दिन का भी सत्र चलाए किंतु रजत जयंती सत्र देहरादून की जगह भराड़ीसैंण में आयोजित किया जाना चाहिए था। जब हिमालय की तंग श्रृंखलाओं का देश की राष्ट्रपति अभिवादन करतीं और हिमालय का यह राष्ट्रीय अभिवादन हमारी धरती पर हुआ होता तो कितनी बड़ी बात होती। सरकार को सुझाव दिया है कि अगर सरकार संशोधित कर सकती है तो रजत जयंती सत्र को देहरादून की बजाय भराड़ीसैंण मे आयोजित कराया जाए।

पहल | दिसंबर में देहरादून में होगा पीआरएसआई का राष्ट्रीय सम्मेलन-2025

देश के विकास को नई दिशा देगा जनसंपर्क का महाकुंभ

- राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने किया सम्मेलन के ब्रोशर का विमोचन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) देहरादून चैप्टर द्वारा आयोजित होने वाले 47वें ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशन्स कॉन्फ्रेंस – 2025 के ब्रोशर का विमोचन राज्यसभा सांसद नरेश बंसल द्वारा किया गया।

यह राष्ट्रीय सम्मेलन आगामी 13 से 15 दिसंबर 2025 तक देहरादून में आयोजित होगा। सम्मेलन का विषय रखा गया है — "विकसित भारत 2047 के लिए जनसंपर्क विज़न"।

इस अवसर पर सांसद बंसल ने कहा कि जनसंपर्क समाज, सरकार और जनता के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य करता है। जनसंपर्क केवल सूचना का प्रसार नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और सकारात्मक सोच के माध्यम से विकास को नई दिशा देने का माध्यम है।

विकास योजनाओं और कार्यक्रमों से जनता को जोड़ने में जनसंपर्क की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यह सम्मेलन न केवल विचारों के आदान-प्रदान का मंच बनेगा, बल्कि भारत 2047 की दृष्टि को सशक्त बनाने में भी योगदान देगा।

सांसद ने कहा कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर रहा है, ऐसे में देहरादून में इस स्तर का आयोजन होना बहुत महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन से राज्य के जनसंपर्क क्षेत्र को नई पहचान मिलेगी और युवा पेशेवरों को सीखने-समझने का अवसर प्राप्त होगा।

ये रहे मौजूद : विमोचन कार्यक्रम में पीआरएसआई देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष रवि बिजारनियां, सचिव अनिल सती, कोषाध्यक्ष सुरेश चंद्र भट्ट, सदस्य अनिल वर्मा, वैभव गोयल, संजय पांडे, नवीन कंडारी, दीपक नौटियाल, सुशील सती, सुनील राणा आदि उपस्थित रहे।

देशभर से शामिल होंगे प्रबुद्ध जन

पीआरएसआई देहरादून चैप्टर के पदाधिकारियों ने बताया कि तीन दिवसीय जनसंपर्क के महाकुंभ के रूप में आयोजित यह राष्ट्रीय सम्मेलन देशभर से जनसंपर्क विशेषज्ञों, मीडिया प्रतिनिधियों, कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स और शिक्षाविदों की उपस्थिति में आयोजित होगा। सम्मेलन के दौरान जनसंपर्क के बदलते परिदृश्य, डिजिटल मीडिया की भूमिका और लोक-संचार के नए आयामों सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा।

सशक्त-संवेदनशील जनसंपर्क तंत्र बनेगा

इस सम्मेलन का उद्देश्य जनसंपर्क के क्षेत्र में नवीन प्रयोगों और सफल पहलों को साझा करना है, ताकि भविष्य के भारत के लिए एक सशक्त और संवेदनशील जनसंपर्क तंत्र तैयार किया जा सके।

सड़क हादसे में एक की मौत व एक घायल

देहरादून : ऋषिकेश- देहरादून रोड पर इलेक्ट्रिक कार पेड़ से टकरा गई हादसे में एक की मौत् हो गई और एक घायल हा गया।

पुलिस के अनुसार, बुधवार को सात मोड़ के पास तेज रफ्तार इलेक्ट्रिक कार अचानक बेकाबू होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा कर पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार देहरादून से ऋषिकेश की ओर आ रही थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के एयरबैग खुल गए और कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी, इसके बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें एक की मौत हो गई और एक घायल हो गए। मृतक की पहचान अभिषेक (25) के रूप में हुई है। दोनों घायलों को प्रारंभिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है।

प्रसव के दौरान महिला के पेट में पट्टी छोड़ने का आरोप

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : राजधानी देहरादून में एक निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगा है। आरोप है कि डॉक्टर्स ने पेट में पट्टी छोड़ दी जिस वजह से संक्रमण होने से महिला की मौत होगई। इसके बाद इस मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी मनोज शर्मा की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति गठित की गई है जो मामले की जांच कर जल्द रिपोर्ट देगी। प्रज्जवल पाल ने शिकायत कर बताया कि उसकी पत्नी 26 वर्षीय ज्योति पाल ने इस साल जनवरी में आई एंड मदर केयर सेंटर में सीजेरियन आपरेशन के जरिए एक पुत्र को जन्म दिया था । आरोप है कि डॉक्टरों ने उसके पेट में पट्टी छोड़ दी और ऊपर से टांके लगा दिए । कुछ दिनों बाद ज्योति के पेट में दर्द होने लगा जिसके बाद उसे उसी अस्पताल में ले जाया गया लेकिन चिकित्सक उसका कोई कारण नहीं बता सके। हाल में उसकी हालत ज्यादा बिगड़ने पर उसे एक अन्य अस्पताल ले जाया गया जहां उसके पेट में पट्टी होने तथा उसके कारण पेट में गंभीर संक्रमण फैलने का पता चला । इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी थी।

सिटी ब्रीफ

नाबालिग लापता मोबाइल पर मिले प्रेमी के मैसेज

हल्द्वानी : बनभूलपुरा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक 15 साल की लड़की लापता हो गई। पुलिस ने पिता की शिकायत पर गुमशुदगी दर्जकर उसकी तलाश शुरू कर दी है। लड़की के पिता ने पुलिस को बताया, उसकी बेटी 21 अक्टूबर की दोपहर घर से बिना बताए चली गई। जाने से पहले वह मोबाइल घर में छोड़ गई। परिजनों ने जब उसका मोबाइल चेक किया तो उस पर किसी लड़के की व्हाट्सएप चैट मिली। शिकायकर्ता को शक है कि उनकी बेटी उसी लड़के के साथ गई है, जिससे वह व्हाट्सएप पर बात करती थी।

कठघरिया-खीमपुर रोड का हाल खराब

हल्द्वानी : शहर से लगे रामड़ी जसुवा गांव को जाने वाली कठघरिया-खीमपुर रोड का हाल खराब है। हालत यह है कि जगह-जगह सड़क के टूटने और डामर उखड़ जने से दो पहिया ही नहीं चौपहिया वाहनों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कठघरिया से रामड़ी जसुव तक एक किम. सड़क पर जगह-जगह बड़े बड़े गड्ढे होने से राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन दो पहिया वाहन चालक सड़क पर गिरकर घयल हो रहे हैं। साथ ही सड़क से उठ रही धूल से लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

दूसरे दिन की दीपावली में कम दर्ज हुआ वायु-प्रदूषण

शहर में सोमवार को 194 व मंगलवार को 187 रहा एक्यूआई

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: दिवाली पर्व का गुरुवार को समापन हो जाएगा और साथ ही अब आतिशबाजी भी कम होने लगेगी। हल्द्वानी में सोमवार और मंगलवार दोनों ही दिन दिवाली मनाई गई। सोमवार को एक्यूआई 194 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया लेकिन राहत की बात है कि मंगलवार को दिवाली होने के बावजूद एक्यूआई में गिरावट आई और एक्यूआई में सात माइक्रोग्राम तक गिरावट आ गई।

13 और 14 अक्टूबर को हल्द्वानी में एक्यूआई 99 माइक्रोग्राम था। 17 अक्टूबर से एक्यूआई 101 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया था। इसके बाद वायु-प्रदूषण बढ़ने लगा और सोमवार को यह उच्चतम स्तर 194 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। माना जा रहा था कि मंगलवार को भी दिवाली है और ऐसे में आतिशबाजी का धुआं और बढ़ेगा। हालांकि ऐसा नहीं हुआ है और हल्द्वानी में मंगलवार को हल्द्वानी में एक्यूआई 187 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। पिछले साल 2024 में दिवाली के दौरान एक्यूआई उच्चतम 198 तक पहुंचा था और उसके बाद एक सप्ताह के अंदर यह 100 से नीचे आ गया था। क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी अनुराग नेगी ने बताया कि अब एक्यूआई में आने वाले दिनों में और भी गिरावट आएगी। कहा कि सभी को प्रदूषण घटाने में सहयोग करना चाहिए।

- मंगलवार को एक्यूआई में सात माइक्रोग्राम की गिरावट
- अब तेजी के साथ नीचे आएगा एक्यूआई

हल्द्वानी में पिछले दिनों का एक्यूआई

13 अक्टूबर-99
14 अक्टूबर-99
15 अक्टूबर-97
16 अक्टूबर-98
17 अक्टूबर-101
18 अक्टूबर-111
19 अक्टूबर-120
20 अक्टूबर-194
21 अक्टूबर-187

हवा की गुणवत्ता के यह हैं मानक

हल्द्वानी। हवा की गुणवत्ता के लिए मानक तय हैं। इसमें 0 से 50 तक एक्यूआई मानव और पशुओं के लिए अच्छा होता है। 51 से 100 तक संतोषजनक माना जाता है। फिर भी इसके कुछ दुष्प्रभाव आते हैं। 100 से 200 तक की श्रेणी औसत में आती है। इसमें सांस के मरीजों को परेशानी होती है। 201 से 300 तक एक्यूआई खराब श्रेणी में आता है। 301 से 400 तक एक्यूआई बहुत खराब और 401 से 500 तक गंभीर श्रेणी में आता है। इसमें सांस लेना मुश्किल हो जाता है।

दो दिन में दो शव मिलने से सनसनी

रामनगर, अमृत विचार: रामनगर में दो दिन के भीतर अलग-अलग जगहों पर दो अज्ञात लोगों के शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि देर रात सूचना मिली थी कि रानीखेत रोड पर एक व्यक्ति पड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस से अज्ञात व्यक्ति को सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल रामनगर के मोर्चरी में रखवाया गया है। उन्होंने बताया कि 72 घंटे बाद पोस्टमार्टम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शव की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। मृतक की उम्र 50 साल के करीब है। वहीं दूसरी ओर ग्राम पूछड़ी क्षेत्र में विगत दिवस एक ओर अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। उन्होंने बताया कि गोशाला के पास एक बगीचे में यह शव मिला है। उन्होंने बताया कि मृतक की उम्र 40 साल के आसपास लग रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया है। शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

घटिया हेलमेट : नहीं बचा सकेंगे जान, पकड़े गए तो होगा चालान

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : वो दिन गए जब पुलिस सिर पर घटिया हेलमेट देखकर आपको छोड़ देती है। क्योंकि अब ऐसा नहीं है। घटिया और सस्ते हेलमेट पहनने से न तो आपकी जान बचेगी और पकड़े गए तो चालान भी नहीं बचेगा। क्योंकि अभियानों में पुलिस अब ऐसे लोगों का भी चालान कर रही है। आंकड़े बताते हैं कि जिले में रोजाना लगभग 20 और कुमाऊं में 600 लोगों का हर महीने सिर्फ इसी वजह से चालान हो रहा है।

कुमाऊं में बीते दिनों चलाए गए ड्रंक एंड ड्राइव अभियान के दौरान दोपहिया वाहनों पर भी कार्रवाई की गई थी। जिसमें नशे में वाहन दौड़ाने, बिना हेलमेट व कागजात समेत कमजोर या घटिया गुणवत्ता के हेलमेट पहनकर सफर करने के मामले सामने आए है। महीने भर में 600 से अधिक लोग छह जिलों में ऐसे मिले जो निम्न गुणवत्ता और बेहद कमजोर हेलमेट पहनकर वाहन चलाते पाए गए।

औसतन रोज 20 लोगों का पुलिस चालान कर रही है। आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि यातायात नियमों को तोड़ने वालों पर कार्रवाई के निर्देश सभी जिलों को दिए हैं।

- कुमाऊं में रोजाना औसतन 20 और महीने में 600 से अधिक चालान घटिया और सस्ते हेलमेट पर हो रहे हैं

आईएसआई मार्क का हेलमेट ही सुरक्षित

हल्द्वानी : यातायात निरीक्षक हल्द्वानी महेश चंद्रा ने बताया कि यातायात नियमों के अनुसार आईएसआई मार्क वाला हेलमेट ही सुरक्षित माना जाता है। यह मार्क यह सुनिश्चित करता है कि हेलमेट भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों को पूरा करता है। यह हेलमेट सिर को गंभीर चोटों को बचाता है।

सस्ते के चक्कर में खतरा ले रहे मोल

हल्द्वानी : लोग सस्ते के चक्कर में घटिया गुणवत्ता का हेलमेट खरीद रहे हैं। 800 से 1000 रुपये में आईएसआई मार्क का हेलमेट मिल जाता है मगर सस्ते के चक्कर में लोग 300-400 रुपये वाला असुरक्षित हेलमेट ले रहे हैं। वहीं महिलाएं रंग बिरंगी हेलमेट पहनना ज्यादा पसंद कर ही हैं। जो कि अधिकांश निम्न गुणवत्ता के होते हैं।

हाथियों की रक्षा को झूलते तारों की शीघ्र करें मरम्मत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हरिद्वार में झूलते बिजली के तारों की चपेट में आने से हाथी की मौत के बाद कुमाऊं में भी वन विभाग सतर्क एवं सक्रिय हो गया है। वन विभाग ने बिजली विभाग को पत्र लिखकर सर्वे कर झूलते तारों के स्थान चिन्हित कर मरम्मत के निर्देश दिए हैं।

हल्द्वानी वन डिवीजन के जंगल नैनीताल, ऊधम सिंह नगर औ चम्पावत के जिलों में फैले हुए हैं। इनमें नंधौर वन्यजीव अभ्यारण्य भी है। इसी के साथ ही इस वन डिवीजन के जंगल शिवालिक एलीफेंट कॉरिडोर भी है।

यहां से हाथी कॉर्बेट टाइगर रिजर्व से नेपाल तक का रास्ता तय करते हैं। हाथी नैनीताल, ऊधम सिंह नगर व चम्पावत तीनों जिलों से गुजरते हैं। हाल ही में हरिद्वार में एक बिजली का पोल झुका हुआ था जिसके तार झूल रहे थे। जब हाथी वहां से गुजरा तो इनतारों की चपेट में आने से करंट लगने से उसकी मौत हो गई।

इसको देखते हुए वन विभाग यहां भी सतर्क हो गया है।

- हरिद्वार में झूलते बिजली के तारों की चपेट में आने से हाथी की मौत के बाद वन विभाग ने सर्वे के लिए बिजली विभाग को लिखा पत्र

नैनीताल, चम्पावत के बिजली अधिकारियों को पत्र लिखकर से जंगलों व आसपास झुके हुए पोल व झूलते तारों के सर्वे करने के निर्देश दिए हैं ताकि समय रहते इनकी मरम्मत हो सके। -कुंदन कुमार, डीएफओ, हल्द्वानी वन डिवीजन

दरअसल, यहां भी जंगलों से सटे हुए बिजली के खंभे व तार हैं। कई गांवों जंगलों से सटे हुए है जिनसे हाईटेंशन लाइनें गुजरती हैं, ऐसे में पोल व तारों के झूलने से यहां भी अनहोनी हो सकती है। इसको देखते हुए डीएफओ कुंदन कुमार ने नैनीताल और चम्पावत के बिजली अधिकारियों को पत्र लिखकर सर्वे करने के निर्देश दिए हैं।

इस सर्वे में बिजली के झुके हुए पोल, झूलते तार आदि के स्थान चिन्हित किए जाएं और समय से इसकी मरम्मत की जाए। उन्होंने कहा कि यदि समय से सर्वे व मरम्मत नहीं की तो और झूलते तारों की चपेट में आने से हाथी की मौत हो गई तो संपूर्ण जिम्मेदारी बिजली विभाग की होगी।

हल्द्वानी में बनेगी पहली ऑर्गेनिक कृषि मंडी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिलेट्स एवं ऑर्गेनिक अभियान को उत्तराखंड कृषि उत्पादन एवं विपणन बोर्ड बढ़ाने जा रहा है। मंडी बोर्ड ने हल्द्वानी में राज्य की पहली ऑर्गेनिक मंडी बनाने जा रहा है। इसमें सिर्फ ऑर्गेनिक उत्पादों की ही खरीद-बिक्री होगी।

मंडी बोर्ड के अनुसार, एफटीआई रोड पर मंडी की निर्माण शाखा का कार्यालय था। यहां कबाड़ का एक गोदाम किराए पर था जिसे हाल ही में मंडी प्रबंधन ने खाली करवा दिया है। अब प्रबंधन इस भूमि पर 36 दुकानें बनाने जा रहा है। पहले चरण में 18 दुकानें बनाई जाएंगी। इन दुकानों में सिर्फ ऑर्गेनिक उत्पादों की ही खरीद बिक्री होगी।

अभी तक ऑर्गेनिक मंडी अलग से नहीं होने पर जैविक खेती करने वाले काश्तकारों को भारी दिक्कतें होती हैं। उनकी उपज का सही दाम नहीं मिल पाता है। वहीं, जैविक व अजैविक को लेकर उपभोक्ताओं में संशय बना रहता है। अब अलग से जैविक उत्पादों की बिक्री के लिए दुकानें आवंटित होने से काश्तकारों की उपज को भी पहचान मिलेगी और सही दाम भी मिलेंगे। वहीं उन्हें उत्पाद के लिए यहां-वहां नहीं भटकना होगा। फिलहाल दुकानों के शिलान्यास हो गया है, जल्द ही काम शुरू हो जाएगा।

- एफटीआई रोड पर मंडी की जमीन पर बनाई जाएंगी 36 दुकानें
- इनमें सिर्फ ऑर्गेनिक उत्पाद ही बिकेंगे

हल्द्वानी में तरणताल रोड पर मंडी कार्यालय के समीप 36 दुकानें प्रस्तावित हैं। इनमें 18 दुकानों का निर्माण पहले किया जाएगा। जिनमें सिर्फ ऑर्गेनिक उत्पाद ही बेचे जाएंगे। यह राज्य की पहली जैविक मंडी होगी।
-डॉ. अनिल कपूर डब्बू, चेयरमैन मंडी बोर्ड

ये होंगे फायदे

1. जैविक खेती करने वाले काश्तकारों को उपज के सही दाम मिलेंगे
2. जैविक-अजैविक उपज को लेकर उपभोक्ताओं का संशय दूर होगा
3. जैविक खेती को प्रोत्साहन मिलेगा
4. जैविक मंडी बनने से नई दुकानें बनने पर मंडी की आय बढ़ेगी

पहाड़ी मडुवा, राजमा, झिंगोरा भी मिलेगा

हल्द्वानी : शहर में बनने वाली पहली जैविक मंडी में सिर्फ ऑर्गेनिक सब्जियां ही नहीं बल्कि पहाड़ में होने वाला ऑर्गेनिक राजमा, मडुवा, झिंगोरा के साथ-साथ गेहूं, चावल भी मिलेंगे। अन्य शब्दों में कहें तो इसका मकसद मिलेट्स मोटे अनाज को बढ़ावा देना है।

पहाड़ों में बारिश के आसार पड़ेगी कड़ाके की ठंड

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: राज्य में ठंड बढ़ने के आसार हैं। पांच जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है तो वहीं ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी भी हो सकती है। अगर बर्फबारी होती है तो मैदानी इलाकों में बहने वाली हवा भी सर्द हो जाएगी।

मैदानी इलाकों में पारा 30 से 32 डिग्री तक पहुंच रहा है। दिन के समय हल्की गर्मी है और रात के समय मौसम सुहावना है। इधर, मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने अनुमान जताया है कि उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले में कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमक सकती है और बारिश होगी। साथ ही 3500 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों जैसे बद्रीनाथ, केदारनाथ आदि में बर्फबारी हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो मैदानी इलाकों में मौसम बदलेगा और पहाड़ों की बर्फबारी की वजह से यहां हवा सर्द हो जाएगी। हल्द्वानी की बात करें तो यहां दिन के समय हल्की गर्मी रही और अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री रहा। वहीं मुक्तेश्वर में पारा 20 डिग्री तक पहुंचा है।

अब रजिस्ट्रार कानूनगो की रिपोर्ट पर सुधर जाएंगी खतौनी की त्रुटियां

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : अब जनता को खतौनी में नाम, पता आदि की त्रुटियां सुधरवाने के लिए तहसील के चक्कर नहीं काटने होंगे। रजिस्ट्रार कानूनगो की रिपोर्ट के आधार पर जल्द ही समाधान हो जाएगा।

भूमि खरीद के बार खतौनी में नाम, पता, खसरा संख्या वगैरह किन्हीं कारणों से गलत हो जाए तो उसे सुधारने में भूस्वामी के पसीने छूट जाते हैं। नाम, पता ही सुधारने में पटवारी, फिर इस काउंटर से उसक काउंटर, इसकी-उसकी रिपोर्ट में भूस्वामी की चप्पलें घिस जाती हैं। वहीं जनता का समय व धन दोनों ही बर्बाद होते हैं। इसके अलावा, आयुक्त दीपक रावत की जन सुनवाई में कई ऐसे मामले आए जिसमें नाम, पता, पिता का नाम वगैरह की त्रुटि संशोधन की मांग की गई।

इस पर आयुक्त ने सभी को निर्देश दिए थे कि जो काम निचले स्तर पर किए जा सकते हैं, उसको तुरंत ही किया जाए। मामूली वाद-विवाद के निबटारे के लिए उन्हें उच्च अधिकारियों के पास नहीं आना पड़ें। इधर, आयुक्त के निर्देशानुसार तहसीलदार कुलदीप पांडेय ने जनता को भारी सहूलियत देने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि खतौनी में भूस्वामी के नाम, पिता का नाम, खातेदार के नाम समेत अन्य मामूली त्रुटियों के लिए सिर्फ रजिस्ट्रार कानूनगो की रिपोर्ट लगेगी और सुधार कर दिया जाएगा। फरियादी को बार-बार यहांवहां चक्कर नहीं लगाने होंगे।

अब खतौनी में नाम, पता आदि लिपिकीय त्रुटियों में संशोधन-सुधार के लिए रजिस्ट्रार कानूनगो की रिपोर्ट लेकर संशोधन कर दिया जाएगा। फरियादियों को बेवजह चक्कर नहीं लगाना होगा।
-कुलदीप पांडेय, तहसीलदार हल्द्वानी

- जनता को नहीं काटने पड़ेंगे तहसील दफ्तर के चक्कर
- कुमाऊं आयुक्त बोले जो काम निचले स्तर पर हो सकते हैं करें

दिवाली की रात युवकों ने फूंकी बाइक

- राजपुरा क्षेत्र की घटना, हिरासत में लिए गए चार युवक

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : दीपावली की रात अराजक तत्वों ने जमकर अराजकता दी। युवकों ने राजपुरा में घर के बाहर खड़ी बाइक फूंक दी, सीसीटीवी तोड़ दिए। आग की चपेट में आकर एक और बाइक जल गई। मामले में पुलिस ने चार युवकों को हिरासत में लिया है।

राजपुरा वार्ड 12 निवासी विशाल ने बताया कि वह यहां परिवार के साथ रहते हैं। मंगलवार रात करीब 10 बजे वह सो चुके थे। तभी पड़ोसी शनि दौड़ता हुआ विशाल के घर पहुंचा और बताया कि बाहर खड़ी बाइक जल रही है। आनन-फानन में उन्होंने पड़ोसियों की मदद से बाइक पर पानी डालना शुरू किया, लेकिन काम नहीं बना और बाइक पूरी तरह जल गई। पास खड़ी एक और बाइक आग की चपेट में आ गई। लोगों ने पाया कि घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी भी तोड़े गए थे। जिसके बाद लोग पुलिस के पास पहुंचे। बुधवार को पुलिस ने घटना स्थल के पास लगे अन्य कैमरे चेक किए तो चार युवक भागते नजर आए। जिसके बाद उनकी शिनाख्त की गई और चारों को हिरासत में ले लिया गया। विशाल का कहना है कि घटना को साजिशन अंजाम दिया गया है। राजपुरा चौकी प्रभारी कृष्णा गिरी ने बताया कि पूछताछ के लिए चार युवकों को हिरासत में लिया गया है।

राजपुरा में अराजकतत्वों द्वारा फूंकी गई मोटर साइकिल। ● अमृत विचार

हालात राज्य में पिछले 16 साल में ढाई लाख से ज्यादा लोगों को कुत्तों ने काटा, रैबीज नामक लाइलाज बीमारी का रहता है खतरा

डॉग बाइट में हरिद्वार अव्वल, तीसरे नंबर पर नैनीताल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : प्रदेश में कुत्तों के काटने (डॉग बाइट) के मामले लगातार चिंता का कारण बने हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2009 से सितंबर 2025 तक प्रदेश में 2.5 लाख से अधिक लोग कुत्तों के हमलों का शिकार हो चुके हैं। इसमें हरिद्वार जिला सबसे आगे है। आंकड़ों के मुताबिक, हरिद्वार में अब तक 144888, देहरादून में 129607 और नैनीताल में 88094 लोग डॉग बाइट का शिकार बने हैं। डॉग बाइट मामलों में हरिद्वार पहले, देहरादून दूसरे और नैनीताल तीसरे स्थान पर है। डॉग बाइट के मामले साल दर साल बढ़ते जा रहे हैं।

2009 में जहां 6883 मामले सामने आए थे, वहीं अगले ही साल ये आंकड़ा 14155 तक पहुंच गया। 2011 में मामलों की संख्या 30557 रही। इसके बाद 2012 में 38081, 2013 में 43197, 2014 में 50026 और 2015 में 51696 मामलों की पुष्टि हुई। 2016 से 2019 तक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ मामलों में वृद्धि जारी रही। 2020 में महामारी के दौरान मामले घटकर 23179 रह गए, लेकिन इसके बाद फिर धीरे-धीरे बढ़ोतरी देखने को मिली। 2023 में 25623 और 2024 में 23091 मामले दर्ज किए गए। सितंबर 2025 तक 24605 लोग कुत्तों के काटने से पीड़ित हुए।

विशेषज्ञों का कहना है कि कुत्तों के काटने के मामलों पर नियंत्रण के लिए स्ट्रे डॉग पॉपुलेशन मैनेजमेंट, टीकाकरण अभियान और जनजागरूकता बहुत जरूरी है। साथ ही समय पर एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध कराना भी अहम है। सरकारी एजेंसियों के लिए बढ़ते ये आंकड़े एक गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं।

नैनीताल जिले के वर्षवार आंकड़े

2010- 900
2011- 3633
2012 - 4344
2013 - 5646
2014 - 7027
2015 - 9199
2016 - 8884
2017- 9152
2018 - 10461
2019 - 10815
2020 - 5828
2021 - 6140
2022 - 510
2023 - 1685
2024 - 1864
2025 - 1177

कूड़े की सफाई शीघ्र कराएं निकाय

हल्द्वानी, अमृत विचार : डीएम ललित मोहन रयाल ने सभी नगर निकायों को दीपावली पर्व के बाद शहरी क्षेत्रों में फैले कूड़े के तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए हैं।

डीएम ने कहा कि दीपावली त्योहार के बाद शहर व शहर से सटे क्षेत्रों में आतिशबाजी जलाने से भारी मात्रा में कूड़ा एवं गंदगी हुई है। सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नगर क्षेत्रों में पूर्ण सफाई व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित कराते हुए इसकी फोटो उपलब्ध कराएंगे। हल्द्वानी शहर में सफाई के लिए अतिरिक्त कार्मिक तैनात करते हुए नगर निगम आयुक्त स्वयं इस अभियान का नेतृत्व करेंगे। इसके अतिरिक्त जनपद स्तर पर सभी निकायों में चलाए जा रहे इस अभियान के भी नोडल अधिकारी नगरायुक्त रहेंगे। वह सभी नगर पालिका एवं नगर पंचायत से सूचना फोटो सहित एकत्रित कर जिला कार्यालय नैनीताल एवं शासन को तत्काल प्रेषित करेंगे।

दीये से झोपड़ी में लग गई आग, गाय झुलसी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : दीपावली की रात आतिशबाजी से लगने वाली आग का सिलसिला मंगलवार को भी नहीं थमा। जहां रॉकेट की वजह से गौलापार में पराली धधक उठी, वहीं टीपीनगर चौकी क्षेत्र में दीये की लौ ने झोपड़ी को अपनी चपेट में ले लिया और एक गाय बुरी तरह जल गई।

एफएसओ मिंदरपाल ने बताया कि नीलियम कालोनी टीपीनगर में धीरज मौर्या पुत्र बेनीराम परिवार के साथ रहते हैं और मजदूरी करते हैं। उन्होंने एक गाय पाली है और उसे एक झोपड़ी में रखते हैं। मंगलवार रात करीब साढ़े 8 बजे झोपड़ी में अचानक आग लग गई। लोगों ने राहत बचाव कार्य शुरू किया और सूचना दमकल को दी। कुछ ही देर में दमकल की टीम मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की मदद से दमकल ने आग पर काबू पा लिया, लेकिन झोपड़ी में बंधी गाय बुरी तरह झुलस गई। लोगों का कहना था झोपड़ी में दीपावली का दीया रखा था। संभवतः इसी वजह से आग लगी है।

वहीं रात करीब 8 बजे देवला मल्ला काठगोदाम से आग की सूचना मिली। यहां दीपावली पर छोड़ा गया रॉकेट पराली में घुस गया और जरा देर में पराली धधकने लगी। आनन-फानन में दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कुछ ही पल में आग पर काबू पा लिया। उल्लेखनीय है कि कुमाऊं में दिवाली का पर्व दो दिन मनया गया। गई जगह 20 तो पहाड़ों में 21 अक्टूबर को पर्व मनाया गया।

- मंगलवार रात दीपावली के पटाखों से लगी दो जगह आग
- झोपड़ी में बंधी थी गाय, तेजी से भड़की आग

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 23 अक्टूबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

शराब पीकर दौड़ा रहा था टैक्सी, वाहन सीज

नैनीताल : शहर के मल्लीताल क्षेत्र में शराब पीकर टैक्सी वाहन चलाना युवक को महंगा पड़ गया। पुलिस ने युवक का मेडिकल परीक्षण कराया। मेडिकल में नशे में होने की पुष्टि होने के बाद वाहन सीज कर दिया है। जानकारी के मुताबिक बुधवार को एसआई दीपक कार्की मल्लीताल घोड़ा स्टैंड के समीप वाहनों की चेकिंग अभियान में जुटे हुए थे। इस बीच तेज रफ्तार से भाग रहे टैक्सी वाहन को रोककर उन्होंने दस्तावेज दिखाने को कहा। चालक वाहन से बाहर निकला तो लड़खड़ाने लगा। पुलिस ने चालक का मेडिकल परीक्षण करवाया तो उसके नशे में होने की पुष्टि हुई। दीपक कार्की ने बताया कि पंगोट निवासी पूरन चंद्र बुधलाकोटी का वाहन एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया गया है। एसआई दीपक कार्की ने बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने वाहन चालकों से शराब पीकर वाहन न चलाने की अपील की है।

पर्यटकों और रेस्टोरेंट के कर्मचारियों के बीच मारपीट

पुलिस ने होटल संचालक समेत चार के खिलाफ की कार्रवाई

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: तल्लीताल रेस्टोरेंट में खाना खाने के दौरान पर्यटकों व रेस्टोरेंट कर्मियों के बीच मारपीट हो गई। मारपीट में कई लोग चोटिल हुए हैं। पुलिस ने मारपीट में शामिल लोगों को हिरासत में ले लिया है।

जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह तल्लीताल बाजार में एक रेस्टोरेंट में खाना खाने के दौरान पर्यटक व रेस्टोरेंट के कर्मचारियों में विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो पर्यटकों व रेस्टोरेंट संचालकों के बीच मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान पर्यटक व रेस्टोरेंट कर्मी लड़ते हुए सड़क तक आ पहुंचे। इस दौरान लात घूसे चले तो भीड़ जमा हो गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया और मारपीट करने वालों को हिरासत में ले लिया है। एएसआई सुनील कुमार ने बताया कि मामले में रेस्टोरेंट संचालक हेमंत कुमार व अल्मोड़ा निवासी कर्मचारी गौरव बिष्ट, मनोरा निवासी कौशल समेत पानीपत हरियाणा निवासी मोहित के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है।

पुलिस से अभद्रता पर पर्यटक का चालान

नैनीताल : दिल्ली से नैनीताल घूमने आए पर्यटक को मल्लीताल में रफ ड्राइविंग करना और पुलिस के साथ अभद्रता करना महंगा पड़ गया। पर्यटक के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को दिल्ली के पर्यटक अपने वाहन से नैनीताल घूमने आये थे। मल्लीताल में रफ ड्राइविंग करते हुए वह पुलिस के वाहन के सामने आ गए। जब पुलिस ने उनको रफ ड्राइविंग करने पर टोका तो वह पुलिस को ही गलत ठहराने लगे। पुलिस उनको कोतवाली ले आई। जब पुलिस ने पर्यटक से चालानी कार्रवाई की बात कही तो पर्यटक अभद्रता पर उतर आए। फटकार लगाने पर पर्यटक शांत हुए। एसएसआई दीपक बिष्ट ने बताया कि मामले में दिल्ली निवासी जय किशन के खिलाफ एमवी एक्ट में कार्रवाई की गई है।

चार लोग पटाखों से झुलसे, एक गंभीर

नैनीताल: दीपावली पर घरों को रोशन करने के साथ ही लोगों ने जमकर अतिशबाजी भी की। इस दौरान लापरवाही के चलते आतिशबाजी में चार लोग झुलस गए। जिसमें से 12 वर्षीय किशोर की एक आंख की रोशनी चले जाने के कारण उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

सामान्य झुलसे तीन लोगों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। बता दें कि पंगोट निवासी 12 वर्षीय यशराज पटाखे चला रहा था। तभी एक पटाखा उसकी दाई आंख के समीप फट गया। आंख के भीतर बारूद चले जाने से उसे दिखाई देना बंद हो गया। देर रात होने के कारण स्वजन उसे अस्पताल तक नहीं ला सके। सुबह स्वजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। जहां परीक्षण में चिकित्सकों ने उसकी एक आंख की रोशनी चले जाने की पुष्टि करते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। मल्लीताल निवासी अरुण, लोसेन व आनंदी देवी भी झुलसने के बाद उपचार कराने अस्पताल पहुंचे थे।

बीच सड़क पर पहुंचा हाथी यात्रियों में मचा हड़कंप

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रामनगर वन प्रभाग कोटा रेंज के भण्डारपानी क्षेत्र में एक जंगली हाथी जंगल से निकलकर सड़क पर आ गया। वहां से गुजर रहे लोगों में जहां राह चलते लोगों में अफरातफरी मच गई। वहीं मार्ग से गुजरने वाले वाहनों की रफ्तार थम सी गई। सोशल मीडिया में इसका वीडियो बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो और भण्डारपानी क्षेत्र का बताया जा रहा है। वहां से गुजर रहे पर्यटकों ने इसे अपने कैमरे में कैद किया है। बताया गया हे कि बीते दिनों भण्डारपानी में एक जंगली हाथी जंगल से निकलकर सड़क पर आ गया। कुछ देर तक वह सड़क पर खड़ा रहा और हाथी ने कुछ दूर कार के बाहर सड़क पर खड़े लोगों का पीछा भी किया। डर की वजह से लोग भागते नजर आए। बीस मिनट बाद वह हाथी जंगल की ओर चला गया और लोगों ने राहत की सांस ली। बताया जा रहा है कि सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई थी। रामनगर वन प्रभाग के एसडीओ अंकित बडोला ने लोगों से सावधानी पूर्वक चलने की अपील की है। उनका कहना है कि यह वन क्षेत्र है इस मार्ग में वन्य जीवों का आवागमन आम बात है। सुरक्षित और चौकन्ना रहकर चलना ही इस मार्ग पर जरूरी है।

बीच सड़क पर हाथी देख रुकी वाहनों की रफ्तार। ● अमृत विचार

महिला के साथ छेड़छाड़ के आरोपी दो सगे भाई गिरफ्तार

संवाददाता, रामनगर

पुलिस हिरासत में महिला के साथ छेड़छाड़ के आरोपी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: एक महिला के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में पुलिस ने दो सगे भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। ग्राम पीरुमदारा क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने घर से कुछ दूर बच्चों को स्कूल छोड़ने जाती है।

बीते दिनों उन्हीं के गांव में रहने वाले दो सगे भाइयों ने उसका रास्ता रोककर छेड़खानी की। पीड़िता ने बताया कि विरोध करने पर आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ छेड़खानी सहित विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया गया।

उन्होंने बताया कि आरोपी ललित और नवीन चन्द्र उर्फ राजू पुत्र स्व. अम्बादत्त निवासी गुमानपुर पीरुमदारा रामनगर को उनके घर से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। इस दौरान पुलिस टीम में महिला एसआई सुरभि राणा, कांस्टेबल विनीत चौहान, कल्लू सिंह शामिल रहे।

पूरे दिन चटख धूप खिलने से निखरी नैनीताल की रंगत

नैनीताल: सरोवर नगरी में चटख धूप पूरे दिन खिली रही। नगर का मौसम सुबह से ही मेहरबान रहा। हल्के बादल आते जाते रहे। जिसका मौसम पर खास असर नहीं पड़ा। अलबत्ता दिन के समय तेज धूप में बैठना असहनीय हो गया तो लोग छांव की शरण लेने को मजबूर हो गए। अपराह्न तीन बजे बाद धूप के तेवर हल्के हुए तो नगर की रंगत में अलग निखार आया। साफ मौसम रहने से हिमालय की विराट सफेद चोटियों के दर्शन हुए। देर शाम तक मौसम सुहावना बना रहा। साथ ही पाला गिरने से हल्की ठंड महसूस होने लगी। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 24 व न्यूनतम 13 डिग्री सेल्सियस रहा। आद्रता अधिकतम 80 व न्यूनतम 40 फीसद रही।

प्रदूषण से राहत पाने नैनीताल पहुंचे सैलानी

संवाददाता, नैनीताल

● दीपावली वीकेंड पर उमड़ी पर्यटकों की भीड़

अमृत विचार: दीपावली वीकेंड पर सरोवर नगरी नैनीताल में पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिल रही है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ और अन्य बड़े शहरों से पर्यटक यहां का रुख कर रहे हैं। महानगरों में प्रदूषण और बढ़े एक्यूआई से राहत पाने के लिए लोग नैनीताल की ओर रुख कर रहे हैं, जहां फिलहाल मौसम बेहद साफ, खुशनुमा और प्रदूषण रहित है।

इन दिनों दिल्ली की हवा दिन प्रतिदिन प्रदूषित होती जा रही है। दिल्ली की हवा का एक्यूआई लेवल बढ़ता जा रहा है। आलम यह है कि दिल्ली के कुछ इलाकों में एक्यूआई लेवल 600 तक पहुंच चुका है। ऐसे में दिल्ली की हवा जहरीली होती जा रही है। इसका कारण दिवाली के दौरान हुआ प्रदूषण है। वहीं दिल्ली के प्रदूषण से निजात पाने के लिए काफी संख्या में पर्यटक नैनीताल पहुंच रहे हैं। नैनीताल में अप्रैल माह में हुई नाबालिग से दुष्कर्म की घटना के बाद से पर्यटन सीजन बेहद कम था। लेकिन अब दीपावली के बाद पर्यटकों से इन दिनों सरोवर नगरी गुलजार होने लगी। बता दें कि इन दिनों प्रदूषण के चलते दिल्ली के कई इलाकों में धुंध छाई हुई है।

वहीं बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (CAQM) ने दिल्ली-एनसीआर में बदले हुए ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के चौथे फेज को लागू कर दिया है।

पर्यटकों की संख्या में हुआ इजाफा : नैनीताल होटल एसोसिएशन के सचिव वेद शाह बताते हैं कि इन दिनों दिल्ली में प्रदूषण बढ़ा हुआ है। जिसका असर नैनीताल के पर्यटन पर भी पड़ा है जिस वजह से नैनीताल आने वाले दिल्ली-NCR के पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने बताया कि बीते अप्रैल माह से नैनीताल में पर्यटकों की संख्या बेहद कम थी अब धीरे-धीरे पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है आगे और अच्छा काम होने की उम्मीद है।

राहत की सांस ले रहे दिल्ली से पहुंचे पर्यटक

दिल्ली से नैनीताल घूमने पहुंची पर्यटक प्रियांशी अग्रवाल ने बताया कि दिल्ली में इन दिनों प्रदूषण का कहर है। पूरी दिल्ली में धुंध छाई हुई है। सांस लेने में तक लोगों को तकलीफ हो रही है। दिल्ली की हवा का एक्यूआई लेवल बढ़ा हुआ है। जिस वजह से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है उन्होंने बताया कि पहाड़ों में इन दिनों ठंड है। नैनीताल में मौसम खुशनुमा बना हुआ है दिल्ली से नैनीताल पहुंचे पर्यटक शिवांग ने बताया कि दिल्ली में स्थिति बेहद खराब है। यही वजह है कि वो कुछ दिन नैनीताल घूमने आ गए हैं. यहां के प्राकृतिक नजारे, शुद्ध वातावरण उन्हें बेहद पसंद है. हालांकि पहाड़ों में ठंड बढ़ चुकी है लेकिन नैनीताल में उन्हें काफी अच्छा लग रहा है।

समस्त क्षेत्रवासियों को भाईदूज और छठ पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

• EV SCHOOTERS
• EV LOADER
एक्सचेंज ऑफर
Auth. Partner
BISHT Enterprises
"NAYE BHARAT KI RAFTAAR"
आकर्षक कीमत पर उपलब्ध
32,999/-

Sale | Service | Parts
0% DOWN PAYMENT
नीमा बिष्ट
मैनेजिंग डायरेक्टर
Sitarganj Road, Near Tharu Vikas Bhawan, Khatima
8979544583, 8171769991
Helpline no. 9760181344

मारपीट में दो के खिलाफ कार्रवाई

नैनीताल: दीपावली के दौरान मल्लीताल में युवकों के बीच मारपीट हो गई। मारपीट के बाद कोतवाली पहुंचे युवकों का मेडिकल कराकर पुलिस ने कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार देर शाम मल्लीताल बाजार में कुछ युवक एक कमरे में पार्टी कर रहे थे। इस दौरान एक युवक के बीड़ी पीने पर दूसरे युवक ने टोका तो विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो युवकों में आपस में लड़ाई हो गई। मारपीट में एक युवक चोटिल हो गया। जिसके बाद वह नशे में ही अपने साथी के साथ कोतवाली पहुंच गया। जहां वह बवाल काटने लगे। एसएसआई दीपक बिष्ट ने बताया कि मारपीट व हंगामा करने पर मल्लीताल निवासी प्रकाश व अयोध्या निवासी विशाल चौहान के खिलाफ पुलिस एक्ट में कारवाई की गई है।

भीमताल पुलिस की गिरफ्त में आरोपी युवक। ● अमृत विचार

पुलिस ने चोरी के सामान के साथ आरोपी दबोचा

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल पुलिस ने 20 अक्टूबर को भीमताल पेट्रोल पंप में हुई चोरी का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने एक व्यक्ति को चोरी के समान के साथ गिरफ्तार किया है।

मामले की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष संजीत राठौर ने बताया कि पेट्रोल पंप में 20 अक्टूबर रात्रि में चोर ने नकदी और एटीएम चोरी कर लिया था। पुलिस ने युगल कुमार पुत्र भुवन चन्द्र , निवासी ग्राम तोक पाण्डेछार, अलचौना, थाना भीमताल को 11 हजार 300 रुपये नकद और एटीएम कार्ड (पीएनबी) के साथ गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष संजीत राठौड़, उनि. गणेश सिंह राणा, कांस्टेबल ललित आगरी व जीवन कुमार आदि शामिल थे।

धूल से लोग परेशान पानी छिड़कने की मांग

भीमताल: भीमताल बाईपास में लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 8 करोड़ की लागत से मोटर मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। भीमताल विधानसभा की महत्वपूर्ण योजना में शुमार इस कार्य लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। केवल अब डामरीकरण का कार्य बाकी है।

लंबे समय से बरसात नहीं होने से इस मोटर मार्ग में धूल का वर्चस्व बना हुआ है हवा चलने या फिर वाहनों के गुजरने से उठने वाले धूल के गुबार से आसपास रहने वाले लोग काफी परेशान हैं। हालांकि तीन दिन पूर्व तक कार्य संपादित करने वाले ठेकेदार के द्वारा ट्रैक्टर लगाकर पानी का छिड़काव किया जा रहा था। लेकिन वर्तमान में दीपावली का त्योहार होने के कारण ठेकेदार के आदमी अपने-अपने घरों को गए हुए हैं ऐसे में सड़क पर पानी का छिड़काव नहीं होने से सड़क में धूल ही धूल फैली हुई है। स्थानीय प्रभावित जनता ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से शीघ्र से शीघ्र मोटर मार्ग में डामरीकरण कराने की मांग की है।

नियुक्ति पत्र सौंपते सांसद अजय भट्ट। ● अमृत विचार

कमला आर्य दिशा की प्रतिनिधि मनोनीत

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: नैनीताल ऊधमसिंह नगर के सांसद अजय भट्ट ने पूर्व मंडल अध्यक्ष कमला आर्य को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) का प्रतिनिधि मनोनीत किया है।

कमला आर्य को प्रतिनिधि बनाए जाने पर जिला अध्यक्ष प्रताप बिष्ट, विधायक राम सिंह कैड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, पूर्व मंत्री गोविंद सिंह बिष्ट, जिला मंत्री मनोज भट्ट, मंडल अध्यक्ष कमल जोशी, भावना मेहरा, कमलेश रावत, गोपाल भट्ट, योगेश तिवारी, संदीप पांडे, मंजू वाला, जया बोरा, मोना सुयाल, भावना पांडे, गीता पांडे, मीनाक्षी भगत, कुलदीप बोरा, प्रकाश कनौजिया, समेत कई कार्यकर्ताओं व पदाधिकारी ने खुशी जताई व सांसद का आभार व्यक्त किया।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

समस्या

ग्राम सभा सलड़ी का मामला, आपदा में क्षतिग्रस्त हुई थी नहर

खेती के लिए नहीं मिल रहा पानी, ग्रामीण परेशान

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: विकासखंड भीमताल के अंतर्गत ग्राम सभा सलड़ी में सिंचाई विभाग ने लगभग दो दशक पूर्व भीमताल से निकलने वाले घटीगाड़ नाले से नहर का निर्माण किया था।

इस नहर से ग्रामीणों को खेती करने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो रहा था जिससे काश्तकारों को सिंचाई व्यवस्था के चलते अच्छी पैदावार मिल रही थी लेकिन वर्तमान में इस नहर से ग्राम सभा को एक भी बूंद पानी नहीं मिल रहा है। जिससे काश्तकार खेती नहीं कर पा रहे हैं और उन्हें तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। खेती नहीं होने से ग्रामीणों के सामने रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है।

मेरा प्रयास रहेगा कि मैं जिला पंचायत से इस संदर्भ में कुछ करूं वहीं मेरा यह भी प्रयास है कि जिला योजना में इसके लिए धन स्वीकृत हो। –**विपिन जंतवाल**, जिला पंचायत सदस्य

● नहर की मरम्मत नहीं होने से काश्तकार परेशान

हालात ऐसे बन चुके हैं कि ग्रामीण खेतीबाड़ी छोड़ रोजगार के लिए अन्यत्र शहरों का रुख करने लगे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार करीब 10 साल पहले आपदा के चलते इस नहर का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। ग्रामीणों की मांग पर उस समय इस नहर की मरम्मत की गई थी। ग्रामीणों के अनुसार तकनीकी खामियों के

ब्लॉक स्तर से इस समस्या का कैसे समाधान हो इसका प्रयास किया जा रहा है। इस संदर्भ में उच्च अधिकारियों को बैठकों में अवगत कराया जाएगा। –**उमेश पलड़िया**, ज्येष्ठ ब्लाक प्रमुख

ग्राम सभा की स्थिति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि क्षेत्र की लगभग 60 प्रतिशत आबादी दूसरे शहरों में काम करने को मजबूर है। –**नवीन पलड़िया**, ग्रामीण

क्षेत्र के अधिकांश युवक खेती करना चाहते हैं लेकिन पानी के अभाव में निराश बैठे हैं। –**पंकज पलड़िया**, ग्रामीण

अब कृषि नहीं होने के कारण काश्तकार दूसरे शहरों में नौकरी करने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि 10 साल से लगातार वह जनप्रतिनिधियों से इस नहर की मरम्मत की मांग कर रहे हैं लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

एसटीएच में आधे दिन खुली ओपीडी बाकी जगह रही बंद

हल्द्वानी: गोवर्धन पर्व के दिन डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल में जहां आधे दिन तक ओपीडी खुली तो वहीं राजकीय महिला अस्पताल और सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में पूरे दिन ओपीडी बंद रही।

एसटीएच में मंगलवार को पूरे दिन ओपीडी खुली थी तो वहीं बुधवार को गोवर्धन पर्व पर आधे दिन तक ओपीडी खोली गई। हालांकि मरीजों की भीड़ कम रही। पर्चा काउंटर पर भी विगत दिनों की अपेक्षा कम ही भीड़ थी। इमरजेंसी वार्ड में भी कम ही मरीज आए। बेस अस्पताल और राजकीय महिला अस्पताल में गोवर्धन पर्व पर पूरे दिन ओपीडी बंद रही। भाईदूज पर भी यहां पूरे दिन अवकाश रहेगा। हालांकि एसटीएच में आधे दिन की ओपीडी रहेगी। बेस अस्पताल के पीएमएस डॉ. केएस दत्ताल ने बताया कि शुक्रवार से ओपीडी का संचालन पूरी तरह से शुरू हो जाएगा।

सिटी ब्रीफ

8 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना जारी

हल्द्वानी : गौलापार के बागजाला में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को 66वें दिन भी जारी रहा। बागजालावासी भूमि पर मालिकाना अधिकार देने, नए निर्माण पर लगी रोक हटाने, पंचायत चुनाव के अधिकार को बहाल करने, विकास कार्य शुरू करने, जल जीवन मिशन योजना पुन: चालू करने समेत 8 सूत्रीय मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं। मो. सुलेमान मलिक, हरक सिंह बिष्ट, आनंद सिंह नेगी, दौलत सिंह कुंजवाल, गोपाल सिंह बिष्ट, मोहम्मद परवेज, विनोद, हरि गिरी, भगवती देवी, पुष्पा देवी, भोला सिंह रहे।

बंगाली समाज ने मनाई दिवाली

हल्द्वानी : शहर के बंगाली समाज ने रामपुर रोड स्थित एक बैंक्वट हॉल में मां काली का पूजन कर दिवाली मनाई। मां काली के पूजन में शहर के सभी बंगालियों ने भाग लिया और पूरे विधि-विधान के साथ पूजन को संपन्न किया। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गए। रात भर काली पूजन के बाद सुबह बंगालियों का एक प्रमुख परंपरा सिंदूर खेला का आयोजन भी हुआ और रानीबाग में मां काली की मूर्ति का विधिवत विसर्जन मंत्रोच्चार के साथ संपन्न किया गया। मीडिया प्रभारी शर्मिला मित्रा ने बताया कि यह आयोजन हर वर्ष दीपावली की रात्रि को विधि विधान से संपन्न किया जाता है।

मेयर गजराज ने छठ पूजा का निरीक्षण किया

हल्द्वानी : मेयर गजराज बिष्ट ने बुधवार को रामपुर रोड मे स्थित छठ पूजा स्थल का निरीक्षण किया। इस मौके पर निगम के अधिकारियों को जल्द सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने भी सफाई अभियान को तेज करने को कहा गया। उन्होंने पूजा स्थल पर हर दिन सफाई अभियान के लिए कार्मिकों को नियुक्त करने को कहा गया। नगर निगम का कहना है कि छठ पूजा से पहले नहर को और छठ पूजा स्थल को पूरी तरह से साफ करवा दिया जाएगा। इस मौके पर पार्षद राजेश पंत, धीरज पांडे सहित स्थानीय निवासी और निगम के कार्मिक मौजूद रहे।

जय कन्हैया लाल की गूंज के साथ गोधन का हुआ पूजन

हल्द्वानी और आसपास के क्षेत्रों में हर्षोल्लास से मनाया गया गोवर्धन पर्व, फूल मालाओं से किया गया पशुओं का श्रृंगार, सींगों और शरीर पर की तेल से मालिश

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: हल्द्वानी और आसपास के क्षेत्रों में गोवर्धन पर्व धूमधाम से मनाया गया। दिवाली के दौरान होने वाले पांच त्योहारों में गोवर्धन की बहुत मान्यता है। यह मुख्य तौर पर पशुपालकों, किसानों क समृद्धि का त्योहार है। बढ़ते शहरीकरण के दौर में भी इस त्योहार का महत्तव बना हुआ है।

गोवर्धन पूजन के लिए पशुओं की पूजा की गई। उनका फूल मालाओं से श्रंगार किया गया। उनके सींगों और शरीर में तेल से मालिश की गई। गोवर्धन के दौरान कामना की गई उनका पशुधन यूं ही बना रहे और उनके पशु स्वस्थ्य रहें। इसके अलावा कई जगह गाय के गोबर से कान्हा को बनाया गया। कान्हा ने जब इंद्र के प्रकोप से गोकुल के लोगों को बचान के लिए गोवर्धन पर्वत अपनी एक अंगुली उठाया पर था, उस दृश्य को ही गाय के गोबर से बनाया जाता है। इस पर लोग खील-खिलौने, मिठाई चढ़ाते हैं और दीप-धूप जलाकर पूजन करते हैं। इसके अलावा घरों में अन्नकूट की सब्जी भी बनाई गई। जय कन्हैया लाल की और जय गोवर्धन की गूंज के साथ पूजा की गई।

आज मनाया जाएगा भाई-दूज : दीपावली का अंतिम त्योहार भाई दूज गुरुवार को मनाया जाएगा। इसके साथ ही पांच पर्वों का समापन हो जाएगा। यह दिन भी रक्षाबंधन की तरह भाई और बहन के प्रेम का प्रतीक है। इस दिन बहनें चूड़े से भाईयों की पूजा करती हैं तो कहीं भाईयों का पूजन सूखे नारियल से की जाती है। बहनें भाईयों के स्वस्थ्य जीवन की कामना करतीं हैं। मान्यता है कि इस पर्व को मनाने से यमराज बहनों और भाईयों की रक्षा करते हैं। इसलिए इस पर्व को यम-द्वितीया भी कहते हैं। कहा जाता है कि यमराज अपनी बहन यमुना से बहुत स्नेह करते हैं।

लटूरिया बाबा आश्रम में बुधवार को गोवर्धन की पूजा करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

गोवर्धन पूजा के अवसर पर खाटूश्याम मंदिर मुखानी में लगा भंडारा। ● अमृत विचार

श्री खाटू श्याम मंदिर में गोवर्धन पूजा व प्रसाद वितरण

हल्द्वानी, : तल्ली बमौरी मुखानी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में बुधवार को गोवर्धन पूजा और अन्नकूट भंडारे का आयोजन किया गया। प्रात: श्री खाटू श्याम का श्रृंगार और पूजा अर्चना की गयी। सभी श्याम भक्तों ने श्री खाटू श्याम की आरती के बाद उन्हें अन्नकूट भोग लगाया। इसके बाद बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के मुख्य पुजारी पं. पुष्कर दत्त शास्त्री, पं. ललित मोहन पांडे, पं. पूरन चंद्र पांडे की ओर से पूजा संपन्न की गयी। इस दौरान यजमान साकेत अग्रवाल, सौम्या अग्रवाल, आदेश अग्रवाल, जयप्रकाश अग्रवाल, मदन मोहन अग्रवाल, विनीत अग्रवाल, विपुल अग्रवाल, निकुंज अग्रवाल हनी, चंदन सिंह अधिकारी ने पूजा की। प्रसाद वितरण में सिद्धांत अग्रवाल, भवानी शंकर नीरज, रामलीला कमेटी मुखानी अध्यक्ष मनीष कपिल, संदीप भोज, कमल जोशी, गीता जोशी, मनीष साह, तारु तिवारी आदि ने सहयोग किया।

25 अक्टूबर से शुरू होगी छठ पूजा

कार्तिक मास की अमावस्या के पंचमहापर्व के बाद सूर्य की उपासना से जुड़ा छठ महापर्व शुरू होता है। यह पर्व छठी मैया की साधना-आराधना के लिए समर्पित है। इस बार यह पर्व 25 अक्टूबर से शुरू होगा और 28 अक्टूबर को इस पर्व का समापन हो जाएगा। इस पर्व को मनाने के लिए डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल के पास छठ पूजा स्थल पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। वहां साफ-सफाई करा दी गई है। हल्द्वानी में भी अब इस त्योहार को बहुत ही जोर-शोर के साथ मनाया जाता है।

कुमाऊं के सबसे बड़े गौधाम में हुई गोवर्धन पूजा

हल्द्वानी : कुमाऊं के सबसे बड़े गौधाम श्रील नित्यानंद पाद आश्रम हल्दूचौड़ में गोवर्धन पूजन महोत्सव धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर गौ पूजन, तुलसी पूजन, कन्या पूजन व हवन-अनुष्ठान के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से ही गौधाम में श्रद्धालुओं का उमड़ना शुरू हुआ और गौशाला में जाकर उन्होंने गौ-माता को भोग प्रसाद अर्पित किया। आश्रम के उप महाप्रबंधक गोपीनाथ दास के निर्देशन में आचार्य भास्कर पांडे ने संपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। गौधाम में गोवर्धन पर्वत को बहुत ही सुंदर तरीके से सजाया गया था। इस दौरान नारद मुनि दास, भरत श्रेष्ठ दास, विजय दास, नवीन दास, प्रभु केवलानंद पाठक दास आदि श्रद्धालु रहे।

गोवर्धन महाराज तेरे माथे मुकुट बिराजे पर झूमे

हल्द्वानी : लटूरिया महाराज आश्रम स्थित राधाकृष्ण मंदिर में बुधवार को गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। मंदिर और पूरे आश्रम परिसर को दीपों और बिजली के झालरों से सजाया गया था। गोबर से बनाये गए श्री गिरीराज का वेदमंत्रों के साथ विधि-विधान से पूजन किया गया। फल-फूल, खील-बतासा, पंचामृत आदि चढ़ाया गया। भक्तों ने गोबरधन महाराज तेरे माथे मुकुट बिराजे रह्यो भजन गाया गया। छप्पन भोग लगाया गया और अन्नकूट का प्रसाद सभी भक्तों ने ग्रहण किया। डॉ. एससी अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, विपिन गुप्ता, प्रेम गुप्ता, विनय विरमानी, नीरज प्रभात गर्ग, विजय अग्रवाल, राधेश्याम, राजेश जोशी, भोला केसरवानी रहे।

गोवर्धन पूजन पर मंदिरों में हुआ अन्नकूट भंडारे का आयोजन

● सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद किया ग्रहण, हुआ हवन-यज्ञ

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: गोवर्धन पूजन के अवसर पर क्षेत्र के मंदिरों में जगह-जगह अन्नकूट भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शनिवार को गोवर्धन पूजा के अवसर पर क्षेत्र के मंदिरों में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रातः से ही पूजा अर्चना की। इस दौरान हवन-यज्ञ भी हुआ। दोपहर बाद अन्नकूट भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। दोपहर बाद तक नगर के मुख्य बाजार स्थित शिव मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालुओं का प्रसाद ग्रहण करने के लिए तांता लगा रहा। धार्मिक अनुष्ठान के आयोजकों में अशोक अग्रवाल, शंकर बंसल, अमित अग्रवाल, राजकुमार गोयल, कैलाश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, अंशु अग्रवाल, दिनेश गोयल, घनश्याम दास गोयल, गोपी गर्ग और प्रमोद अग्रवाल सहित कई धर्मप्रेमी लोग मौजूद थे। वहीं फलाहारी बाबा मन्दिर, अवंतिका कुंज देवी मंदिर, पीपल मंदिर, राम मंदिर, सेंचुरी पेपर में स्थित राधे कृष्ण मंदिर और बेरीपड़ाव स्थित अष्टादश भुजा महालक्ष्मी मंदिर में क्षेत्रवासियों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

लालकुआं स्थित शिव मंदिर में अन्नकूट भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते क्षेत्रवासी।

नई गोशाला बनने से मिलेगी आवारा गोवंश से निजात

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर की सड़कों पर इन दिनों जगह-जगह आवारा गोवंशों का जमावड़ा लगा रहता है। गोवंशों को पकड़ने के लिए नगर निगम की ओर से पूर्व में लगातार अभियान चलाया गया। लेकिन अभी भी शहर की सड़कों पर बड़ी संख्या में आवारा गोवंश घूमते हुए नजर आ रहे हैं। ये गोवंश पैदल राहगीरों के साथ ही दोपहिया वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन रहे हैं। शहर का मुख्य मार्ग हो या कॉलोनियों की गलियां हर जगह आवारा पशु घूमते नजर आते हैं। कई बार गोवंश जिसमें भारी-भरकम सांड भी शामिल हैं। इनकी लड़ाई में कई बार राहगीर चोटिल हो चुके हैं। बीच सड़क पर कतार बनाकर चलने वाले गोवंश के कारण कई बार यातायात बुरी तरह प्रभावित रहता है। जिस कारण शहरवासियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर निगम की राजपुरा गोशाला में भी करीब 400 गोवंश को रखा गया है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग अपने पशुओं को शहर में लाकर छोड़ देते हैं, जिससे शहर में इनकी संख्या बढ़ते जा रही है। नगर आयुक्त पारितोष वर्मा का कहना है कि नगर निगम की ओर से गंगापुर कबडाल गांव में स्थायी गौशाला का निर्माण दूसरे फेज के तहत किया जा रहा है। यहां करीब 2 हजार गोवंश को रखा जा सकेगा। गौशाला का निर्माण शीघ्र ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि गौशाला का निर्माण पूरा होने पर शहर में घूम रहे आवारा गोवंश से पूरी तरह निजात मिलेगी। बताया कि निगम की ओर से अभियान चलाकर इन गोवंश को पकड़ा जाएगा। मंडी परिसर में भी आवारा गोवंश का आतंक है। यहा रोजाना बड़ी संख्या में गोवंश घूमते हुए नजर आते हैं।

कुमाऊं का पहला ड्राइविंग स्कूल अब भी सपना

संवाददाता, हल्द्वानी

● वर्तमान परिसर में ही बनेगा नया आरटीओ कार्यालय व ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक

अमृत विचार : नए आरटीओ कार्यालय और ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक का निर्माण वर्तमान आरटीओ कार्यालय के पास ही किया जाएगा। शीघ्र ही इसका निर्माण शुरू होने की संभावना है। वहीं, दूसरी तरफ कुमाऊं के पहले ड्राइविंग स्कूल का निर्माण अब भी सपना ही बना हुआ है। इसके निर्माण के लिए परिवहन विभाग की ओर से जमीन तलाशी जा रही है। उपयुक्त जमीन तलाशे जाने के बाद ही ड्राइविंग स्कूल का सपना सच होने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि परिवहन विभाग ने पिछले साल गौलापार में ड्राइविंग स्कूल का निर्माण शुरू कर दिया था। निर्माण शुरू हुआ ही था कि रेलवे ने निर्माण स्थल को अपनी भूमि बताकर काम रुकवा दिया था। जो अभी तक शुरू नहीं हो पाया है।

नए आरटीओ कार्यालय और आधुनिक ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक का इंफ्रास्ट्रक्चर वर्तमान आरटीओ कार्यालय परिसर के पास स्थित एक हेक्टेयर भूमि पर ही बनाया जाएगा।

नए परिसर के निर्माण से न सिर्फ ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया आसान होगी, बल्कि ऑटोमेटिक टेस्टिंग सुविधाओं से पारदर्शिता और दक्षता में भी इजाफा होगा। आरटीओ डॉ. गुरदेव सिंह ने बताया कि नए परिसर में सुंदर भवन बनाया जाएगा, जिसमें सैकड़ों वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था होगी। यहां संभागीय परिवहन कार्यालय का कॉरपोरेट ऑफिस बनाया जाएगा। विभाग ने इसकी डीपीआर तैयार कर दी है। विभाग के पास इसके निर्माण के लिए बजट पहले से उपलब्ध है। इसकी स्वीकृति मिलते ही इसका कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

वन विभाग से खरीदी थी भूमि, रेलवे ने बताई अपनी

रेलवे जिसे अपनी भूमि बता रहा, परिवहन विभाग ने उसे फॉरेस्ट से खरीदा भूमि के विवाद के कारण अभी तक कार्य दोबारा शुरु नहीं हो सका है। रेलवे ने ड्राइविंग स्कूल की जिस भूमि को अपना बताया है। परिवहन विभाग के अनुसार उसने यह भूमि वन विभाग से खरीदी है। पेयजल निगम की निर्माण इकाई इस पर कार्य कर रही थी और उसने मैपिंग करने के बाद काम भी शुरु कर दिया था। 36 करोड़ रुपये इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर खर्च होने थे, जिसमें ड्राइविंग स्कूल और टेस्टिंग ट्रैक के साथ ही आरटीओ कार्यालय भी बनना था।

देहरादून की तर्ज पर बनना है सेंसर युक्त ट्रैक

देहरादून की तर्ज पर हल्द्वानी में भी कुमाऊं का पहला आधुनिक सेंसर युक्त ट्रैक बनाया जाएगा। आरटीओ कार्यालय के आधुनिकीकरण में आधुनिक तकनीक से लैस ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक होगा। जिसमें टेस्ट के लिए 7 प्रमुख बिंदु निर्धारित किए गए हैं। इन बिंदुओं पर गलती करने पर टेस्ट देने वाला व्यक्ति ड्राइविंग टेस्ट में फेल हो जाएगा। यह ट्रैक एलगोरिद्म आधारित होगा।

पटाखों से झुलसे 14, एक की आंख की रोशनी गई

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: दीपावली की रात पटाखे जलाने के दौरान कई लोगों पर भारी भी पड़ गया। मंगलवार रात को हल्द्वानी के बेस अस्पताल और एसटीएच में पटाखों से झुलसे 14 से अधिक लोग इलाज को पहुंचे। इनमें गदरपुर निवासी एक युवक की आंख की रोशनी चली गई जबकि एक बुजुर्ग को सांस की तकलीफ के कारण आईसीयू में भर्ती करने की नौबत आ गई।

एसटीएच की इमरजेंसी में आठ से ज्यादा मरीज पहुंचे। गदरपुर निवासी एक युवक की एक आंख पटाखे के बारूद से बुरी तरह झुलस गई, जिससे उसे दिखना बंद हो गया। बुधवार को नेत्र रोग विभाग में उसका ऑपरेशन किया गया। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नीतिन मेहरोत्रा ने बताया कि पटाखों के बारूद से पांच लोगों की आंख को गंभीर नुकसान पहुंचा है। वहीं, पटाखों से निकले धुएं और प्रदूषण से एक बुजुर्ग की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें सांस लेने में तकलीफ के चलते आईसीयू में भर्ती किया गया है। बेस अस्पताल में भी पटाखों से झुलसे छह लोग पहुंचे। सोमवार की रात दिवाली के दौरान दोनों ही सरकारी अस्पतालों में पटाखों से झुलसने की वजह से करीब 34 लोग अस्पतालों में पहुंचे थे। इनमें कई की आंख को नुकसान पहुंचा था तो कुछ लोगों की त्वचा झुलस गई थी। निजी अस्पतालों में भी आतिशबाजी की वजह से झुलसे कई लोग पहुंच हैं। पीएमएस डॉ. केएस दत्ताल ने बताया कि इन मरीजों के हाथ व आंखों में चोटें आई थीं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। एसटीएच के एमएस डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि पटाखों से झुलसने और आंखों में चोट के कई मामले सामने आए हैं। लोग सावधानी बरतें और विशेषकर बच्चों को पटाखों से दूर रखें।

जायके के साथ सेहत का खजाना है कुमाऊं का तेजपत्ता

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: भारतीय व्यंजनों में स्वाद और खुशबू बढ़ाने वाला तेजपत्ता सिर्फ एक मसाला नहीं, बल्कि औषधीय गुणों का भंडार है। उत्तराखंड के नैनीताल जिले का चोपड़ा गांव तेजपत्ता की खेती के लिए देश-विदेश में अपनी खास पहचान रखता है। यहां उगाया जाने वाला तेजपत्ता बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा इस्तेमाल किया जाता है और आयुर्वेद में इसके कई लाभ बताए गए हैं। चोपड़ा गांव में तेजपत्ता की खेती वर्षों से चली आ रही है। यहां पिछले करीब 60 सालों से कुंटल के हिसाब से तेजपत्ता उगाया जाता है। गांव का यह तेजपत्ता देश-विदेश तक निर्यात किया जाता है, जिसका इस्तेमाल टूथपेस्ट, आयुर्वेदिक दवाइयां और मसालों के निर्माण में होता है। किसान बालम सिंह जीना ने खेती की प्रक्रिया बताते हुए कहा, सबसे पहले हम इसका पौधा तैयार करते हैं और फिर उसे जमीन में लगाते हैं। जब पौधा बड़ा हो जाता है, तो हम इसकी हरी पत्तियों को तोड़कर सुखाते हैं। पत्तों की ग्रेडिंग कर उन्हें इकट्ठा किया जाता है और बोरियों में भरकर आगे सप्लाई किया जाता है। उन्होंने बताया कि तेजपत्ते की कीमत करीब 50 से 55 रुपये प्रति किलो है। तेजपत्ता न केवल भारतीय पकवानों में प्रयोग होता है, बल्कि यह कई औषधीय गुणों से भी युक्त है।

चिंताजनक नैनीताल की सड़कों पर पिछले तीन साल में हुए 426 हादसे। हादसों में गई 305 लोगों की जान

नैनीताल जनपद में हर चौथे दिन होती है एक मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नैनीताल जिले में सड़क हादसों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। जिले में बीते तीन साल के भीतर चार सौ से अधिक सड़क हादसे हुए। इनमें तीन सौ से अधिक लोगों को जान गई, वहीं चार सौ से अधिक लोग घायल हुए। कई लोग अपंग भी हो गए। इसके कारण अलग-अलग हैं।

आरटीआई में मिली जानकारी के मुताबिक साल 2023, 2024 और 2025 जुलाई तक कुल 426 सड़क हादसे नैनीताल जिले में दर्ज किए गए। 305 लोगों की इन सड़क हादसों में दर्दनाक मौत हुई। जबकि 424 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। घायल होने वालों में कई लोग अपंग हो गए। हल्द्वानी, रामनगर व कालाढूंगी में हादसों की संख्या सबसे अधिक है। कुछ जानकारों का कहना है कि यातायात नियमों की अनदेखी के चलते भी जिले में दुर्घटनाएं बढ़ जाती हैं। एसपी यातायात डॉ.जगदीश चंद्र ने बताया कि हादसे रोकने को हरसंभव कोशिश की जा रही है।

नैनीताल जिले में कहां कितने सड़क हादसे, हादसों में मौत व घायल

स्थान	सड़क हादसे	मौत	घायल
हल्द्वानी	117	71	78
कालाढूंगी	53	42	39
रामनगर	98	65	121
मुखानी	54	27	35
चोरगलिया	32	22	21
लालकुआं	35	21	20
भवाली	13	05	13
भीमताल	09	10	31

नोट : आंकड़े 2023 से 2025 जुलाई तक के हैं।

इस तरह रुक सकते हैं सड़क हादसे

- तेज रफ्तार पर सख्त नियंत्रण लगाया जाए।
- नशे में ड्राइविंग पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए।
- वाहन फिटनेस और ओवरलोडिंग पर निगरानी बढ़ाई जाए।
- गलत दिशा में ड्राइविंग पर सख्ती से रोक लगे।
- सड़क संकेतक और लाइटिंग की उचित व्यवस्था हो।
- सड़क की गुणवत्ता सुधारी जाए और रखरखाव नियमित हो।
- हेलमेट और सीट बेल्ट के इस्तेमाल का अनिवार्य पालन हो।
- यातायात नियमों को स्कूली शिक्षा में शामिल किया जाए।
- सीसीटीवी निगरानी और ट्रैफिक मैनेजमेंट व्यवस्था सुधारी जाए।

दिल्ली मार्ग पर रही यात्रियों की भीड़, चलाई 24 बसें

हल्द्वानी : दीपावली के बाद अब वापस जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। खासकर दिल्ली मार्ग पर जाने वाले यात्रियों की भीड़ रोडवेज स्टेशन पर उमड़ रही है। हल्द्वानी डिपो से बुधवार को दिल्ली के लिए 24 बसों का संचालन किया गया। गुणगांव के लिए भी एक अतिरिक्त बस भेजी गई। इसके अलावा देहरादून, बरेली, टनकपुर से आने वाली बसों में भी यात्रियों की संख्या सामान्य रही। जबकि अन्य मार्गों पर यात्रियों की संख्या सामान्य से कम रही। दो दिन दीपावली मनाने के बाद अधिकांश लोग अपने काम पर वापस लौट रहे हैं। बुधवार की सुबह रोडवेज स्टेशन पर यात्रियों की अच्छी भीड़ देखने को मिली। दिल्ली मार्ग पर बसों में सीटें पाने को लेकर यात्रियों ने काफी मशक्कत की। यूपी की बसों में भी यात्रियों की संख्या अच्छी रही। इधर, पर्वतीय क्षेत्रों को जाने वाली बसों में यात्रियों की संख्या अपेक्षाकृत कम थी। हल्द्वानी डिपो की वरिष्ठ स्टेशन इंचार्ज इंद्रा भट्ट ने बताया कि अधिकतर यात्री पहाड़ पहुंच चुके हैं। बताया कि वीकेंड के दौरान रोडवेज स्टेशन में अच्छी संख्या में यात्रियों के पहुंचने की उम्मीद है, जिससे निगम की आय में भी बढ़ोत्तरी होगी।

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL, BAREILLY
STAFF REQUIRED
Accountant (for Audit)
Qualification :- M.Com, B.com with good knowledge of MS Excel & Tally, Exp. 1 Year
Sr. OT Technician
Qualification:- BOT/DOT, Exp. 3 years (ortho)
CSSD Technician
Qualification:- BOT/DOT
Computer Operators
Qualification: Graduation with good Computer Knowledge & good Typing Speed (Hindi & English) (Exp. Min. one year)
Salesman (For Medical Stores)
Qualification: Min. D.Pharma (Exp. Min. One year)
PRO
Qualification: Graduation
Salary No Bar for Deserving Candidates
How to apply : Mail your CV at hrrmch@gmail.com or hard copy to the address given below.
HR OFFICE, RMCH Hospital Building, Pilibhit Bypass Road, Bareilly
Contact : 9548624286

अमृत विचार

हल्द्वानी , गुरुवार, 23 अक्टूबर 2025

रुद्रपुर

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय का निर्माण शीघ्र पूरा हो

सांसद अजय भट्ट ने किया निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के दिए निर्देश, कहा-बच्चों को आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: संसदीय क्षेत्र ऊधम सिंह नगर के बाजपुर में निर्माणाधीन एकलव्य माडल आवासीय विद्यालय का पूर्व केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री एवं वर्तमान सांसद अजय भट्ट ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

जनपद भ्रमण के दौरान बाजपुर पहुंचे सांसद अजय भट्ट ने एकलव्य विद्यालय का निरीक्षण करने के पश्चात कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार सरकार की प्राथमिकता है और विद्यालय बनने से क्षेत्र के ग्रामीण व वंचित तबके के विद्यार्थियों को बड़ा फायदा मिलेगा। निरीक्षण के दौरान सांसद अजय भट्ट ने निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट ली और संबंधित अधिकारियों से कार्य की गुणवत्ता को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकार हर बच्चे के लिए आधुनिक और सक्षम शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर दर्जा राज्य मंत्री गन्ना मंजीत सिंह राजू, भाजपा नेता राजेश कुमार, मोहन पाल, गौरव शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष गंजन सुखीजा, विहिप गौरक्षा विभाग के प्रांत मंत्री यशपाल राजहंस, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष कन्नू जोशी, वीरेंद्र सिंह बिष्ट, पूर्व जिपं सदस्य हरजसपाल सिंह हैरी, रिंकू मौर्य, मनोज सत्संगी सहित अन्य कार्यकर्ता व अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण दल ने विद्यालय परिसर, भवन निर्माण संरचना तथा आगामी आवश्यक सुविधाओं की रूपरेखा का भी जायजा लिया। इसके पश्चात सांसद अजय भट्ट ने बाजपुर को बाढ़ की विभिषीका से बचाने के लिए प्रस्तावित ग्राम चकरपुर एवं बेरिया रोड इंदिरा कालोनी के लेवड़ा पुलों का भी स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि लेवड़ा नदी पर इन पुलों के निर्माण से निश्चित रूप से क्षेत्रवासियों को बाढ़ से बहुत बड़ी राहत मिलेगी।

बाजपुर के ग्राम चकरपुर में प्रस्तावित लेवड़ा नदी के पुल का निरीक्षण करते सांसद अजय भट्ट। ● अमृत विचार

सांसद से अस्पताल की व्यवस्थाएं सुधारने की मांग

बाजपुर : पूर्व केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री सांसद अजय भट्ट ने बुधवार को बाजपुर में विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान समाजसेवी अरुण शर्मा ने बाजपुर के उपजिला चिकित्सालय की बदहाल व्यवस्था और स्टाफ की कमी को लेकर सांसद को ज्ञापन सौंपा। इस पर सांसद ने सरकार से पत्राचार करने का आश्वासन दिया है। दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि 31 जनवरी 2021 को अस्पताल को उपजिला अस्पताल का दर्जा मिलने के बावजूद न तो पर्याप्त चिकित्सक तैनात किए गए और न ही संसाधनों की व्यवस्था की गई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि अस्पताल में महज तीन चिकित्सक सेवाएं दे रहे हैं, जबकि 31 पद स्वीकृत हैं। लैब, एक्सरे, अल्ट्रासाउंड जैसी मूलभूत सुविधाएं भी प्रभावित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली प्रसूताओं और मरीजों को निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ रहा है। ज्ञापन देने वालों ने कहा कि अस्पताल में ब्लड बैंक और आईसीयू की सुविधा तक उपलब्ध नहीं है। उन्होंने सांसद से अस्पताल की समस्याओं पर संज्ञान लेकर जमीनी स्तर पर सुधार करवाने की मांग की है।

गूलरभोज में मिनी स्टेडियम की घोषणा

- नगर में अधिकृत 685 एकड़ भूमि के मालिकाना हक की उठी मांग

संवाददाता, गूलरभोज

अमृत विचार : सांसद अजय भट्ट ने नगर पंचायत के विभिन्न विकास कार्यों का बुधवार को लोकार्पण किया। सांसद ने नगर पंचायत अध्यक्ष सतीश चुघ की मांग पर क्षेत्रवासियों को मिनी खेल स्टेडियम की सौगात दी। वहीं 685 एकड़ के मालिकाना हक को लेकर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इस दौरान सांसद भट्ट ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की प्रतिमा व नेताजी सुभाष चंद्र की प्रतिमा एवं महाराज सुहेल देव स्मृति द्वार, 26 टाइल्स सड़कों के निर्माण का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया। सांसद भट्ट ने आठ माह के अल्प कार्यकाल में नगर पंचायत में दस वाटर कूलर की स्थापना, 150 सिटिंग बेंच, 250 शौचालय सहित 85 प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति को नगर पंचायत बोर्ड की बड़ी उपलब्धि बताया।

समारोह को भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, भाजयुमो नेता दीपेंद्र कोश्यारी व पूर्व जिपंस मोहन सिंह पानू, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर ने संबोधित किया।

समारोह की अध्यक्षता नपं अध्यक्ष सतीश चुघ, संचालन सभासद भूपेंद्र आर्या व विजय शर्मा ने किया। अवसर पर पूर्व दर्जा मंत्री सुखदेव सिंह नामधारी, गदरपुर नपा अध्यक्ष मनोज गुंबर, ब्लाक प्रमुख ज्योति ग्रोवर, दिनेशपुर नपं अध्यक्ष मनजीत कौर, जनजाति आयोग सदस्य बाबू सिंह तोमर, भाजपा नेता परमजीत सिंह पम्मा, ईओ आरके भारती व जगदीश चन्द्रा, सभासद इंद्र सिंह राठौर, बलराम मंडल, ममता देवी, उषा राजभर, लखविंदर सिंह, पूनम आर्या, नरेश घरामी, रमेश चंद्र तिवारी, पूनम दुमका, इंदर सिंह मेहता सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की प्रतिमा का लोकार्पण करते सांसद।

सिटी ब्रीफ

दस दिन से पेयजल आपूर्ति ठप होने से लोग हो रहे परेशान

बाजपुर : नगरीय सीमा से सटे ग्राम पंचायत एनएनटोपा की तेलीपुरा नहर के बराबर में बसी कालोनी में पिछले करीब दस दिन से पेयजल आपूर्ति ठप होने से लोग परेशान हैं। कई बार मौखिक शिकायत करने के बावजूद पेयजल सप्लाई सुचारु नहीं हुई है, जिसके चलते लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। स्थानीय निवासी नरेश कुमार ने बताया कि हमारी कॉलोनी में करीब 70 परिवार निवासरत हैं। चीनी मिल स्थित वाटर टैंक से पेयजल की आपूर्ति होती है, लेकिन पिछले दस दिनों से सप्लाई पूरी तरह से बाधित है। कॉलोनीवासी लगातार विभागीय कर्मचारियों से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। दीपावली से एक दिन पहले एक कर्मचारी आया था और पूछताछ करके अगले दिन सप्लाई सुचारु होने की बात कहकर चला गया। इस बात को भी दो से तीन दिन हो गए हैं। विभागीय कर्मचारियों को शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। पेयजल आपूर्ति बाधित कहां से हो रही है इस बारे में भी कोई जानकारी देने को तैयार नहीं है, जिसके चलते लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। उनका कहना था कि पानी की उपलब्धता न होने के कारण उन्हें पीने के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है और जरूरी दैनिक कार्यों लिए भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने जल्द जलापूर्ति बहाल करने की मांग की है।

दुर्घटनाओं में पांच युवक घायल

संवाददाता, बाजपुर

- तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर
- सड़क पर अचानक मवेशी आने पर बाइक टकराई

अमृत विचार: क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर हुई दो सड़क दुर्घटनाओं में पांच युवक घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस और स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए उप जिला चिकित्सालय बाजपुर में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल एक युवक को निजी अस्पताल रेफर किया गया है।

मंगलवार की रात हुई पहली दुर्घटना में रेंहटा निवासी 22 वर्षीय दीपक पाल, उसके साथी 19 वर्षीय देवेंद्र पाल, अंशुमन पाल एवं एक अन्य युवक बाइक से रुद्रपुर की ओर से बाजपुर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक एनएच-74 हाईवे पर करबाला मोड़ के पास पहुंची, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सभी चार युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। इनमें से तीन युवकों को उप जिला चिकित्सालय बाजपुर में भर्ती कराया गया, जबकि एक अन्य युवक को परिजनों ने पास के निज अस्पताल में भर्ती कराया है।

दूसरी दुर्घटना मंगलवार देर रात भैंसिया फार्म व बिराहा फार्म के बीच स्थित गुरुद्वारा अटल साहिब के पास हुई जिसमें मझरा प्रभु वार्ड नंबर 1 निवासी 25 वर्षीय आशु पुत्र शिवकुमार बाइक से भैंसिया फार्म स्थित एक प्लांट में ड्यूटी पर जा रहा था। इसी दौरान सड़क पर अचानक एक मवेशी के आ जाने के कारण बाइक उससे टकरा गई। हादसे में आशु गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका उपचार जारी है।

उधर, पुलिस ने दोनों मामलों में जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। पहले मामले में कार चालक दुर्घटना के बाद वाहन सहित फरार बताया जा रहा है। पुलिस ने वाहन की शिनाख्त के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं।

अलग-अलग घटनाओं में तीन लोग घायल

बाजपुर : क्षेत्र में मारपीट व सड़क दुर्घटना की अलग-अलग घटनाओं में तीन लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पहला मामला थाना क्षेत्र केलाखेड़ा का है। यहां किसी बात को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। मारपीट में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। दूसरी घटना गांव बाजपुर की है। जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद लाठी-डंडे चल गए, जिसमें एक युवक के सिर पर गंभीर चोट आई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। वहीं सड़क हादसा भी केलाखेड़ा क्षेत्र में हुआ। तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से तीन युवक घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों के अनुसार घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

सीसी टाइल्स रोड निर्माण का शिलान्यास किया

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: नगरपालिका अध्यक्ष गुरजीत सिंह गित्ते ने नगर में विकास कार्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को वार्ड-छह मोहल्ला केशवनगर में सीसी टाइल्स रोड निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। यह मार्ग सरस्वती शिशु मंदिर के पास से मनोज कुमार के मकान से अश्विनी जैन के मकान तक लगभग 160 मीटर लंबाई में बनाया जाएगा।

इस मौके पर पालिकाध्यक्ष गित्ते ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जा रहा है। नगर के किसी भी हिस्से को विकास से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। सभी वार्डों में सड़क, नालियां और प्रकाश व्यवस्था जैसे बुनियादी कार्यों को त्वरित गति से कराया जा रहा है, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान मोहल्लेवासियों ने पालिकाध्यक्ष गुरजीत सिंह गित्ते का फूलमालाओं से स्वागत किया और उनके प्रयासों की सराहना की।

इस मौके पर सभाषद प्रतिनिधि मो.आसिफ, हामिद हुसैन, मारूफ हाफिज, नवाब अली, इकबाल हाजी, अमीर अहमद, बब्बू, नन्हें ठेकेदार, नासिर, गुरदेव सिंह, डा.मो.सफी, मनोज कुमार, अश्विनी जैन, तरुण खन्ना, जीत सिंह, सर्वेश, बाबू राम, अशोक प्रधान, तैयब, आरिफ, इसरार, अली अहमद, जाकिर आदि मौजूद रहे।

बाजपुर के वार्ड-छह में पालिकाध्यक्ष गुरजीत सिंह गित्ते का स्वागत करते मोहल्लेवासी। ● अमृत विचार

खटीमा में पकड़ी गई लकड़ी और ट्रैक्टर ट्रॉली। ● अमृत विचार

ट्रैक्टर ट्रॉली से अवैध रूप से ले जाई जा रही लकड़ी पकड़ी

खटीमा : अवैध रूप से लकड़ी भरे जाने की सूचना पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने लकड़ी लदी ट्रैक्टर ट्रॉली को कब्जे में ले लिया। अलबत्ता लकड़ी भरने वाले मौके से फरार हो गए। खटीमा रेंज के वन क्षेत्राधिकारी एमसी जोशी को मुखबिर से सूचना मिली कि खेतलसंडा में अवैध रूप से ट्रैक्टर ट्रॉली में लकड़ी लादी जी रही है। जिसपर उन्होंने तत्काल टीम को मौके पर भेजा। टीम जब मौके पर पहुंची तो उन्होंने देखा कि ट्रैक्टर में गूलर की लकड़ी अवैध रूप से भरी जा रही है। वन कर्मियों को आता देखकर मौके पर मौजूद ट्रैक्टर स्वामी और लकड़ी भरने वाले भाग गए। टीम ने मौके से ट्रैक्टर और ट्राली में लदे गूलर के चार लट्ठे कब्जे में लेकर वन विश्राम भवन में खड़ा कर दिया है। टीम में वन बीट अधिकारी विनोद कुमार सिंह और जयवीर शामिल रहे।

307 का फरार आरोपी दबोचा गया

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : एक अक्टूबर की रात्रि युवक पर गोली चलाने के प्रकरण में ट्रांजिट कैंप पुलिस ने फरार एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया, जबकि मुख्य आरोपी गिरफ्त से दूर है। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

थाना प्रभारी ट्रांजिट कैंप मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि वार्ड आठ शिवनगर निवासी निशा ने मुकदमा दर्ज करवाते हुए बताया था कि एक अक्टूबर को उसके देवर को बहाने से बुलाकर भदईपुरा निवासी सूरज पांडेय और जय प्रकाश शर्मा ने अभद्रता कर हाथापाई की और तमंचा निकालकर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी थी। जिसमें देवर बाल-बाल बच गया। बताया था कि इससे पहले भी सूरज पांडेय अपने साथियों के साथ मिलकर देवर को गोली मारकर घायल कर दिया था। पुरानी रंजिश के चलते अभियुक्त जानलेवा हमला कर रहा है। 21 अक्टूबर को मिली सूचना के आधार पर दरोगा मनोज कुमार ने दबिश देकर फरार चल रहे अभियुक्त जयप्रकाश शर्मा निवासी भदईपुरा को गिरफ्तार कर लिया, जबकि मुख्य आरोपी सूरज पांडेय फरार चल रहा है। बताया कि फरार अभियुक्त की तलाश कर रही है और गिरफ्तारी नहीं होने की दशा में कुर्की की कार्रवाई का आवेदन करे गी। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

307 के फरार अभियुक्त के साथ पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

निशान यात्रा और संकीर्तन 25 को

काशीपुर: श्री श्याम सेवक मंडल के बैनर तले निशान यात्रा आगामी 25 अक्टूबर को निकाली जाएगी। इसी क्रम में 25 अक्टूबर को सत्यम पैलेस रोड वैशाली कॉलोनी में विशाल संकीर्तन भी होगा।

ट्रस्ट के सचिव सुरेंद्र अरोरा ने बताया कि आगामी 25 को 1 बजे बाबा की निशान यात्रा द्रोणा सागर से होते हुए वैशाली कालोनी सत्यम पैलेस में संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि 25 अक्टूबर शनिवार की शाम 7 बजे से सत्यम पैलेस रोड वैशाली कॉलोनी में एक विशाल संकीर्तन होगा। जिसमें मुंबई से नम्रता कारवा, दिल्ली से अंकित आशीष, मुरादाबाद से नागेंद्र सूर्यवंशी, काशीपुर से दिशा अरोरा अपनी भक्ति सुरों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे।

थाने जाते वक्त वादी पर किया जानलेवा हमला

संवाददाता, रुद्रपुर

- शादीशुदा महिला पर रखता था गंदी नजर

अमृत विचार : सुभाष कॉलोनी के रहने वाले एक व्यक्ति ने जब शादीशुदा महिला पर बुरी नजर रखने वाले को पुलिस के हवाले कर दिया और थाने जाने लगा तभी कुछ युवकों ने धारदार हथियार से हमला कर लहूलुहान कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुभाष कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि पड़ोस का ही जाकिर नाम का युवक उसकी पत्नी पर बुरी नजर रखता था। 19 अक्टूबर की रात्रि नौ बजे जब आरोपी घर में घुसा तो पुलिस बुलाकर उसे पकड़ लिया और टुकटुक में बैठकर कोतवाली जाने की तैयारी कर ही रहा था कि तभी आरोपी के बेटे सोहिल, अरबाज अपने साथियों के साथ आए और धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे उसका सिर फट गया और एक हाथ टूट गया। लहूलुहान हालात में हमलावर छोड़ कर फरार हो गया। धमकाया कि यदि पिता जेल गया, तो जान से मार दिया जाएगा। घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया । जहां घायल की हालात स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निर्देश | अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए

सैनिक कल्याण मंत्री जोशी ने किया सैन्यधाम का निरीक्षण

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून के गुनियालगांव स्थित निर्माणाधीन सैन्यधाम पहुंचकर निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जोशी ने बताया कि 9 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्भावित उत्तराखंड दौरे के मौके पर सैन्यधाम का लोकार्पण भी प्रस्तावित है। सैनिकों के सम्मान में विशाल सैन्यधाम जल्द बनकर तैयार होगा। उन्होंने कहा कि सैन्य धाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना और धामी सरकार के संकल्प का परिणाम है जिसे पूरा करने का सौभाग्य उन्हें मिला है। देशभर में विभिन्न स्मारकों का अध्ययन करने के बाद सैन्यधाम को सबसे बेहतर बनाया है। उन्होंने बताया कि भारत की सेना में दो सैनिकों की पूजा होती है, जिनमें बाबा हरभजन सिंह और बाबा जसवंत सिंह है। सैन्य धाम में एक म्यूजियम, थियेटर और लाइट एंड साउंड शो की व्यवस्था होगी, जिसके माध्यम से शहीदों की वीरता के चित्र और गाथाएं प्रदर्शित की जाएंगी। मंत्री जोशी ने कहा कि लोकार्पण के बाद जिस प्रकार लोग चार धाम के दर्शन करने जाते हैं, वैसे ही लोग हमारे वीर सपूतों को श्रद्धांजलि देने और उनकी गाथा जानने के लिए सैन्यधाम को देखने जरूर आएंगे। निरीक्षण के दौरान नक्षत्र वाटिका की स्थापना सहित अन्य निर्माण कार्यों को प्राथमिकता पर करने के निर्देश दिये गए।

इस दौरान सैनिक कल्याण विभाग के सचिव दीपेन्द्र चौधरी, जीओसी सब एरिया मेजर जनरल एमपीएस गिल, डिप्टी जीओसी बिग्रेडियर राम सिंह थापा, पूर्व जीओसी मेजर जनरल सम्मी सभरवाल (सेनि), अपर सचिव एवं निदेशक सैनिक कल्याण श्याम सिंह आदि मौजूद रहे।

निर्माणाधीन सैन्यधाम का निरीक्षण करते कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी। ● अमृत विचार

ई-रिक्शा बने शहर के लिए मुसीबत

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: शहर में चल रहे अनियंत्रित ई-रिक्शे लोगों के लिए मुसीबत का कारण बन रहे हैं। यह ई-रिक्शा कहीं बाजार में जाम लगा रहे हैं तो कहीं महाराणा प्रताप चौक पर सवारी के इंतजार में लाइनों में खड़े होकर जाम का कारण बन रहे हैं। जबकि एमपी चौक पर हर समय ट्रैफिक पुलिस मौजूद रहती है।

क्षेत्र में पांच हजार से अधिक ई-रिक्शा संचालित हैं। इन ई-रिक्शा संचालन के लिये कई बार रूट निर्धारण की प्रक्रिया हो चुकी है, उसके बावजूद अभी तक ई-रिक्शा का रूट निर्धारण नहीं हो पाया है। बाजार के साथ ही हाइवे में भी ई-रिक्शा सरपट दौड़ रहे हैं। महाराणा चौक पर यह हाल है कि आरओबी के नीचे और साइड में ई-रिक्शा की सवारी के लिये लाइनें लगी रहती हैं। इसके चलते एमपी चौक पर सर्विस रोड व आरओबी के नीचे जाम की स्थिति बनी रहती है। लेकिन ट्रैफिक पुलिस मौके पर मौजूद होने के बाद भी मूकदर्शक बनी रहती है। इसके चलते ई रिक्शा चालकों के हौंसले बुलंद हैं। वहीं सर्विस रोड पार करते ही रामनगर का प्राइवेट बस अड्डा व सड़क किनारे हो रही पार्किंग भी जाम का कारण बन रहे हैं।

काशीपुर में चौराहे पर खड़े ई-रिक्शा वाहन। ● अमृत विचार

ई-रिक्शा स्टैंड न होने के कारण इस तरह की समस्या आ रही है। विभाग लगातार चालानी कार्रवाई कर रहा है। जल्द ही इसका समाधान होने की उम्मीद है।
-नीरज चौधरी, यातायात निरीक्षक, काशीपुर।

ब्रीफ न्यूज

शादी में पहनने के लिए दिए आभूषण नहीं लौटाने का आरोप

बाजपुर : एक महिला ने पड़ोसी दंपती पर शादी में पहनने के लिए दिए गए सोने के आभूषण व दो लाख रुपये नहीं लौटाने एवं धमकी देने का आरोप लगा कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। नगरीय सीमा से सटे गांव निवासी पीड़िता ने आरोप लगाया है कि पड़ोस में रहने वाले दंपती से उसकी अच्छी बोलचाल और उठना-बैठना था। जिसके चलते उसने आरोपित को शादी में पहनने के लिए अपने सोने के आभूषण दे दिए थे। इतना ही नहीं धीरे-धीरे करके करीब दो लाख रुपये भी आरोपितों को उधार दिए गए। पीड़िता के अनुसार आरोपित अब उसके आभूषण व पैसे नहीं लौटा रहे हैं, जिसके चलते वह काफी परेशान हो गई है। इतना ही नहीं उसकी वीडियो वायरल करने की धमकी दी जा रही है तथा बार-बार घर में घुसकर अशांति फैलाने की कोशिश की जा रही है। खबर लिखे जाने तक प्राथमिकी पंजीकृत नहीं हुई थी।

जनप्रतिनिधि के इशारे पर गार्ड के घर हुए धमाके

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : थाना ट्रांजिट कैंप में नशा माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि खाकी से बेखौफ माफियाओं ने जनप्रतिनिधि के इशारे पर दीपावली पर सिक्योरिटी गार्ड के घर पर इतने धमाके किए कि पूरा परिवार भयभीत है। सिक्योरिटी गार्ड ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

वार्ड-आठ ट्रांजिट कैंप निवासी सिक्योरिटी गार्ड ने बताया कि उसका पड़ोसी कच्ची शराब की भट्टियां संचालित करता है। साथ ही जुआ, स्मैक और गांजे का धंधा भी करता है। जिसका वह लगातार विरोध करता है। 26 सितंबर को पुलिस ने दबिश देकर मादक पदार्थ पकड़ा और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बस क्या था नशा माफिया रंजिश रखने लगा। 20 अक्टूबर की रात्रि दस बजे जनप्रतिनिधि के इशारे पर नशा माफियाओं ने घर पर धावा बोल दिया और 50 से 60 खतरनाक पटाखे घर में फेंकने शुरू कर दिए। लगातार पटाखे बजने के चलते उसके बच्चे चोटिल होने से बाल-बाल बचे और धमाके से घर भी दहल गया। बताया कि पूरा परिवार डरा सहमा हुआ है और भयभीत हो चुका है। साथ ही धमकाया कि शिकायत करने की सजा मिलेगी और पूरे परिवार को जलाकर मार दिया जाएगा। शिकायतकर्ता ने वार्ड पार्षद व उसके गुर्गों पर जानमाल का खतरा बताते हुए तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

मेयर-विधायक के बयान पर हुआ पलटवार, बोले याचिकाकर्ता चौधरी : जनता को भ्रमित कर रहे नेता

काशीपुर बाईपास चौड़ीकरण को लेकर छिड़ी जंग

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : पिछले कुछ दिनों से काशीपुर बाईपास मार्ग के चौड़ीकरण एवं ध्वस्तीकरण को लेकर मेयर और विधायक आगे आ चुके हैं। दोनों ही नेताओं की बयानबाजी पर पलटवार करते हुए प्रज्ञा द औथ फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं याचिकाकर्ता ने कहा कि सत्ताधारी नेता महज दुकानदारों को झूठा दिलासा देकर भ्रमित कर रहे हैं।

भूपेंद्र चौधरी।

बताते चलें कि मेयर विकास शर्मा काशीपुर बाईपास मार्ग के कब्जाधारियों पर कार्रवाई का दावा कर रहे हैं। वहीं मंगलवार को विधायक शिव अरोरा ने सोशल मीडिया पर एक बयान दिया था कि शासन-प्रशासन के साथ बैठक के बाद अब काशीपुर बाईपास मार्ग का ध्वस्तीकरण एवं चौड़ीकरण महज 60 फीट के दायरे में होगा। बस क्या था इस बयान के बाद याचिका कर्ता एवं प्रज्ञा द औथ फाउंडेशन के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी खुद ही मैदान में उतर पड़े। बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि विधायक हो या फिर मेयर बयानबाजी कर कब्जा धारकों के हितैषी बनने का नाटक कर रहे हैं और हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना कर कब्जा धारक दुकानदारों को भ्रमित करने पर तुले हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि हाई कोर्ट में दायर याचिका में काशीपुर बाईपास मार्ग के दोनों ओर 75-75 फिट के दायरे तक अतिक्रमण को ध्वस्त किया जाएगा। यदि ऐसा नहीं होता है, तो जल्द ही शासन प्रशासन की मनमानी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाकर हाईवे एवं अतिक्रमण के आदेशों की कॉपी हाई कोर्ट को मुहैया कराएंगे।

बताया कि फाउंडेशन ने शहर के आठ स्थानों को चिन्हित किया किया है। जिसकी वजह से आम जनता को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि सरकार की सड़क जनता को समर्पित होगी। दुकानदारों का कब्जा बिल्कुल अवैध है और नेता महज भ्रामक प्रचार कर रहे हैं। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चाहे मेयर हो या फिर विधायक द्वारा दिया गया बयान। उन्होंने जद में आए दुकानदारों को 75 फीट ही अतिक्रमण हटाने का आह्वान किया।

> काशीपुर बाईपास चौड़ीकरण की जद में सैकड़ों व्यापारी आ रहे हैं। वर्तमान में रिंग रोड का निर्माण हो रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए सीएम धामी को भी ज्ञापन देकर यह निवेदन किया गया था कि 75 फीट के स्थान पर 60 फीट ही चौड़ीकरण की कार्रवाई हो। चूंकि कार्रवाई न्यायालय के आदेशानुसार हो रही है। ऐसे में निगम का यह प्रयास रहेगा कि कम से कम नुकसान के साथ चौड़ीकरण का कार्य हो। इसके लिए प्रशासन के माध्यम से न्यायालय से आग्रह किया जाएगा। बावजूद इसके निगम हाईकोर्ट के आदेश की कोई अवहेलना नहीं कर रही है।
> – **विकास शर्मा,** महापौर, रुद्रपुर

> दायर याचिका के बाद काशीपुर बाईपास चौड़ीकरण को लेकर जिला प्रशासन के साथ मेयर व जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में बैठक हुई थी। उनमें आपसी सहमति में तय हुआ कि 60 फीट तक चौड़ीकरण की कार्रवाई हो। इसके लिए न्यायालय में आवेदन करना और दुकानदारों का कम नुकसान हो, इसकी योजना बनाई गई थी और बैठक के बाद ही 60 फीट वाला बयान दिया था। बयान में कहीं भी न्यायालय के आदेशों की अवहेलना की बात नहीं कही। याचिकाकर्ता भी दुकानदारों के कारोबार को देखते हुए दरियादिली दिखाए।
> –शिव अरोरा, विधायक

धान खरीद न होने पर किसानों ने दिया धरना

राइस मिलर्स पर लगाया किसानों का शोषण करने तथा सस्ते दामों में धान खरीदने का आरोप, नारेबाजी की

संवाददाता, किच्छा

किच्छा स्थित अनाज मंडी में धरना प्रदर्शन करते किसान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नगर स्थित अनाज मंडी में धान तुलाई न होने से किसानों का पारा सातवें आसमान पर चढ़ गया। आक्रोशित किसानों ने मंडी गेट पर दरी बिछाकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। करीब 3 घंटे चले हंगामे के बाद मौके पर पहुंचे राइस मिलर्स द्वारा धान खरीदने की सहमति दिए जाने के बाद किसानों ने धरना समाप्त कर दिया।

बुधवार को दर्जनों किसानों ने नगर स्थित अनाज मंडी गेट पर दरी बिछाकर धरना देते हुए राइस मिलर्स एवं मंडी प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। किसानों ने आरोप लगाया कि राइस मिलर्स द्वारा सुबह से लेकर शाम तक किसानों की धान से भरी ट्रॉली को राइस मिल परिसर में खड़ी करने के बाद धान में कमियां निकालकर ट्रॉली को वापस भेजा जा रहा है, जिसके चलते किसानों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है तथा किराए की ट्रॉली होने के चलते किसान का आर्थिक नुकसान हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राइस मिल स्वामी द्वारा सोची समझी साजिश के तहत किसानों को परेशान किया जाता है, ताकि पूरा दिन परेशान किए जाने के चलते शाम के समय किसान अपने धान को सस्ते दामों पर बेचने को मजबूर हो जाए।

किसानों ने आरोप लगाया कि राइस मिलर्स द्वारा 12 किलो प्रति कुंतल की कटौती काटकर किसानों का खुला शोषण किया जा रहा है तथा अन्य प्रकार की कटौतियों को किए जाने से किसान परेशान है, और अधिकारियों को सूचना दिए जाने के बाद भी अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। किसानों ने एक स्वर में कहा कि अनाज मंडी परिसर में राइस मिलर्स द्वारा धान की जांच करने तथा सभी शर्तों को तय करने के बाद ही किसान द्वारा अपना अनाज राइस मिल में ले जाया जाएगा, क्योंकि बिना तय किए अनाज से भरी ट्राली को राइस मिल में ले जाने पर राइस मिल स्वामी द्वारा तमाम खामियां निकालकर औने- पौने दाम में धान खरीदने की कोशिश कर किसानों का शोषण किया जा रहा है। किसानों के धरना प्रदर्शन की सूचना पर तमाम राइस मिलर्स भी मौके पर पहुंच गए। इस दौरान कुछ किसानों की राइस मिलर्स से तीखी नोकझोंक भी हो गई।

नोकझोंक के दौरान किसानों ने राइस मिलर्स को जमकर खरीखोटी सुनाते हुए अधिकारियों की मिली भगत से किसानों का शोषण करने के गंभीर आरोप लगाए। मौके पर श्रवण सिंह, गुरदेव सिंह, हरदेव सिंह, प्रभजोत सिंह, मुन्नालाल, जमुना प्रसाद आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में बुधवार को 6 हजार क्विंटल धान की खरीद हुई

काशीपुर : काशीपुर के मंडी समिति के धान क्रय केंद्रों पर बुधवार को छह हजार क्विंटल धान की खरीद हुई। गोवर्धन और भैया दूज पर अवकाश होने के बाद भी धान क्रय केंद्र खुले रहे। मंगलवार को दीपावली के बाद खुले क्रय केंद्रों पर किसान धान लेकर पहुंचे और उन्होंने धान क्रय केंद्र पर बेचे। इन केंद्रों पर अब तक 1.50 लाख क्विंटल धान की खरीद हुई है। बुधवार को छह हजार क्विंटल धान की खरीद हुई। मंडी समिति के सचिव योगेश तिवारी ने बताया कि गोवर्धन, भैया दूज के अवकाश के बाद धान क्रय केंद्र खुले रहे, बुधवार को 6 हजार क्विंटल धान की खरीद हुई।

धान तौल केंद्रों पर किसानों का खुलेआम हो रहा शोषण : बेहड़

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: तराई में किसान की धान तुलाई न होने के कारण परेशान हैं। अधिकारियों द्वारा तौल केंद्र की कोई मॉनिटरिंग नहीं की जा रही है। जब तक धान तौल केंद्रों पर खरीद का लक्ष्य 10 हजार कुंतल नहीं किया जाएगा, तब तक समस्या का समाधान नहीं होगा। क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि धान खरीद की समस्याओं को लेकर उनके द्वारा शुक्रवार को किसानों को साथ लेकर डीएम कार्यालय रुद्रपुर में धरना दिया जाएगा।

नगर स्थित कार्यालय पर मीडिया से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्र में यूसीएफ के 6 तौल केंद्र हैं, जहां अब तक मात्र करीब 3600 कुंतल धान की खरीद हुई है। कहा कि आरएफसी के तौल केंद्रों पर बिना लक्ष्य के खरीद हो रही है, लेकिन कोऑपरेटिव के तौल केंद्रों पर 400 कुंतल का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा वर्तमान में खरीद बंद है एवं दबाव बनाने पर ऑफलाइन थोड़ी-थोड़ी खरीद हो रही है। उन्होंने कहा कि जब तक तौल केंद्रों का लक्ष्य 10 हजार कुंतल का नहीं होगा, तब तक पूरी तरह से समस्या का समाधान नहीं होगा, जबकि तौल केंद्र सचिव द्वारा जिलाधिकारी को पत्र लिखकर लक्ष्य बढ़ाने की मांग की जा रही है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि यूसीएफ में अधिकारियों से सेटिंग के चलते एक गिरोह द्वारा धान तोला जा रहा है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि सभी राइस मिलर्स को बराबर धान मिलना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है, कुछ मिलर्स के यहां हजारों कुंतल धान पहुंच चुका है, जबकि कुछ मिलर्स के यहां 100 कुंतल का आंकड़ा भी पार नहीं हो पाया है, जिसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब से धान खरीद चालू हुई है, तब से तीन चार किसान मंडी में डेरा डालकर बैठ गए हैं और बाहर से सस्ता धान खरीद कर खतौनी का जुगाड़ करके उनके द्वारा धान तुलाई कराई जा रही है। विधायक बेहड़ ने कहा कि अगर दो दिनों के भीतर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो किसानों को साथ लेकर उनके द्वारा शुक्रवार को डीएम कार्यालय के बाहर धरना दिया जाएगा। इस दौरान कांग्रेस नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बबलू एवं कांग्रेस प्रदेश सचिव राजेश प्रताप सिंह मौजूद रहे।

किच्छा में मीडिया को जानकारी देते विधायक तिलक राज बेहड़। ● अमृत विचार

यूसीएफ में सेटिंग के जरिए धान तुलवाई का आरोप

किच्छा : विधायक बेहड़ ने आरोप लगाया कि सेटिंग गेटिंग के चलते कुछ लोग एवं राइस मिलर्स यूसीएफ में हर वर्ष गेहूं एवं धान तोल केंद्र के कांटे लेने में सफल हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि इसी गिरोह द्वारा किच्छा, रुद्रपुर एवं पंतनगर में अपना जाल बिछाया गया है और मिलर्स के यहां सीधा धान पहुंच रहा है तथा 6 आर बाद में काटी जा रही है।

दीपावली पर बुझा घर का चिराग

● इकलौते बेटे की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : दीपावली के अगले दिन तेज रफ्तार ने घर के इकलौते चिराग को बुझा दिया। वहीं, इकलौते बेटे की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। गांव सिली जागीर, बहेड़ी (यूपी) निवासी भगवत सिंह (29) पुत्र कुलवंत सिंह मंगलवार को बाइक से सितारगंज से अपने घर जा रहा था। तभी रास्ते में किच्छा हाईवे पर स्थित शिव मंदिर के पास एक अज्ञात वाहन से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में उसकी बाइक के परखच्चे उड़ गए। वहीं, उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

लोगों ने पुलिस और मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से उसे उप जिला चिकित्सालय सितारगंज में भर्ती कराया। यहां डॉक्टर ने ईसीजी मशीन से जांच कर उसकी मौत होने की पुष्टि की। डॉक्टर ने बताया कि हादसे में उसे गंभीर चोट लगी थी। जिसमें उसका एक पैर पूरी तरह कुचल गया था। साथ ही, उसका सिर भी फट गया था। उसके नाक-मुंह से खून निकल रहा था।

भगवत सिंह (फाइल)।

वहीं, चचेरे भाई हरप्रीत सिंह ने बताया कि वह गांव सिसईखेड़ा स्थित एक बाइक के शोरूम में कार्यरत है। मंगलवार रात को भगवंत की बहन हरप्रीत कौर ने फोन कर उसे घटना की जानकारी दी। इसके बाद वह घटनास्थल पर पहुंचा था। उसने बताया कि हरप्रीत की शादी नहीं हुई थी। वह अपनी मां हरपिंदर कौर के साथ रहता था। वहीं उसके पिता का पहले ही देहांत हो चुका है। वह अपने घर का इकलौता बेटा था। इसके अलावा उसकी दो बहने हैं। दोनों की शादी हो चुकी है। वह खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। वहीं, भगवंत की मौत होने से उसकी मां और दोनों बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर उसे परिजनों को सौंप दिया है।

उधार लिए रुपयों को लेकर ब्लैकमेल करने का आरोप

बाजपुर : एक युवक ने एक महिला व पुरुष पर उधार लिए 15 हजार रुपये चुकता करने के बावजूद पैसे देते समय बनाई गई वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित युवक ने आरोप लगाया कि कुछ समय पहले वह एक व्यक्ति से आर्थिक लेन-देन में फंस गया था जिसमें एक व्यक्ति से 15 हजार रुपये उधार लेकर एक महिला को दे दिए थे। महिला के पैसे देने से मुकरने के बाद उसने यह रकम अपने पास से धीरे-धीरे करके चुकता कर दी थी। आरोप है कि पैसे देते वक्त आरोपित ने उसका वीडियो बना लिया था और अब ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया है। आरोपितों ने पैसे न देने पर उसे जान से मारने की धमकी दी।

दो पक्षों में हुए विवाद का मामला पकड़ रहा तूल

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: नगर के पुरानी गल्ला मंडी क्षेत्र में दीपावली की रात बुलेट बाइक पटाखा चलाने के बाद दो पक्षों में हुए विवाद का मामला तूल पकड़ता नजर आ रहा है। विगत दिवस एक पक्ष द्वारा तहरीर दिए जाने के बाद अब बुधवार को दूसरे पक्ष ने भी कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायत देकर प्रथम पक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई की मांग की है। पूर्व सभासद धनीराम के नेतृत्व में पुरानी गल्ला मंडी क्षेत्र के तमाम लोग कोतवाली पहुंचे। जहां उन्होंने कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायत देकर जांच की मांग की।

वार्ड नंबर 6 निवासी राहुल, सोनू, कुलदीप सिंह एवं अमन ने संयुक्त रूप से कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 20 अक्टूबर की रात्रि करीब 10:30 बजे पुलभट्टा निवासी उनका मित्र कुलदीप सिंह दीपावली की मिठाई एवं बधाई देने उनके घर आया था। इस दौरान उनके द्वारा मित्र सोनू, अमन, संजू एवं अन्य लोगों के साथ रात्रि करीब 11 बजे घर के निकट गली में आतिशबाजी की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि आतिशबाजी की आवाज सुनकर वार्ड निवासी हरि सिंह, महेंद्र सिंह, हैप्पी, अभिजोत सिंह, महेंद्र सिंह एवं परिवार की महिलाओं ने घर से निकलकर आतिशबाजी का विरोध करते हुए जाति सूचक गालियां देना शुरू कर दिया। आरोप लगाया कि गाली गलौज का विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़ित तथा उसके दोस्तों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान जगरूप सिंह, हरि सिंह ने जाति सूचक गालियां देते हुए दोस्तों को पकड़ लिया और तलवार से हमला कर तीन टुकड़े करने की धमकी दी। पूर्व सभासद धनीराम ने कहा कि अनुसूचित जाति के लोगों का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मौके पर कुलदीप सिंह, राम भरोसे, राहुल कुमार, अजय कुमार, सुनील सागर, धनवती, सूरजमुखी आदि मौजूद रहे। विगत दिवस वार्ड 6 निवासी हरि सिंह ने आरोप लगाया था कि आरोपियों द्वारा बुलेट मोटर साइकिल से स्टंट करने तथा साइलेंसर पटाका बजाने का विरोध करने पर आरोपियों ने उन पर हमला बोल दिया था।

किच्छा कोतवाली में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे दूसरे पक्ष के लोग। ● अमृत विचार

हालात दीपावली पर हुआ प्रदूषण, स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है

रुद्रपुर की अपेक्षा काशीपुर में अधिक हुई हवा प्रदूषित

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: दीपावली के अवसर पर एक बार फिर काशीपुर की हवा अत्यधिक प्रदूषित रही। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) के आंकड़ों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि रुद्रपुर की अपेक्षा काशीपुर की हवा ज्यादा प्रदूषित हुई, जिससे स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

पीसीबी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 20 अक्टूबर की रात 10 बजे से लेकर तड़के 2:30 बजे तक काशीपुर में वायु गुणवत्ता सूचकांक एक्यूआई बढ़कर 265 तक पहुंच गया। इसी अवधि में, रुद्रपुर में एक्यूआई 243 पाया गया। यह स्थिति तब है जब 18 और 19 अक्टूबर को जिले में एक्यूआई 80 से 100 के बीच यानी सामान्य श्रेणी में था। अधिकारियों की मानें, तो 201 से 300 तक का एक्यूआई लंबे समय तक संपर्क में रहने पर श्वास लेने में परेशानी पैदा कर सकता है। वहीं, 301 से 400 तक पहुंचने पर गंभीर स्वास्थ्य परिणाम हो सकते हैं। पीसीबी के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आतिशबाजी के कारण हवा में हानिकारक तत्वों की मात्रा में भारी बढ़ोतरी हुई है। हवा में सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रो ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड और पार्टिकुलर मैटर का स्तर काफी बढ़ा है। पीसीबी क्षेत्राधिकारी एसपी सिंह ने बताया कि चूंकि 21 अक्टूबर को भी कई जगहों पर दीपावली मनाई जाएगी, इसलिए एक्यूआई में और बढ़ोतरी की संभावना है।

जिले के बाकी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की जांच की सुविधा उपलब्ध नहीं है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने केवल दो स्थानों जिला अस्पताल रुद्रपुर और एलडी भट्ट अस्पताल काशीपुर में ही वायु प्रदूषण मापने के यंत्र लगा रखे हैं। यह सीमित व्यवस्था जिलेभर के प्रदूषण स्तर का सही आकलन करने में चुनौती पैदा करती है। पर्यावरणविदों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि अत्यधिक आतिशबाजी से हवा प्रदूषित हुई है। पंत विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के हेड प्रोफेसर आरके श्रीवास्तव ने बताया कि शिक्षा का स्तर बढ़ने के बाद भी वायु संरक्षण के लिए अपेक्षित गंभीरता नहीं दिख रही है। हालांकि, उन्होंने राहत देते हुए कहा कि आतिशबाजी से बढ़े हुए वायु प्रदूषण के कण दो दिन में हवा में डिस्पर्स हो जाएंगे, जिससे प्रदूषण कम हो जाएगा। वहीं चिकित्सकों का कहना है कि इस स्थिति में सांस से पीड़ित लोगों की दिक्कतें बढ़ सकती हैं और दमा के लक्षण उभर सकते हैं। सामान्य आदमी को भी खांसी की शिकायत हो सकती है। इसलिए वायु प्रदूषण से बचने के लिए एहतियात बरतें और जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें।

बाजपुर में आग लगने से झोपड़ी राख

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: अज्ञात कारणों से अचानक आग लगने से एक गरीब परिवार की झोपड़ी जल गई। घटना में घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

विकासखंड क्षेत्र के ग्राम हजीरा भस्सुवाला निवासी राजेंद्र सिंह की झोपड़ी में अग्निकांड की यह घटना हुई है। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और ग्रामीणों ने किसी तरह आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन तब तक घर में रखा सामान जल चुका था। घटना से प्रशासन को भी अवगत कराया गया। मामले की जानकारी मिलते ही नेता प्रतिपक्ष एवं क्षेत्रीय विधायक यशपाल आर्य के निर्देश पर कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष पवन शर्मा, नेता प्रतिपक्ष के निजी सचिव अभिषेक तिवारी, नितिन बिष्ट, पंचम सिंह एवं उनकी टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने आग से पीड़ित परिवार का हालचाल जाना और नुकसान की जानकारी ली। साथ ही एसडीएम बाजपुर से फोन पर वार्ता कर पीड़ित परिवार को आपदा राहत मद से मदद दिलाने की मांग की। टीम ने परिवार को हरसंभव सहायता का भरोसा दिया।

बाजपुर में अज्ञात कारणों से लगी आग में जली झोपड़ी। ● अमृत विचार

अमृत विचार

हल्द्वानी , गुरुवार,23 अक्टूबर 2025

लक्ष्मी नारायण मंदिर में गोवर्धन पर्वत की पूजा अर्चना करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

बाजपुर के श्रीबालाजी घाटा मंदिर में अन्नकूट भंडारे का प्रसाद वितरित करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

जिले भर में श्रद्धापूर्वक की गई गोवर्धन पर्वत की पूजा

रुद्रपुर के लक्ष्मी नारायण व हरि मंदिर में हुआ कार्यक्रम, लगाए 56 भोग, हुआ भव्य भंडारा, पंडित पुष्पेंद्र शास्त्री ने सुनाई कथा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : सनातन धर्म सभा की मौजूदगी में शहर के मुख्य मंदिर लक्ष्मी नारायण मंदिर और हरि मंदिर में गोवर्धन पूजा कार्यक्रम हुआ। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की आराधना की और गोवर्धन पर्वत की पूजा अर्चना की। इस दौरान 56 भोग के साथ ही भव्य भंडारे का भी आयोजन हुआ।

बुधवार की दोपहर को लक्ष्मी नारायण मंदिर और हरि मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गोवर्धन पर्वत की पूजा अर्चना की और 56 व्यंजनों का भोग लगाया। कथावाचक पंडित पुष्पेंद्र शास्त्री ने बताया कि इंद्र के प्रकोप से लोगों को बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी अंगुली पर जो पर्वत उठाया था। उसका नाम गोवर्धन पर्वत था और पर्वत को ही अपना स्वरूप भी बता या। तभी से दीपावली पर्व के बाद देश भर में गोवर्धन पर्वत की पूजा अर्चना प्रारंभ हुई और आस्था व श्रद्धा का त्यौहार बन गया। जिसका जिक्र भी पुराणों में अंकित है।

गोवर्धन पर्वत यानी भगवान श्रीकृष्ण की आराधना से सुख समृद्धि का वास होता है। इस मौके पर सरपरस्त नंदलाल भुड्डी, प्रधान महेश बब्बर, उप प्रधान तिलक राज राज घई, विजय जग्गा, महामंत्री ओमप्रकाश अरोड़ा, सुरेश राजदेव, राज तागरा, राज वर्मा, शशि अरोड़ा, शिखा अरोड़ा, पिंकी ग्रोवर आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में अन्नकूट का प्रसाद बांटते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

गोवर्धन पूजा पर किया अन्नकूट का प्रसाद वितरण

काशीपुर : गोवर्द्धन पूजा के अवसर पर विभिन्न मंदिरों में अन्नकूट का प्रसाद वितरण किया गया। बुधवार को ऐतिहासिक मां बाल सुंदरी देवी मंदिर में अन्नकूट पूजा का आयोजन किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। यहां पर मंदिर के मुख्य पुजारी पंडा विकास अग्निहोत्री, राम मेहरोत्रा, अमित सिंह, बलराम सिंह तोमर, कुणाल तोमर, अभिषेक तोमर, रुद्राक्ष, शिवांश तोमर आदि मौजूद रहे। उधर मां शीतला देवी मंदिर में भी अन्नकूट पूजन का आयोजन कर प्रसाद का वितरण किया गया। यहां पर मंदिर के मुख्य पुजारी संदीप मिश्रा, राकेश अरोरा रॉकी, मनीषा अरोरा, सार्थक अरोरा आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में हर्षोल्लास से हुई गोवर्धन पूजा

बाजपुर : क्षेत्र में गोवर्धन पूजा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने पूरी श्रद्धाभाव के साथ पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान अपने पशुओं को स्नान भी कराया गया तथा पकवान बनाए गए। देर सायं विधि-विधान से घरों में बनाए गए गाय के गोबर के गोवर्धन स्थल में गोवर्धन पर्वत के साथ ही भगवान श्रीकृष्ण की पूजा विधिवत रूप से की गई तथा देर रात तक लोग आतिशबाजी करते रहे। बुधवार को गोवर्धन पर्व पर लोगों ने गऊ माता की पूजा कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान गाय व गौवंशीय अन्य मवेशियों को श्रद्धापूर्वक स्नान कराया गया तथा उनके सींगों व शरीर पर सरसों का तेल व देशी घी लगाया एवं तिलक इत्यादि करके पूजन किया गया। वहीं नगर के अनेक मंदिरों में अन्नकूट भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें मोहल्ला संजय कालोनी स्थित श्रीबालाजी घाट मंदिर, वार्ड नंबर-एक मोहल्ला बांकेनगर स्थित संकटमोचन श्रीबालाजी घाटा मंदिर में विशेष तौर पर पूजा-अर्चना हुई। श्रद्धालुओं ने मंदिरों में मत्था टेक कर घर-परिवार, समाज व देश में सुख-समृद्धि की कामना की। भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित इस पर्व पर श्रद्धालुओं ने गोवर्धन पर्वत की कथा का वर्णन किया। इसके पश्चात मंदिरों में माता अन्नकूट का भंडारा वितरण का कार्य शुरू हुआ जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

दिनेशपुर में लोगों ने गायों की पूजा की

दिनेशपुर : गोवर्धन पर्व पर गौ पालकों ने गायों की पूजा- अर्चना कर उन्हें पकवान खिलाया। गाय के गले में माला पहनाकर उन्हें सुशोभित किया गया। नगर के अलावा खटोला, बुक्सौरा, मदनापुर, चरनपुर, चक्कीमोड़, ललपुरी, दलीपनगर व गूलरभोज में गौ पालकों ने गायों को स्नान कराकर पूजा- अर्चना कर तिलक लगाया। गौ माता को खरीफ की फसल से बना प्रसाद खिलाया गया। इस मौके पर पार्वती डोगरा, बसंती चंद, निशा डोगरा, पुष्पा जोशी, पुष्पा डोगरा, लक्ष्मी चंद, नीमा जोशी, मीना पाठक, सुनीता डोगरा आदि मौजूद रहीं। इधर नगर व ग्रामीण क्षेत्र के मंदिरों में (अन्नकूट) गोवर्धन पूजा की गई। मंदिरों में श्रद्धालुओं की पूजा- अर्चना करने की भीड़ लगी रही।

दीपावली मेले में नौकायन का लुत्फ उठाया

नानकमत्ता : दीपावली मेले में बुधवार को दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। हजारों लोगों ने गुरुद्वारा साहिब पहुंच कर मत्था टेका और लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। लोगों ने नानकसागर में पहुंचकर नौकायन का भी खूब लुत्फ उठाया।गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब में 15 दिवसीय दीपावली मेले में दूसरे दिन पंजाब, हरियाणा, बरेली, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, नानकपुरी टांडा सहित कई स्थानों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे। लोगों ने गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेका। पंजा साहिब, बाउरी साहिब के दर्शन कर नानकसागर बाली साहिब में नौकाओं में बैठकर आनंद लिया। इधर अटूट लंगर में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

दिनेशपुर गौ पूजन करती महिलाएं। ● अमृत विचार

नानकमत्ता दीपावली मेले में उमड़ी भीड़। ● अमृत विचार

नौकायन का लुत्फ उठाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

नलकूप खराब होने से रामड़ी जसुवा के लोग पानी के लिए परेशान

संवाददाता, हल्द्वानी

- रामड़ी जसुवा के करीब 600 परिवारों के सामने संकट
- त्योहारी सीजन में पानी के लिए परेशान लोग
- एक माह में दूसरी बार नलकूप हुआ खराब

अमृत विचार: दिवाली जैसे बड़े त्योहार पर भी हल्द्वानी के कई इलाकों में पेयजल संकट गहराया रहा। कालाढूंगी रोड स्थित रामड़ी आनसिंह ग्राम पंचायत के तोक रामड़ी जसुवा में सोमवार को नलकूप खराब होने से करीब 600 से अधिक परिवारों को पानी के लिए जूझना पड़ा। लोगों को एक-दो किलोमीटर तक जाकर पानी लाना पड़ा, जिससे त्योहार की खुशियां भी फीकी पड़ गईं।

यह एक माह में दूसरी बार है जब नलकूप ने काम करना बंद कर दिया, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। गौला नदी से पानी की आपूर्ति नहीं होने के कारण ग्रामीण इलाकों की जल आपूर्ति पूरी तरह ट्यूबवेल पर निर्भर है, लेकिन बार-बार खराबी से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों रुपये खर्च कर ओवरहेड टैंक तो बना दिया गया, लेकिन उससे पानी की आपूर्ति अब तक नहीं हो पाई।

जिम्मेदार अभियंता अब तक टैंक से सभी इलाकों तक सप्लाई व्यवस्था सुनिश्चित नहीं कर सके हैं। जानकारी के अनुसार रामड़ी जसुवा में तीन नलकूप को जोड़कर सर्किट सिस्टम बनाया गया था ताकि एक के खराब होने पर दूसरा चालू रहे, लेकिन एक ट्यूबवेल के फेल होते ही पूरा सिस्टम ठप हो गया। विभागीय अभियंता इसको ''''तकनीकी कारण'''' बता रहे हैं।

मंगलवार को विभाग की ओर से टैंकर भेजे गए लेकिन कॉलोनी के हर घर को मुश्किल से एक-दो बाल्टी पानी मिल सका। इससे लोगों में और ज्यादा नाराजगी देखी गई। ग्राम प्रधान गीता डोगरा ने कहा कि जनता को त्योहार पर भी पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। विभाग को लगातार जानकारी देने के बावजूद समाधान नहीं हुआ। संबंधित विभाग के अनुसार नलकूप की खराबी को ठीक करने का कार्य शुरू कर दिया गया है और क्षेत्र की आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

युवाओं की मांग पूरी हुई तो बौखलाई कांग्रेस : चौहान

देहरादून : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश मीडिया प्रमुख मनवीर सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि नकल मामले मे युवाओं की मांग पूरी होने से हताश और निराश कांग्रेस बौखला गयी है और अब वह युवाओं से ही सवाल पूछने लगी है।

चौहान ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच के बारे में युवाओं से सवाल कर अपनी भड़ास निकाल रही है। कांग्रेस युवाओं के इस मुद्दे के समाधान ही नहीं चाहती थी। सीबीआई जांच की मांग उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से कराने, पेपर स्थगित करने की मांग जैसे ही पूरी हुई तो कांग्रेस के नेता परेशान हो गये। उन्होंने कहा कि युवाओं की मांग पूरी होते ही कांग्रेस ने नया राग अलापना शुरू कर दिया है। हालांकि आंदोलन कर रहे युवाओं ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से दी गई संस्तुति को सराहनीय पहल बताते हुए धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया है, जो कांग्रेस को हजम नहीं हो रहा है।कांग्रेस पर न युवाओं का भरोसा है और न ही आम जनता का। कांग्रेस इस मुद्दे पर महज राजनीति कर रही है। उन्होंने भाजपा विधायकों पर लगाये गये आरोपों को निराधार बताया और कहा कि विधायकों के न तो सरकार के कामकाज और न ही व्यवस्था पर सवाल उठाया है।

महिला को सम्मोहित कर जेवर उड़ाए

रामनगर पुलिस की हिरासत में पकड़ा गया आरोपी। ● अमृत विचार

संवाददाता,रामनगर

अमृत विचार: बीते माह महिला को सम्मोहित कर उसके जेवरात चोरी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि इस मामले में ललित जोशी पुत्र ब्रह्म स्वरूप निवासी नई सुनहरी किच्छा ऊधमसिंह नगर को रामनगर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि ललित जोशी और अजय जोशी बीते 29 सितंबर को ग्राम सांवल्दे में घर पर अकेली शाकम्बरी नाम की एक महिला को सम्मोहन करके एक मंगलसूत्र व कानों के कुंडल चोरी कर ले गए थे। उसके बाद अजय जोशी 4 अक्टूबर को खटीमा में किसी व्यक्ति के घर से एक महिला को सम्मोहन कर रहा था। परिजनों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया था। पूछताछ में आरोपी अजय जोशी ने रामनगर की घटना की बात कबूली थी। बुधवार को आरोपी ललित जोशी को ग्राम पीरुमदारा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी के पास से मंगलसूत्र और कानों के कुंडल बरामद किए गए हैं। आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है। इस दौरान पुलिस टीम में कोतवाल सुशील कुमार, एसआई जोगा सिंह, कांस्टेबल मनजीत सेंगर शामिल रहे।

वाहनों की चेकिंग करते सीओ एवं एसडीएम। ● अमृत विचार

वाहन चेकिंग के दौरान तीन वाहन सीज

रामनगर : जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रशासन ने वाहनों का चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के तहत तीन वाहनों को सीज किया गया जबकि कुल बारह वाहनों का चालान किया गया। इनमें एक बस भी शामिल रही। अभियान में शामिल उप जिलाधिकारी प्रमोद कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी सुमित पांडे, चौकी इंचार्ज गगनदीप सिंह शामिल थे। एक व्यक्ति को नशे में वाहन चलाने के कारण गिरफ्तार किया गया तथा उसके वाहन को सीज किया गया। इस प्रकार कुल तीन वाहनों को सीज किया गया।इ स अभियान के दौरान मुख्यत: शराब का सेवन करने वालों एवं ओवरलोडिंग पर विशेष कार्रवाई की गई। इस दौरान अन्य 12 गाड़ियों का चलान भी किया गया। एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

दिवाली पर वायु गुणवत्ता में रहा सुधार

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- ड्रोन आधारित वॉटर स्प्रिंकलिंग, आधुनिक स्वीपिंग मशीनें और जन-जागरूकता अभियान रहे प्रभावी

अमृत विचार: उत्तराखंड ने इस वर्ष दिवाली के अवसर पर वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। तकनीक आधारित उपायों, प्रशासनिक सक्रियता और नागरिकों के सहयोग से राज्य के प्रमुख शहरों की हवा पहले से कहीं अधिक स्वच्छ रही। अधिकांश शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) इस बार मध्यम या संतोषजनक श्रेणी में दर्ज किया गया, जो पिछले वर्षों की तुलना में बड़ा सुधार है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल त्योहारों में ही नहीं, बल्कि पूरे वर्ष स्वच्छ वायु सुनिश्चित करना है। इस वर्ष के परिणाम यह साबित करते हैं कि नवाचार, जागरूकता और सामूहिक भागीदारी से वास्तविक परिवर्तन संभव है।

उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष आरके सुधांशु ने कहा कि इस वर्ष की स्वच्छ दिवाली सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। ड्रोन से जल छिड़काव, नई यांत्रिक स्वीपिंग मशीनें और विद्यालयों-कॉलेजों में चलाए गए जन-जागरूकता अभियानों ने ठोस असर दिखाया है। देहरादून में ड्रोन आधारित वॉटर स्प्रिंकलिंग से पीएम स्तर को नियंत्रित किया गया, जबकि देहरादून और ऋषिकेश में यांत्रिक स्वीपिंग मशीनों की तैनाती, जो राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भारत सरकार के सहयोग से क्रय की गईं।

दिवाली पर प्रमुख शहरों के एयर क्वालिटी इंडेक्स स्तर

देहरादून : 128 (मध्यम)
ऋषिकेश : 54 (संतोषजनक)
टिहरी : 66 (संतोषजनक)
काशीपुर : 168 (मध्यम)
रुड़की : 190 (मध्यम)
हल्द्वानी : 198 (मध्यम)
नैनीताल : 111 (मध्यम)
जबकि दिवाली 2024 में यह स्तर कई शहरों में खराब श्रेणी में था —
देहरादून : 269 (खराब)
काशीपुर : 269 (खराब)
ऋषिकेश : 175 (मध्यम)

तैयारी डीएम ने सभी कार्यक्रमों की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया

तीन से नौ तक मनेगा उत्तराखंड रजत जयंती सप्ताह

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के परिप्रेक्ष्य में देहरादून जनपद में आगामी तीन से नौ नवंबर तक रजत जयंती सप्ताह मनाया जाएगा। इस संदर्भ में बुधवार को जिलाधिकारी सविन बंसल ने अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को रजत जयंती सप्ताह के दौरान जिला मुख्यालय, प्रखंड और तहसीलों में प्रतिदिन आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करने और जन सहभागिता बढ़ाने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि रजत जयंती सप्ताह के दौरान नारी शक्ति दिवस, सुशासन दिवस, युवा खेल, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, शहीदों को नमन, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत, रोजगार दिवस, स्वदेशी खाद्य, विकास का सफर आदि महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को जिला मुख्यालय, तहसील और प्रखंड स्तरों पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। नारी शक्ति दिवस पर स्वयं सहायता समूह और एनआरएलएम समूह द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी लगाने, सुशासन दिवस पर प्रत्येक प्रखंड में वृहद बहुउद्देशीय शिविर आयोजित करते हुए आम जनता की समस्याओं का मौके पर समाधान करने का निर्देश दिया। श्री बंसल ने कहा कि युवा दिवस पर क्रॉस कंट्री दौड़, पैराग्लाइडिंग, हॉट बैलून सहित अन्य एडवेंचर स्पोर्ट्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए। आम जनमानस को बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की वर्कशॉप आयोजित की जाए। उन्होंने नशामुक्ति, सड़क सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के प्रति बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों को आयोजित करते हुए अमर शहीदों के बलिदान और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित किया जाए। उन्होंने शिक्षण संस्थाओं में विजन-2050 विषय पर गोष्ठी, निबंध, पेंटिंग आदि प्रतियोगिताएं आयोजित करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा, सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, सीएमओ डा. मनोज कुमार शर्मा, जिला पर्यटन अधिकारी बृजेन्द्र पांडेय, जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल सहित तमाम जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

बैठक करते डीएम सविन बंसल। ● अमृत विचार

कम्प्यूटर प्रशिक्षण हुआ संपन्न

खटीमा: 57वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा वाइब्रेंट विलेज नगला तराई में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत संचालित व्यावसायिक कंप्यूटर प्रशिक्षण का बुधवार को समापन किया गया।

एसएसबी द्वारा स्थानीय ग्रामीणों को आर्थिक रूप से स्वाबलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने के दृष्टिकोण से महिला जनजाति सेवा समिति की सहायता से तीन सप्ताह का प्रशिक्षण संचालित किया गया। समापन अवसर पर कमान्डेंट मनोहर लाल ने कहा कि सीमांत क्षेत्र के नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित नागरिक स्वरोजगार के रूप में कम्प्यूटर का कार्य अपनाकर स्वयं का डिजिटल केंद्र शुरू कर सकते हैं।

मानकों के अनुरूप जनता खाना न होने पर कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: रेलवे अधिकारियों ने बरेली जंक्शन पर बुधवार को खाद्य सामग्री और स्वच्छता व्यवस्था की जांच की। सहायक वाणिज्य प्रबंधक (एसीएम) अरविंद कुजुर और मुख्य वाणिज्य निरीक्षक (सीएमआई) मोहम्मद इमरान ने जंक्शन परिसर के निरीक्षण के दौरान यात्रियों को दी जा रही खानपान सुविधाओं, रेल नीर की बिक्री दर और स्टॉलों की स्वच्छता देखी।

निरीक्षण के दौरान सात ट्रॉलियों पर बेचा जा रहा जनता खाना मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। भोजन की गुणवत्ता में कमी और स्वच्छता के अभाव को देखते हुए सभी सातों ट्रॉली संचालकों पर 500-500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। रेल अधिकारियों ने बताया कि जनता खाना में सात पूड़ी, सूखे आलू और एक मिर्च और एक आचार होना आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगली बार मानक तोड़ने पर ट्रॉली का अनुज्ञापत्र रद्द किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ और उचित दर पर भोजन मिलना रेलवे की प्राथमिकता है। निरीक्षण में रेल नीर पानी की बिक्री दर भी जांची गई। कुछ स्थानों पर पानी अधिक मूल्य पर बेचा जा रहा था। इस पर एसीएम ने सख्त निर्देश दिए कि रेल नीर केवल 14 रुपये प्रति बोतल की दर से ही बेचा जाए।

पाटिया में 35 मिनट चला पाषाण युद्ध, तीन घायल

कसून-कोट्यूड़ा, पाटिया-भटगांव के बग्वालीवीर होते हैं शामिल, कसून-कोट्यूड़ा ने पंचघटिया नदी का जल सबसे पहले पीकर दर्ज की जीत

अल्मोड़ा के विजयपुर पाटिया गांव में बुधवार को बग्वाल खेली गई। ● अमृत विचार

विजयपुर पाटिया में बग्वाल देखने लोगों की भीड़ जुटी रही। ● अमृत विचार

- अल्मोड़ा के पाटिया में देवीधूरा की तर्ज पर खेली जाती है बग्वाल

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: विकासखंड हवालबाग और ताकुला ब्लॉकों की सीमा पर स्थित विजयपुर पाटिया गांव में बुधवार को गोवर्धन पर्व पर चार गांवों की एकता का प्रतीक बग्वाल संपन्न हुई। इस बार 35 मिनट तक चले पाषाण युद्ध में तीन बग्वालीवीर मामूली रूप से घायल हुए। युद्ध में चार गांवों के 100 से अधिक वीर शामिल हुए। दोनों ओर से हो रही पत्थरों की बारिश के बीच कसून-कोट्यूड़ा के रणजीत सिंह ने पंचघटिया नदी का पानी सबसे पहले पीकर बग्वाल जीत ली।

इस अनोखे पाषाण युद्ध में पाटिया, भटगांव के बग्वालीवीर पंचघटिया नदी के एक तरफ जबकि कसून और कोटयूडा गांव के वीर दूसरी तरफ से बग्वाल में शामिल हुए। पाषाण युद्ध में तीन बग्वाली वीरों को मामूली चोट आई है।

गोवर्धन पूजा के दिन खेलते हैं बग्वाल

विजयपुर पाटिया में गोवर्धन पूजा के दिन बग्वाल खेली जाती है। एक दल के बग्वालीवीर दूसरे दल के बग्वालीवीरों पर पत्थर फेंककर उन्हें नदी में उतरने से रोकने की पूरी कोशिश करते हैं। पत्थरों से बचकर बग्वालीवीरों को विजयी होने के लिये नदी में जाकर पानी पीना पड़ता है। इस बार 35 मिनट तक दोनों ओर से बग्वालीवीरों को पानी पीने से रोकने को पत्थर बरसते रहे। कसून-कोट्यूड़ा के बग्वालीवीर ने सबसे पहले पानी पीकर बग्वाल जीत ली। युद्ध खत्म होते ही दोनों दलों ने एक दूसरे के गले मिलकर अगले बरस फिर मिलेंगे की बात कहते हुए विदाई ली।

ढोल-नगाड़ों के नाद पर चला बग्वाल युद्ध

विजयपुर पाटिया गांव में बुधवार को बग्वाल युद्ध ढोल नगाड़ों के नाद पर हुआ। ढोल नगाड़ों के बीच बग्वालीवीरों में भी जोश भरते रहा। युद्ध स्थल पर ही मिट्टी लगाकर घायलों का उपचार किया जाता है। विजयपुर पाटिया में बग्वाल के दौरान घायल होने वाले बग्वालीवीरों का उपचार भी स्थानीय स्तर पर किया जाता है।

इसमें कसून-कोट्यूड़ा के रणजीत सिंह के बग्वालीवीर रणजीत सिंह ने पंचघटिया नदी का पानी सबसे पहले पी लिया और बग्वाल जीत ली। जैसे ही उन्होंने पानी पीया शंख ध्वनि के साथ पत्थरों की बरसात रुक गई। पत्थरों की बग्वाल में दो-दो गांव के बग्वालीवीर एक दल में शामिल होकर दूसरे दल पर जमकर पत्थर बरसाते हैं। जो भी दल का सदस्य सबसे पहले नदी में उतर का पानी पी लेता है। उस दल को विजयी घोषित किया जाता है। वहीं, पिछले साल पाटिया-भटगांव गांव के बग्वालीवीरों ने बग्वाल जीती थी।

चंद वंशीय शासन से शुरू हुई युद्ध की परंपरा

कमलेश कनवाल, संवाददाता, अल्मोड़ा

- पाटिया में गाय की पूजा के साथ शुरू हुई युद्ध की परंपरा
- सदियों से चली आ रही पाषाण युद्ध की प्रथा

अमृत विचार: कोट्यूड़ा ग्राम पंचायत के बुजुर्ग गोधन सिंह ने बताया कि पाटिया में पाषाण युद्ध का आगाज पाटिया गांव के मैदान में गाय की पूजा के साथ हुआ।

इस पाषण युद्ध का आगाज बाकायदा ढोल नगाड़ों के साथ किया जाता है। उन्होंने बताया कि पाषण युद्ध कब से शुरू हुआ और क्यों किया जाता है, इसके बारे में कोई सटीक इतिहास की जानकारी तो नहीं है। लेकिन स्थानीय लोगों की मान्यता है कि जब अल्मोड़ा क्षेत्र में चंद वंशीय राजाओं का शासन था, उस वक्त कोई बाहरी लुटेरा राजा इन गांवों में आकर लोगों से लूटपाट करता था। उससे परेशान होकर एक दिन इन पांच गांवों के लोगों ने लुटेरे राजा और सैनिकों को पत्थरों से मार मार कर भगाया था। उस युद्ध में तब 4 से 5 लोगों की मौत हो गई थी।

इस स्थान पर काफी खून बहा था, जिसके बाद से यहां पर पत्थरों का युद्ध वाली प्रथा चली जो आज भी जारी है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि अब यह प्रथा सिर्फ रस्म अदायगी भर ही रह गई है, जबकि पहले काफी जोश के साथ इसको मनाया जाता था। कुछ साल पहले इस पाषाण युद्ध के बारे में बाहरी लोगों को काफी कम थी। लेकिन समाचार पत्रों और अब डिजिटल मीडिया के आने से इस पाषाण युद्ध का काफी प्रचर हुआ है।

विजयपुर पाटिया गांव में देवीधुरा की तर्ज पर होता है पाषाण युद्ध

ताकुला और हवालबाग विकासखंड के विजयपुर पाटिया गांव में गोवर्धन पूजा के दिन पाषाण युद्ध खेला जाता है। यहां चंपावत के देवीधुरा की तर्ज पर ऐतिहासिक पाषाण युद्ध यानि बग्वाल खेली जाती है। पाषाण युद्ध की प्रथा यहां सदियों से चली आ रही है। इस पाषाण युद्ध में दो गुट पंचघटिया नदी के दोनों किनारों पर खड़े होकर एक दूसरे के ऊपर जमकर पत्थर बरसाते है। इस पाषाण युद्ध में जो भी दल का सदस्य पहले नदी में उतरकर पानी पी लेता है, वह दल विजयी हो जाता है। हर साल गोवर्धन पूजा पर इस युद्ध को देखने के लिये क्षेत्र के दर्जनों गांवों के लोग आते है।

टनकपुर के वरिष्ठ व्यापारी दिनेश ओली का निधन

टनकपुर : अंकुर आटोमोबाइल के स्वामी व नगर के वरिष्ठ व्यापारी दिनेश ओली का मंगलवार की देर रात हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वह 67 वर्ष के थे। अचानक सीने में शिकायत के बाद उन्हें स्वजन उपजिला चिकित्सालय ले गए, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दिनेश ओली (फाइल फोटो)।

बुधवार को शारदा घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके चाचा हरीश ओली ने चिता को मुखाग्नि दी। वह अपने पीछे पत्नी एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं। उनके निधन पर पूर्व विधायक हेमेश खर्कवाल, नगर पालिका अध्यक्ष विपिन कुमार वर्मा, पूर्व पालिका अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह रावत, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री शिवराज सिंह कठायत, धर्मानंद पांडेय, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दीप चंद्र पाठक, भाजपा जिला महामंत्री पूरन सिंह मेहरा, हरीश हैसियत, तुलसी कुंवर, मुकेश जोशी, व्यापार मंडल अध्यक्ष वैभव अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, गिरीश वर्मा, संजीव कुमार, संजय पांडे समेत नेक लोगों ने शोक गहरा शोक व्यक्त किया है।

श्रद्धालुओं ने चितई, जागेश्वर में की पूजा-अर्चना

- गोवर्धन पूजा पर लोगों का मंदिरों में दर्शन को लगा रहा तांता

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृमत विचार: गोवर्धन पूजा के मौके पर चितई मंदिर और विश्व प्रसिद्ध जागेश्वर धाम में बड़ी संख्या में लोग दर्शन को पहुंचे। यहां पर लोगों ने पूजा अर्चना कर परिवार की खुशहाली की कामना की। पर्व पर देर शाम तक लोगों की मंदिरों में भीड़ लगी रही।

दीपावली पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। नगर के मंदिरों के अलावा न्याय देवता गोलू देवता चितई मंदिर और विश्व प्रसिद्ध जागेश्वर धाम में लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। देश के अन्य हिस्सों से भी लोग यहां पूजा अर्चना करने आये। अल्मोड़ा निवासी मनीष खाती ने कहा कि वह परिवार की खुशहाली के लिए मंदिर में पूजा अर्चना करने पहुंचे। दिल्ली निवासी सागर सिंह ने कहा कि वह अपने परिवार के साथ यहां पर समय-समय पर बाबा जागेश्वर के दर्शन करने पहुंचते है।

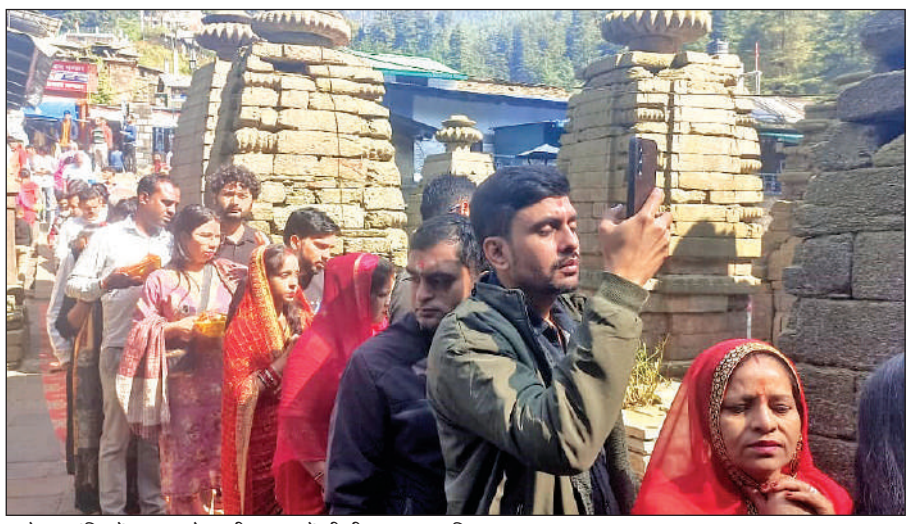

जागेश्वर मंदिर में बुधवार को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। ● अमृत विचार

जिलेभर में लोगों ने गाय की पूजा कर पकवान खिलाए

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जिलेभर में गोवर्धन पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। पशुपालकों ने विधि विधान से गोवंश की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की। दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा की जाती है।

महालक्ष्मी पूजा के बाद बुधवार को जिलेभर में गोवर्धन पूजा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ग्रामीण इलाकों मे लोगों ने परंपरा के अनुसार गाय को नहलाने के बाद उसे टीका लगाया, फूलों की माला पहनाई और आरती उतारी। इसके बाद गाय के शरीर में चावल के आटे के ठप्पे लगाए। इस दौरान गो माता को विशेष प्रकार का पकवान परोसा गया। वहीं, घरों में देर शाम गोवर्धन पूजा के दिन विभिन्न तरह के पकवान बनाए गए।

गोवर्धन पर्व पर गौ सदन ज्योली में हवन यज्ञ करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

गौ सेवा उपचार केंद्र में गोवर्धन पूजा का हुआ आयोजन

बनबसा : गौ सेवा उपचार केंद्र गौशाला में भक्तों ने गोवर्धन पूजा का आयोजन किया। नगर पंचायत अध्यक्ष रेखा देवी ने बताया कि गौशाला में भक्तों ने मिलकर गौ माता की पूजा-अर्चना की और समाज में गौ संरक्षण एवं सेवा के संकल्प को दोहराया गया। इस अवसर पर सभासद काजल रत्नाकर, लक्ष्मी कश्यप, मनोज कश्यप, देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष प्रमोद रत्नाकर, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष निर्मल थाल, नरेश विश्वकर्मा, अर्जुन, सौरभ, रोशन आदि उपस्थित रहे।

पटाखे से युवक की आंख में लगी गंभीर चोट, रेफर

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : नगर से लगे गांव मनिहारगोठ में आतिशबाजी के दौरान एक युवक के आंख में चोट लग गई। घायल युवक को उपजिला चिकित्सालय के डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया।

मंगलवार की दोपहर मनिहारगोठ निवासी समीर हुसैन उम्र (20) पुत्र महमूद सादिक हुसैन अपने घर के समीप पटाखे जला रहा था। इस बीच पटाखे से उसकी आंख गंभीर चोट लग गई। आनन-फानन में उसे उपजिला चिकित्सालय ले जाया गया। डॉ आफताब अंसारी ने बताया कि पटाखे से गंभीर चोट लगने के युवक के आंख का पर्दा फट गया। युवक को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है।

पटाखे से जख्मी हुआ समीर हुसैन।

एसएसजे विवि के परिसरों में 30 फीसदी घटे प्रवेश

- चम्पावत परिसर में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में सबसे कम प्रवेश
- स्नातक प्रथम सेमेस्टर में पंजीकरण 16254, प्रवेश हुए 11665

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: एसएसजे विवि में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में पंजीकरण के बाद भी प्रवेश को लेकर विद्यार्थी रूचि कम दिखा रहे है। इस बार विवि में पिछले बार के अपेक्षा करीब 30 फीसदी विद्यार्थियों ने प्रवेश नहीं लिया। वहीं, विवि के अधीन चम्पावत परिसर में इस बार सबसे कम 488 प्रवेश हुए।

एसएसजे विवि अल्मोड़ा के अधीन चार और 36 महाविद्यालय आते है। इस बार स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिए 16 हजार 254 ने पंजीकरण कराया। लेकिन पंजीकरण के बाद भी कई विद्यार्थियों ने प्रवेश नहीं लिया। पंजीकरण के बाद 11665 ने प्रवेश लिया। जबकि चार हजार 589 विद्यार्थियों ने प्रवेश नहीं लिया। जिसमें अल्मोड़ा परिसर में 1522, चंपावत परिसर में 488, बागेश्वर कैंपस में 672 और सबसे अधिक पिथौरागढ़ परिसर में 2579 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। इसके अलावा अन्य महाविद्यालयों में 6404 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। समर्थ पोर्टल के नोडल अधिकारी डा. मनोज बिष्ट ने बताया कि 11665 विद्यार्थियों ने इस बार स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लिया है।

एसएसजे विवि अल्मोड़ा परिसर का दृश्य। ● अमृत विचार

स्नात्कोत्तर में 2317 छात्रों ने लिया प्रवेश

स्नकोत्तर में इस बार 5502 ने प्रवेश के लिए पंजीकरण कराया। लेकिन 2317 विद्यार्थियों ने ही प्रवेश लिया। जिसमें अल्मोड़ा कैंपस में 484, चंपावत परिसर में 121, बागेश्वर कैंपस 216, पिथौरागढ़ 546 और अन्य महाविद्यालयों में 950 ने प्रवेश लिया।

इश्क का चढ़ा बुखार, डॉक्टर के साथ शादीशुदा नर्स फरार

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जिला अस्पताल बागेश्वर एक बार बार फिर चर्चा में है। पूर्व में एक सैनिक के बच्चे की मौत को लेकर चर्चा में रहा डॉक्टर अब अस्पताल की ही एक नर्स को भगा ले गया। इस घटना से अस्पताल के कर्मचारी व अन्य चिकित्सक भी शर्मींदगी महसूस कर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि लगभग दो-तीन माह पूर्व एक सैनिक के बच्चे की मौत के मामले में सरकार ने जांच के बाद भी आरोपी डॉक्टर के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। आरोपी डॉक्टर खुद को प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री समेत कई मंत्रियों व विधायकों का खास बताता है। बतया जा रहा है कि इस बीच उसका अपने ही अस्पताल की एक विवाहिता व पांच साल के पुत्र की मां से इश्क चल गया। दोनों चार दिन पहले दिवाली के अवकाश पर फुर्र हो गए। मामले की सच्चाई पता चलने पर नर्स के पति ने प्राथमिकी दर्ज करने के साथ आत्महत्या का प्रयास किया, सौभाग्य से वह बच गया। इधर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कुमार आदित्य तिवारी ने कहा कि चिकित्सक ने दो दिन का अवकाश और बढ़ाया है। पूर्व में वह किसी का स्वास्थ्य खराब होने की बात कहकर अवकाश में गया था। कहा कि नर्स के लापता होने की जानकरी उन्हें नहीं है।

लक्ष्मी पूजन हुआ, दो दिन में 45 लाख के पटाखे फूटे, प्रदूषण बढ़ा

संवाददाता, टनकपुर / चम्पावत

अमृत विचार: चम्पावत जिले में दिवाली का पर्व उल्लास से मना। लक्ष्मी पूजन दो दिन हुआ। मैदानी क्षेत्र टनकपुर, बनबसा के ज्यादातर शहरी क्षेत्र में सोमवार रात को लक्ष्मी पूजन हुआ। जबकि समूचे पहाड़ और मैदान के ग्रामीण क्षेत्रों में लक्ष्मी पूजन मंगलवार रात को हुआ। एक दिन के बजाय, लक्ष्मी पूजन दो दिन होने से असमजंस भी रही। बुधवार को गोवर्धन पूजन और आज गुरुवार को भैय्या दूज के साथ प्रकाश पर्व दीपावली का समापन होगा।

दोनों ही दिन लोगों ने बड़े उत्साह और श्रद्धा के सथ दीपावली का पर्व मनाय। पूजन के साथ ही घरों को रोशनियों से सजाया गया। दोनों दिन आतिशबाजी और पटाखों का शोर शराबा भी खूब रहा। 45 लाख रुपये से अधिक मूल्य के पटाखे फोड़े गए। इस वजह से प्रदूषण में भी इजाफा हुआ।

पंडित बसंत बल्लभ पांडेय का कहना है कि निर्णय सिंधु ग्रंथ के अनुसार यदि दो दिन अमावस्या प्रदोष व्यापिनी हो, तो दूसरे दिन दीपावली मनाना श्रेष्ठ माना जाता है। कुमाऊं में पंडित रामदत्त जोशी के पंचांग को मानने की परंपरा है। ये पंचांग निरयण प्रणाली पर आधारित है। जबकि अन्य जगहों में सयण प्रणाली पर आधारित बनारस पंचांग चलता है।

डीएम ने कर्मियों को बांटे उपहार

चम्पावत : लक्ष्मी पूजन के बीच मंगलवार रात टनकपुर-पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्वांला पहुंच डीएम मनीष कुमार ने सड़क के काम में लगे मजदूरों व कर्मियों को दिवाली की शुभकामनाएं दी और उपहार बांटे। उपहार से गदगद कर्मचारियों ने डीएम मनीष कुमार की इस पहल को नई ऊर्जा देने वाला और प्रेरणाप्रद बताया। इधर पड़ोसी देश नेपाल में भी दीपावली पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया

मजखाली के महेंद्र कुमार अंटार्कटिका में करेंगे शोध

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: यहां मजखाली के दुगोड़ाकोट निवासी वैज्ञानिक महेंद्र कुमार अंटार्कटिका में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह वहां हिम और जलवायु परिवर्तन पर अनुसंधान करेंगे। वर्तमान में वह डीआरडीओ में वैज्ञानिक हैं और क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं।

वैज्ञानिक महेंद्र कुमार।

मूल रूप से दुगोड़ाकोट निवासी महेंद्र का बचपन यहीं ग्रामीण परिवेश में बीता है। गांव से निकलकर वह विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति करते गए। वर्तमान में वैज्ञानिक बनकर वह प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं। महेंद्र अब भारत के स्थायी अनुसंधान केंद्र मैत्री और भारती के जरिए अंटार्कटिका में शोध कार्य करेंगे। यह मिशन पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन संचालित होता है और 1981 से भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा को विश्व मंच पर उकेर रहा है। महेंद्र नवंबर पहले सप्ताह में अंटार्कटिका रवाना होंगे। जहां वे हिम और जलवायु परिवर्तन पर अनुसंधान करेंगे। दो माह पूर्व उन्होंने 11 अगस्त से 22 अगस्त तक आईटीबीपी औली में कठिन प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है।

पालिका के कूड़ा वाहन में लगी आग

- दमकल कर्मियों ने तत्परता से बुझाई आग, बचा वाहन

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: दीपावली की रात इस बार भी तहसील रोड पर खड़े नगर पालिका के कूड़ा वाहन के कूड़े के ढेर में आग लग गई। समय पर सूचना मिलने पर अग्निशमन दल ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया तथा कूड़ा वाहन को बचा लिया गया।

मंगलवार को अन्य दिनों की तरह नगर पालिका के कूड़ा वाहन के चालक ने एकत्र कूड़े को वाहन में भरवाकर तहसील रोड स्थित नियत स्थान पर रख दिया। देर सायं आतिशबाजी की चिंगारी वाहन में रखे कूड़े में पहुंची तो कूड़ा जलने लगा। इस बीच वहां से गुजर रहे लोगों ने अग्निशमन दल को इसकी सूचना दी जिस पर अग्निशमन अधिकारी गोपाल सिंह रावत अपनी टीम के साथ वहां पहुंचे तथा अग्निशमन विभाग की टीम ने कूड़े में लगी आग को बुझाकर कूड़ा वाहन को भी बचा लिया।

बागेश्वर में कूड़ा वाहन में लगी आग ● अमृत विचार

अमृत विचार

गुरुवार, 23 अक्टूबर 2025

किसी से प्यार किया जाता है, क्योंकि उससे प्यार किया जाता है। प्यार करने के लिए किसी कारण की आवश्यकता नहीं होती।

–**पाउलो कोएल्हो**, ब्राजीलियन लेखक

अविस्मरणीय असरानी

सुदीर्घ फिल्मी जीवन जीने वाले असरानी ने अभिनय को महज मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जीवन की साधना के रूप में जिया। असरानी अभिनय को कला के साथ विज्ञान भी मानते थे। कला, जहां भावनाओं, संवेदनाओं और अनुभवों की अभिव्यक्ति है, वहीं विज्ञान वह अनुशासन और तर्क है जो इन भावनाओं को नियंत्रित, नाप-तौल और सटीकता में ढालता है। असरानी ने यह सिद्ध किया कि अभिनय केवल सहजता या प्रतिभा का खेल नहीं, बल्कि अध्ययन, अभ्यास और अनुशासन की सतत प्रक्रिया है। वे मानते थे कि अभिनेता के लिए 'बाहरी मेकअप' यानी चेहरे और वेशभूषा के बनाव से कहीं अधिक 'भीतरी मेकअप', चरित्र को आत्मसात कर उसे भीतर से जीना ज्यादा महत्वपूर्ण है। उनके लिए मेकअप केवल चेहरे पर रंग नहीं, बल्कि आत्मा पर भावों की परत था, जब अभिनेता अपने भीतर उस किरदार की अनुभूति पैदा कर लेता है, तभी वह सच्चे अर्थों में जीवंत अभिनय कर पाता है।

यह विचार आज के उस दौर में विशेष प्रासंगिक है, जहां अभिनेता समय रहते शीघ्रातिशीघ्र ज्यादा से ज्यादा फिल्में कर के पैसा कमाने के चक्कर में चरित्र को आत्मसात कर गहन अभिनय पर ध्यान नहीं देते और अक्सर उनका अभिनय कैमरे और ग्लैमर की सीमाओं में सिमटने लगता है, सतही और सीमित हो जाता है। बहुतों की नजर में असरानी एक कॉमेडियन रहे, उनकी कॉमिक टाइमिंग, संवादों की लय और भावों की सटीक अभिव्यक्ति, उन्हें हास्य कलाकारों की भीड़ में एक अलग पहचान दिलाती रही, लेकिन उनका अभिनय केवल हास्य तक सीमित नहीं था। 'कटी पतंग' और 'गृह प्रवेश' जैसी फिल्मों की गंभीर भूमिकाएं आज भी अविस्मरणीय हैं। 'आँधी', 'अभिमान', 'नमक हराम', 'छोटी सी बात' और 'शोले' जैसी फिल्मों में उनके किरदारों की विविधता उनके अभिनय की व्यापकता का प्रमाण है। उनका 'अंग्रेजों के जमाने का जेलर' वाला किरदार अमर हो गया।

असरानी का फिल्मी सफर संघर्ष, जिद और जुनून का मिश्रण रहा है। रंगमंच से शुरुआत करने वाले असरानी ने पुणे फिल्म संस्थान से अभिनय की विधिवत शिक्षा ली और मुंबई के फिल्मी संसार में कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच विषम परिस्थितियों में भी अपने काम के प्रति समर्पण नहीं छोड़ा। गुजराती फिल्मों और नाट्य जगत के अलावा निर्देशन के क्षेत्र में भी असरानी ने अपनी सृजनात्मक दृष्टि का परिचय दिया। उनकी यह निरंतरता आज के युवाओं के लिए एक सबक है कि प्रतिभा तभी टिकती है, जब उसके पीछे दृढ़ इच्छा शक्ति और साधना की निष्ठा हो, क्योंकि अभिनय केवल मंच पर निभाया जाने वाला किरदार नहीं, बल्कि जीवन का निरंतर प्रयोग है। कलाकार वह नहीं जो केवल भावनाएं दिखाता है, बल्कि वह जो दर्शक के भीतर भावनाएं जगा सके। अभिनय को विज्ञान कहने वाले असरानी यह याद दिलाते हैं कि कला तभी महान बनती है, जब उसमें सटीकता, संवेदना और सच्चाई तीनों का संगम हो। यही असरानी की विरासत है। अभिनय की एक ऐसी पाठशाला, जहां हर कलाकार सीख सकता है कि कैसे भाव और तर्क मिलकर कला को अमर बना देते हैं।

प्रसंगवश

एआई के क्षेत्र में तेजी से बढ़ते भारत के कदम

एआई के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और वैश्विक एआई परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल कर रहा है। भारत सरकार की रणनीतिक पहलों, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के विकास और कौशल विकास पर जोर ने इस प्रगति को गति दी है। अगर यह कहा जाए कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का गढ़ बनने जा रहा है, तो इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। असल में यह आकलन करने के बाद गूगल ने आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में एआई का डाटा सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। यह डाटा केंद्र, अमरीका से बाहर, सबसे बड़ा केंद्र होगा। गूगल ने आगामी पांच सालों में 15 अरब डॉलर खर्च करने का एलान राजधानी दिल्ली में आयोजित एक मेगा इवेंट में किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू आदि इस मेगा आयोजन में उपस्थित रहे।

संतोष कुमार भार्गव

स्वतंत्र पत्रकार

गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कूरियन ने खुलासा किया कि आज 14,000 से अधिक भारतीय गूगल के साथ जुड़े हैं और गूगल की पांच एआई लैब्स पहले से ही भारत में सक्रिय हैं। विशाखापट्टनम का केंद्र गूगल के संपूर्ण एआई सिस्टम का हिस्सा होगा, जो भारत में क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डाटा सॉल्यूशंस और एआई मॉडल्स को तेजी से स्केल करेगा। थॉमस ने यह स्पष्ट घोषणा की कि भारत अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि एआई नवाचार का जेनरेटर बन रहा है।

भारत में अदानी समूह के साथ मिल कर यह एआई केंद्र बनाया जाएगा। गूगल का इतना बड़ा निर्णय भारतीय बाजार और भारत में एआई को ग्रहण करने की संभावनाओं की ताकत को सत्यापित करता है। भारत सरकार ने एआई मिशन के लिए पांच साल के दौरान 10,300 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आवंटित की है। उसके तहत 38,000 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) लगाई गई हैं। प्रौद्योगिकी और एआई पारिस्थितिकी तंत्र में करीब 60 लाख लोग कार्यरत हैं। इस साल प्रौद्योगिकी क्षेत्र का राजस्व 280 अरब डॉलर को पार कर सकता है।

भारत की अर्थव्यवस्था में 2035 तक एआई 1.7 ट्रिलियन डॉलर जोड़ सकता है। अंतर्राष्ट्रीय डाटा कॉरपोरेशन के मुताबिक, भारत का एआई बाजार 2025 में करीब आठ अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। दरअसल भारत विश्व में सबसे बड़ा ऐसा देश और समाज है, जो अभी से एआई के साथ परिवर्तन लाने को उत्साहित है। विशाखापट्टनम को इसलिए चुना गया है, क्योंकि आंध्रप्रदेश की राजधानी रहते हुए हैदराबाद को 'साइबर सिटी' का विशेषण मिला था। तेलंगाना के गठन के बाद समीकरण बदले। अब हैदराबाद उसकी राजधानी है, लिहाजा आंध्र के विशाखापट्टनम को गूगल की विराट परियोजना के लिए चुना गया। यहां गूगल के विकास और बढ़ोतरी की अपार क्षमताएं हैं, क्योंकि रणनीतिक तौर पर यह क्षेत्र एआई की रीढ़ है।

सवाल है कि क्या भारत का विकास और उसकी बढ़ोतरी भी गूगल के अनुपात में ही होगी? इस मौके पर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने 'एक्स' पर यह लिखा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की थी और विशाखापट्टनम में पहले गूगल एआई हब स्थापित करने की योजना बताई थी। पिचाई के मुताबिक, इस एआई केंद्र में गीगावॉट स्केल कंप्यूट क्षमता, अंतर्राष्ट्रीय सबसी गेटवे और बड़े ऊर्जा आधारभूत ढांचे का गेटवे शामिल होंगे। इससे भारत में उपयोगकर्ता और उद्यमियों को उद्योग संबंधी प्रौद्योगिकी मिल सकेगी, जिससे देश में एआई नवाचार बढ़ेगा।

दीपावली से आया अर्थव्यवस्था में उजियारा

विवेक शुक्ला

पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूपीई एंबेसी

देश ने बीते सोमवार को दिवाली का पर्व मनाया। भाई दूज का पर्व मनाए जाने के साथ ही प्रकाश पर्व का पटाक्षेप हो जाएगा। दिवाली का उत्सव एक राष्ट्रीय घटना की तरह है। सरकारी अवकाश घोषित होने से लेकर बाजारों की चमक तक, यह अर्थव्यवस्था को भी गति देता है। भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, दिवाली सीजन में खुदरा बिक्री में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि होती है। आर्थिक दृष्टि से दिवाली सबके लिए फायदेमंद है। फ्लिपकार्ट और अमेजन जैसी ई-कॉमर्स कंपनियां दिवाली सेल में अरबों का कारोबार करती हैं, जिसमें सभी समुदाय के उपभोक्ता शामिल हैं। ग्रामीण भारत में भी दिवाली एकता का प्रतीक है। उत्तर प्रदेश के गांवों में मुस्लिम और हिंदू मिलकर दिये बनाते हैं। हर साल अक्टूबर-नवंबर में मनाया जाने वाला यह पर्व भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई ऊर्जा प्रदान करता है, जिसमें उपभोक्ता खर्च में वृद्धि, रोजगार सृजन और विभिन्न क्षेत्रों में बूम देखने को मिलता है।

ये जान लें कि दिवाली उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देती है। लोग घर की सजावट, नए कपड़े, मिठाइयां, उपहार और पटाखे खरीदते हैं, जिससे खुदरा व्यापार में जबरदस्त उछाल आता है। माना जा रहा है कि इस बार दिवाली पर 4.25 खरब रुपये तक की खरीददारी पहुंची है। ये सच में बहुत बड़ा आंकड़ा है। इससे रिटेल, ई-कॉमर्स और छोटे व्यवसायों को लाभ पहुंचा।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे अमेजन और फ्लिपकार्ट पर सेल्स रिकॉर्ड तोड़ती हैं, क्योंकि डिस्काउंट और ऑफर्स ग्राहकों को आकर्षित करते हैं। इससे डिजिटल इकोसिस्टम को भी बल मिलता है, जैसे यूपीआई ट्रांजेक्शन में रिकॉर्ड वृद्धि। दूसरा प्रमुख प्रभाव रोजगार सृजन पर है। त्योहार की तैयारी में मांग बढ़ने से अस्थायी नौकरियां पैदा होती हैं। मिठाई दुकानें, सजावट सामग्री बनाने वाले कारखाने और डिलीवरी सर्विसेज में लाखों लोग काम पाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह प्रभाव और गहरा है। छोटे उद्यमियों को भी फायदा होता है, क्योंकि वे लोकल उत्पाद जैसे दिये, रंगोली और हस्तशिल्प बेचते हैं।

तीसरा, दिवाली स्टॉक मार्केट और निवेश को प्रोत्साहित करती है। मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन में लोग नए निवेश शुरू करते हैं, जो बाजार में सकारात्मक भावना लाता है। सोने और चांदी की खरीदारी बढ़ती है, जो ज्वेलरी और फाइनेंशियल सेक्टर को बूस्ट देती है। पर्यटन और आतिथ्य उद्योग भी लाभान्वित होता है, क्योंकि लोग परिवार के साथ यात्रा करते हैं, होटल बुकिंग बढ़ती है। दिवाली न केवल आर्थिक विकास को गति देता है, बल्कि सामाजिक समृद्धि भी बढ़ाता है।

क्या दिवाली सिर्फ हिंदुओं तक सीमित है? बिल्कुल नहीं। मुस्लिम, ईसाई, सिख और जैन भी इसमें शामिल होते हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सिविल लाइंस में ब्रदरहुड हाउस मिलता है। अपनी ईसाई पृष्ठभूमि के बावजूद, ब्रदरहुड हाउस को दिवाली पर रोशन किया जाता है। यहां से जुड़े ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं, "दिवाली, ईद और क्रिसमस जैसे त्योहार अब धार्मिक सीमाओं से परे हो गए हैं। इन्हें सभी मनाते हैं।"

एसेंडेड क्राइस्ट ब्रदरहुड 1877 में भारत में स्थापित हुआ, जिसके कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से मजबूत संबंध हैं। अब इसे दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) कहा जाता है। इसने दिल्ली में सेंट स्टीफंस कॉलेज, सेंट स्टीफंस अस्पताल और हरियाणा की दिल्ली-सोनीपत सीमा पर सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल की स्थापना की है। राजधानी दिल्ली के बिशप हाउस पर दिवाली पर आलोक सज्जा की गई। यह ही है भारत की विशेषता। बिशप हाउस देश के प्रोटेस्टेंट ईसाई समाज के प्रमुख बिशप का मुख्यालय है।

सिख दिवाली को बंदी छोड़ दिवस से जोड़कर देखते हैं। उस दिन 1619 में मुगल सम्राट जहांगीर की कैद से छठे सिख गुरु हरगोबिंद जी की रिहाई हुई थी। देश भर में सिख दिवाली पर अपने घर रोशन करते हैं। जैन दिवाली को अपने 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के 527 ईसा पूर्व निर्वाण प्राप्त करने के दिन के रूप में मनाते हैं। उनके लिए यह आत्ममंथन, उपवास और ज्ञान की शाश्वत रोशनी का प्रतीक दिये जलाने का समय है।

जोतिषि और वास्तुशास्त्र के विद्वान डॉ. जयप्रकाश शर्मा लालधागेवाले कहते हैं कि दिवाली का अर्थ बहुत व्यापक है। यह अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है। अंधकार जीवन के हर कोने में फैलता है, जबकि प्रकाश सीमित है। दिन से पहले और बाद में रात आती है, जो अंधकार की प्रधानता दिखाती है। ऐसे गहन संदेशों वाले इस त्योहार को हर कोई मनाना चाहता है। यह प्रकाश का पर्व हमें भारत के पवित्र मूल्यों की याद दिलाता है। जरूरतमंदों की मदद करना, अंधकार पर प्रकाश चुनना, ज्ञान और बुद्धि का पीछा करना तथा सद्भावना और करुणा का स्रोत बने रहना।

दिवाली की वैश्विक अपील भी उल्लेखनीय है। अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में प्रवासी भारतीय इसे मनाते हैं और गैर-भारतीय भी शामिल होते हैं, लेकिन भारत में यह सबसे शानदार है। क्या दिवाली वाकई सारे भारत को एकजुट करती है? हां, क्योंकि यह खुशी, समृद्धि और प्रकाश का त्योहार है, जो धर्म से ऊपर है। सांस्कृतिक रूप से, दिवाली भारतीय सिनेमा और संगीत में भी छाई रहती है। बॉलीवुड फिल्में जैसे 'कभी खुशी कभी गम' में दिवाली दृश्य दिखाए जाते हैं, जो सभी दर्शकों को आकर्षित करते हैं। टेलीविजन पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित होते हैं। इस तरह पूरे देश में न सिर्फ उल्लास का माहौल बनता है, बल्कि यह उल्लास ही खरीदारी के लिए प्रेरित करता है। ऐसे में दिवाली का यह त्योहार आर्थिक क्षेत्र को ऊर्जा प्रदान करता है।

आर्थिक दृष्टि से दिवाली सबके लिए फायदेमंद है। भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, दिवाली सीजन में खुदरा बिक्री में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि होती है।

आमने

हमारी सरकार बनने पर हर जीविका दीदी (कम्युनिटी मोबिलाइजर) को कम से कम 30 हजार रुपये प्रतिमाह की स्थायी आय सुनिश्चित की जाएगी। यह सिर्फ वादा नहीं, बिहार की महिलाओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है। बिहार ने बदलाव का मन बना लिया है।

–**तेजस्वी यादव**, नेता, राजद

सामने

पहले कहा कि 2.70 करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी देंगे। 15 साल तक उनके माता-पिता ने बिहार के लोगों को लूटा। ये लोग सिर्फ सपना दिखा सकते हैं। ये लोग सिर्फ लूटने और बिहार को बर्बाद करने के लिए जाने जाते हैं। –**सम्राट चौधरी**, भाजपा के नेता

दिल्ली-एनसीआर में बिगड़ी हवा की सेहत

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत में वायु प्रदूषण गंभीर समस्या बन गई है। उत्तर भारत के अधिकांश राज्यों में वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली-एनसीआर के साथ लखनऊ, पटना, भोपाल, कानपुर, नोएडा, गाजियाबाद, जयपुर और चंडीगढ़ में धुंध की मोटी परत छाई रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, कई शहरों में एक्यूआई 400 के पार हो गया, जो 'गंभीर' श्रेणी में है। विशेषज्ञों ने कहा कि ठंडी हवाओं और आतिशबाजी के कारण प्रदूषक तत्व ऊपर नहीं उठ पाए, जिससे पूरे उत्तर भारत पर धुएं की चादर फैल गई।

सर्दियों में वायु प्रदूषण में वृद्धि कई कारणों से होती है। इस मौसम में धूप कम और तापमान ठंडा होने के कारण हवा स्थिर हो जाती है, जिससे धुआं और प्रदूषक कण हवा में फैल नहीं पाते और नीचे जमे रहते हैं। इसके अलावा, इस मौसम में लोग हीटर, कोयला और लकड़ी का अधिक उपयोग करते हैं, जिससे वातावरण में कणीय प्रदूषण बढ़ता है। उत्तर भारत में पराली जलाना भी सर्दियों में वायु प्रदूषण का बड़ा कारण बनता है। सड़क पर धूल और वाहनों से निकलने वाला धुआं भी हवा को और प्रदूषित करता है। धुंध और स्मॉग के कारण दृश्यता कम हो जाती है और श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

हर साल दीपावली के बाद धुआं, धूल और पराली जलाने से हवा जहरीली हो जाती है। लोगों को सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन और बीमारियों का खतरा बढ़ता है। इसके लिए सरकार और जनता दोनों को मिलकर समाधान के प्रयास करने चाहिए, क्योंकि स्वच्छ हवा ही स्वस्थ जीवन की सबसे बड़ी जरूरत है। 20 अक्टूबर 2025 को दिवाली के बाद दिल्ली देश में सबसे प्रदूषित राजधानी हो गई। खबरों से पता चला कि दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई शहर 'गैस चैंबर' बन गए हैं।

एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार नई दिल्ली में 21 अक्टूबर को (मंगलवार) को प्रदूषण के कारण सिग्नेचर ब्रिज भी धुंध में डूब गया। दिवाली के तुरंत बाद, सेंट्रल पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों व विश्लेषणों के अनुसार, शहर में 24-घंटे के औसत पीएम 2.5 (2.5 माइक्रोन या उससे छोटे कण) का मान लगभग 488 माइक्रोग्राम/घनमीटर रहा। दिवाली की रात के दौरान कुछ स्थानों पर पीएम 2.5 ने 675 g/m तक पहुंचने का रिकॉर्ड दिखाया गया। एक्यूआई (एयर क्वालिटी इंडेक्स) के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में अधिकांश इलाकों में 'बहुत खराब' (एक्यूआई 300 से अधिक) श्रेणी में हवा थी।

दिवाली के दौरान पटाखों का इस्तेमाल प्रमुख कारण माना गया है। इस वर्ष स्टबल-बर्निंग (खेती की अवशेष जलाना) में लगभग 77% कमी के बावजूद (पंजाब-हरियाणा में) हवा काफी बिगड़ी। इसके अलावा, रात में हवा धीमी थी, 'इन्वर्शन' की स्थिति बनी रही, जिससे प्रदूषक नीचे ही फंसे रहे। कहना गलत नहीं होगा कि दिवाली के उत्सव के बाद दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई राज्यों की हवा फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। हवा के प्रदूषित (जहरीली होने) से लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश और सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक सोमवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' व 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई।

राजधानी का एयर क्वालिटी इंडेक्स 531 तक पहुंच गया, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत खतरनाक माना जाता है। हरियाणा में सोमवार रात, दिवाली वाले रोज, रात 12 बजे तक 15 जिलों में एक्यूआई 500 तक पहुंच गया था। मुंबई के कई इलाकों में दिवाली के दिन एक्यूआई 375 तक पहुंच गया। हालांकि, लोगों को मंगलवार को सुबह कुछ राहत मिली। राजस्थान में मंगलवार सुबह आठ बजे तक एक्यूआई 243 रहा। भिवाडी में राज्य में सबसे ज्यादा एक्यूआई 318 रिकॉर्ड किया गया। भोपाल में मंगलवार को औसत एक्यूआई 316 दर्ज किया गया, जो कि बहुत खराब श्रेणी में आता है। इतना ही नहीं, लखनऊ में 222 और कानपुर में 203 एक्यूआई दर्ज किया गया।

क्या यह बहुत ही गंभीर और संवेदनशील बात नहीं है कि नई दिल्ली में सीपीसीबी के 38 निगरानी केंद्रों में से 34 ने 'रेड जोन' यानी 'बहुत खराब' या 'गंभीर' स्तर दर्ज किया गया। नरेला में एक्यूआई 551 दर्ज हुआ, जो सबसे अधिक रहा। अशोक विहार में एक्यूआई 493 और आनंद विहार में 394 पर पहुंच गया। वहीं यूपी के नोएडा में 369 और गाजियाबाद में 402 का स्तर रेकॉर्ड किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। गौरतलब है कि राजधानी में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान ग्रैप-2 के नियम पहले से लागू है। इसके बावजूद हवा में जहरीले कणों की मात्रा बढ़ गई।

पटाखों से निकलने वाला धुआं और हानिकारक गैसें हवा में मिलकर सांस लेना मुश्किल बना देती हैं। दूसरी ओर, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जलने वाली पराली प्रदूषण को कई गुना बढ़ा देती है। इन दोनों कारणों से वातावरण में धूल, धुआं और सूक्ष्म कणों की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और रोगियों को सांस से जुड़ी बीमारियां घेर लेती हैं।

दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत में वायु प्रदूषण गंभीर समस्या बन गई है। उत्तर भारत के अधिकांश राज्यों में वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है।

सोशल फोरम

नफरत के इस दौर में प्रेम की आवाज प्रेमानंद जी महाराज

आज जब समाज में नफरत, अविश्वास और तनाव का शोर बढ़ता जा रहा है, तब एक चेहरा लोगों को सुकून दे रहा है और वह चेहरा हैं- प्रेमानंद जी महाराज। उनकी मुस्कान और सरल वाणी हर धर्म, वर्ग और उम्र के लोगों के दिल को छू रही है। सवाल उठता है कि इस विभाजन भरे समय में आखिर क्यों लगभग हर कोई उनसे प्रभावित है? यहां तक कि अरब में बैठा एक मुसलमान भी इस भगवा वस्त्रधारी संत के लिए श्रद्धा क्यों रखता है?

उपेंद्र चौधरी

वरिष्ठ पत्रकार

प्रेमानंद जी धर्म को किसी राजनीति या प्रचार का साधन नहीं, बल्कि 'मानवता की भाषा' मानते हैं। उनके प्रवचन में विवाद नहीं, आत्म-चिंतन होता है। वे किसी को बदलने की बात नहीं करते, बल्कि खुद को समझने की दिशा दिखाते हैं। यही सरलता और सच्चाई लोगों को अपनी ओर खींच लेती है। समाज आज दिखावे से, झूठे आदर्शों से, और डर से बुरी तरह थक चुका है। ऐसे समय में प्रेमानंद जी का संदेश यह याद दिलाता है कि धर्म का असली अर्थ प्रेम है, डर नहीं।

उनकी मुस्कान सिर्फ चेहरे के भाव नहीं, बल्कि आत्मिक शांति का प्रतीक है। मनोविज्ञान कहता है कि जब कोई व्यक्ति भीतर से शांत होता है, तो उसका चेहरा भी वही भाव दूसरों तक पहुंचा देता है। प्रेमानंद जी की शांत मुस्कान में वही आकर्षण है, जो किसी धर्म या जाति की सीमा नहीं मानता। उनके श्रोताओं में हिंदू ही नहीं, मुसलमान, ईसाई और विदेशों में रहने वाले लोग भी शामिल हैं। यह दिखाता है कि सच्ची आध्यात्मिकता सीमाओं से परे होती है।

प्रेमानंद जी की लोकप्रियता दरअसल समाज की एक गहरी जरूरत, यानी शांति और अर्थ की तलाश को दर्शाती है। लोग अब ऊंचे वादों से नहीं, सच्ची भावनाओं से जुड़ना चाहते हैं। इस दृष्टि से प्रेमानंद जी कोई चमत्कारी गुरु नहीं, बल्कि आधुनिक समाज का आईना हैं, जो हमें दिखाते हैं कि इंसान अब भी प्रेम की ओर ही लौटना चाहता है।

प्रेमानंद जी महाराज हमें यह याद दिलाते हैं कि जब दुनिया में नफरत और डर हावी हो, तब मुस्कान ही सबसे बड़ी क्रांति बन सकती है। उनकी उपस्थिति यह संदेश देती है, 'धर्म बांटता नहीं, जोड़ता है और प्रेम ही सबसे सच्ची पूजा है।'

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

अपराधः घर में भी बच्चे नहीं हैं सुरक्षित

'राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो' के मुताबिक वर्ष-2023-24 में छोटे बच्चों के विरुद्ध देशभर में 1,77,335 आपराधिक मामले दर्ज हुए। ये मामले हिंदी पट्टी वाले क्षेत्रों में ज्यादा रहे, जिनमें उत्तर प्रदेश, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, बिहार, उत्तराखंड जैसे राज्य कतार में सबसे उपर हैं। एनसीआरबी की मानें तो हैदराबाद, देहरादून, लखनऊ, बरेली व चंडीगढ़ में कुछ ऐसे केस रिपोर्ट हुए हैं, जहां अपनों ने ही अपने बच्चों को फोन में एडल्ट फिल्में दिखाकर उनका शोषण किया। इन हरकतों को देखकर ही लगता है कि बच्चों पर डिजिटल खतरे अब ज्यादा मंडराने लगे हैं। बचाव के लिए बच्चों पर निगरानी ही समाधान का पहला रास्ता है। बच्चे किसी भी क्राइम जैसे हिंसा, शोषण, बलात्कार, अपहरण और यौन अपराधों की भेंट न चढ़ें उसके लिए हमें बच्चों के प्रति चौकन्ना रहना होगा। एनसीआरबी के आंकड़े न सिर्फ सोचने पर मजबूर कर रहे हैं, बल्कि शर्मसार भी? पिछले वर्ष दर्ज पॉक्सो मामलों में इस बार एक तिहाई बच्चियों का रेप उनके अपनों ने ही किया। 3569 मामलों में 3,224 में परिवार के सदस्य ही आरोपी रहे। कम उम्र की बच्चियों से उम्रदराज लोगों द्वारा जबरन विवाह करना, अपहरण, मानव तस्करी, जबरन भीख मंगवाना, बच्चों को बेचना या उनका यौन शोषण करने का सिलसिला तो बदस्तूर जारी ही है।

डॉ. रमेश ठाकुर

वरिष्ठ पत्रकार

दरअसल, ये मामले सामान्य नहीं, असामान्य हैं? असामान्य का मतलब, ऑनलाइन शोषण और साइबर ग्रूमिंग? इन तकनीकों ने नए सिरे से नए अपराध को जन्म दे डाला है। तस्करों के चंगुल में नौनिहाल ऑनलाइन या ग्रूमिंग के जरिए आसानी से फंस रहे हैं। चाइल्ड क्राइम की इस नई तकनीक को कानून ने 'डिजिटल क्राइम' का नाम दिया है। बाल अपराधों में 'डिजिटल खतरों' का बढ़ना निसंदेह चिंताजनक कहा जाएगा। इन बढ़ते अपराधों पर लगाम लगाने को सरकारी तंत्र भी हांफने लगा है। केंद्र सरकार की पहल पर विभिन्न राज्यों में अलग से साइबर थानों को स्थापित करना, डिजिटल क्राइम प्रोटेक्शन विंग का बनाना, पुलिसकर्मियों की अलग से तैनाती के अलावा विदेशी तकनीकों का इस्तेमाल करने के बावजूद भी आशातीत सफलता नहीं मिल रही।

साल-दर-साल चाइल्ड क्राइम घटने के बजाय बढ़ रहे हैं। इन नाकामियों पर हम सिर्फ शासन-प्रशासन को ही दोषी नहीं ठहरा सकते, बल्कि समाज की सामूहिक असफलता भी बड़ा कारण है। ऐसे अपराधों को रोकने में सामाजिक चेतनाएं शांत हैं, अब उनका जगना बेहद जरूरी हो गया है। क्राइम होते देखकर भी लोग मुंह फेर लेते हैं, लेकिन इतना ध्यान रहे, नए जमाने का ये नया अपराध कभी भी, कहीं भी, किसी के चौखट पर दस्तक दे सकता है? इसलिए सबों को मिलकर इस लड़ाई से लड़ना होगा। बाल तस्करी देश के कोने-कोने में हो रही है। वैसे, देखा जाए तो बाल अपराध सर्वाधिक घरों से ज्यादा पनप रहे हैं। मौजूदा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट भी इसी ओर इशारा करती है। चाइल्ड क्राइम में तकरीबन नब्बे फीसदी भागीदारी अपनों की बताई गई है। छोटे बच्चों से जबरदस्ती करना और बलात्कार के मामलों में चाचा, मामा, पिता या अन्य किसी करीबी का होना ही बताया गया है।

ये ऐसा विषय बन चुका है जिस पर विमर्श लंबे वक्त से जारी है। अब तक के विमर्श से जो निष्कर्ष निकला, उसमें मुकम्मल रूप से दो कारण तेजी से उभरे। अव्वल, एकल परिवार के संस्कारों में तेजी से होता बिखराव? वहीं, दूसरा पारिवारिक एकता के मूल्यों में आई गिरावट? इन अपराधों का ज्यादा हौसला बढ़ाया है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

स्टूडेंट स्ट्रेस मैनेजमेंट से लाइफ को बनाएं कूल

एक दिन वार्डन को बिन बताए हॉस्टल से बाहर नाइट आउट के लिए गया था। इसकी सूचना मां को फोन पर दी थी। मां ने गलती से इसे वार्डन को बता दिया। इसके बाद वार्डन ने मुझे हॉस्टल से रेस्टिकेट कर दिया। मैंने माफी भी मांगी पर एक नहीं सुनी। मुझे क्लास से भी रेस्टिकेट कर दिया गया। यह सुसाइड नोट का हिस्सा है, जिसे मौत को गले लगाने से पहले लखनऊ के एमिटी विश्वविद्यालय के छात्र ने लिखा था। सोते हैं, तो सिरहाने तनाव, घबराहट, आत्मसम्मान और करियर की चिंता होती है। जागते हैं, तो प्रतिस्पर्धा, मां-बाप की अपेक्षाएं युवाओं को चैन से नहीं जीने नहीं दे रहे हैं। आगे क्या होगा और अब क्या होगा की उधेड़बुन में युवा नशे की गिरफ्त में आ जाते हैं या मौत को गले लगा लेना ही अंतिम समाधान मान लेते हैं। राजधानी लखनऊ हो या देश के अन्य महानगर, युवाओं के आत्महत्या या इसके प्रयास के आंकड़े डराने वाले हैं। जेईडी फाउंडेशन के आंकड़ों के अनुसार 2024 में 18 से 25 वर्ष की आयु के 1.25 करोड़ लोगों ने मानसिक, व्यावहारिक या भावनात्मक स्वास्थ्य समस्या का अनुभव किया। यह संख्या 3 में से 1 (33.8 प्रतिशत) युवा वयस्कों के बराबर हैं, जो कि 2016 में 22.1 प्रतिशत थी। 12 से 17 वर्ष की आयु के 18.1 प्रतिशत किशोर 2024 में गंभीर अवसादग्रस्त हुए। कुल मिलाकर पिछले वर्ष के दौरान 40 प्रतिशत हाई स्कूल के छात्रों ने उदासी या निराशा की भावनाओं से भरे मिले, जिनमें 53 प्रतिशत छात्राएं और 28 प्रतिशत छात्र थे।

प्रस्तुति -मार्कण्डेय पांडेय
लखनऊ

वर्तमान समय में जो आगे रहने की होड़ लगी है, उसने युवाओं को एक ऐसी प्रतिस्पर्धा और अंधी दौड़ का हिस्सा बना दिया है, जहां उनकी मौलिकता और रचनात्मकता लगभग खत्म होती जा रही है। शिक्षा का उद्देश्य महज नौकरी पाना रह गया है। वर्तमान शिक्षा उन्हें परीक्षाओं में तो पास होना सीखा देती है, लेकिन जिंदगी की परीक्षाओं में वो फेल हो रहे हैं। शिक्षा का उद्देश्य सर्वांगीण विकास होना चाहिए। एक ऐसी मूल्योन्मुख शिक्षा प्रणाली पर बल देना चाहिए, जो उन्हें सफलताओं के साथ-साथ असफलताओं से भी सकारात्मक सीख लेने के काबिल बनाए। समाज और परिवार के दबाव में युवा कई बार अवसाद का शिकार हो जाते हैं।

योग से कम करें तनाव

यदि समय रहते तनाव को सही दिशा में नियंत्रित न किया जाए तो यह मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। प्राणायाम और ध्यान करने से आपकी सोच सकारात्मक, तनाव और चिंता दूर होगी। साथ ही आप में कार्य को लेकर नई ऊर्जा आएगी। स्वस्थ जीवनशैली अपनाना होगा। तनाव और अवसाद, उदासी दूर करने के लिए निम्न योगासनों का प्रयोग करें।

- **बालासन**- यह मन को शांत करने वाला आसन है।
- **शवासन**- गहरा रिलेक्शेसन और स्ट्रेस मुक्ति के लिए सर्वोत्तम।
- **सेतुबंध आसन**- नर्वस सिस्टम को शांत करता है।
- **सुखासन**- मानसिक शांति और सकारात्मक सोच को बढ़ाता है।
- **अनुलोम-विलोम**- यह प्राणायाम मन को संतुलित और शांत करता है।
- **भ्रामरी**- चिंता और गुस्से को कम करता है।
- **ध्यान**- प्रतिदिन 15 से 20 मिनट ध्यान करने से मन की अशांति और तनाव दूर होने लगता है। ध्यान हमें वर्तमान में जीना सिखाता है और नकारात्मक विचार को दूर करता है।

डॉ. अमरजीत यादव, कोआर्डिनेटर, फैकल्टी ऑफ योग और अल्टरनेटिव मेडिसिन, लखनऊ विश्वविद्यालय

अभिभावकों का दायित्व है कि वे बच्चों का समाजीकरण इस प्रकार से करें कि वह ऐसे तनावों को झेल सकें। सामाजिक दबाव और तनाव में युवाओं का शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य तो खराब होता ही है कई बार वो असामाजिक बर्ताव भी करने लगते हैं। युवाओं को एक बेहतर शिक्षा प्रदान कर, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर बल होना चाहिए। फिर वह आत्मनिर्भरता कोई सरकारी नौकरी दे या उसके स्वयं के प्रयासों से खड़ा किया हुआ उद्योग।

-डॉ. सुप्रिया सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशात्र विभाग, खुनखुनजी पीजी कॉलेज

सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है, जब हर कोई तुलना करता है। घर वाले, रिश्तेदार, दोस्त सब बस रिजल्ट देखकर जज करते हैं। मेहनत को कोई नहीं देखता। दोनों बराबर हैं। घर से उम्मीदें हैं, बाहर मौका कम। कभी लगता है कि बस एक गलती हुई तो सब खत्म। कॉलेज में अगर "मेंटल हेल्थ" पर वर्कशॉप्स हों या किसी काउंसलर से बात करने का मौका मिले तो बहुत फर्क पड़ेगा।

-अपूर्व द्विवेदी, स्वर्ण पदक प्राप्त छात्र, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय

छात्रों से बातचीत

आज के तेजी से बदलते समाज में युवा अक्सर 'लर्नर' नहीं, बल्कि 'परफार्मर' के रूप में जीते हैं। युवाओं पर दबाव सीमाओं से परे पहुंच गया है, जहां बर्नआउट और चिंता सामान्य होते जा रहे हैं। आज की दुनिया में सफलता अक्सर मानसिक और सामाजिक कल्याण की कीमत पर ही मिलती है। इस समस्या की जिम्मेदारी पारिवारिक और संस्थागत शक्तियों पर है, जो 'निरंतर उपलब्धि' की विचारधारा को पुनः उत्पन्न करती हैं, जिससे तनाव केवल एक मनोवैज्ञानिक स्थिति नहीं, बल्कि एक सामाजिक वास्तविकता बन गया है।

-**ऐशना वर्मा**, शोध छात्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय

मेरे जीवन में सबसे ज्यादा परेशानी घर के दबाव और बाहरी प्रतियोगिता दोनों से होती है। घर पर माता-पिता की उम्मीदें बहुत बड़ी होती हैं और वे चाहते हैं कि मैं हर क्षेत्र में सफल रहूं। जबकि बाहर की दुनिया में प्रतियोगिता इतनी कठिन है कि कुछ समझ नहीं आता क्या करूं। इन सबके कारण कभी-कभी मानसिक तनाव बढ़ जाता है और मन अशांत हो जाता है। हमें एक ऐसा वातावरण चाहिए, जहां मेहनत के साथ मानसिक शांति और आत्मविश्वास को भी महत्व दिया जाए।

-**सत्या सिंह**, बीए द्वितीय वर्ष, खूनखूनजी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, लखनऊ

विद्यार्थी जीवन में तनाव आम समस्या बन गई है। विद्यार्थियों को सबसे अधिक परेशानी तब होती है, जब घर और बाहर दोनों ओर से अपेक्षाओं का दबाव एक साथ महसूस होता है। घर में माता-पिता की उम्मीदें, समाज की तुलना और "सफल" बनने की जिद मानसिक तनाव को बढ़ा देती है। कई बार विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार आगे नहीं बढ़ पाते, क्योंकि समाज तय कर देता है कि क्या सही है।

-**सोनल मिश्रा**, शोध छात्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय

कभी घर का दबाव, तो कभी कंपटीशन हम बस भाग रहे हैं। क्लास, कोचिंग, असाइनमेंट और करियर की चिंता। यही आज के छात्र की दिनचर्या है। सुबह की शुरुआत किताबों से होती है और रात का अंत किसी न किसी टेंशन के साथ। कभी लगता है कि घर वालों की उम्मीदें बहुत ऊंची हैं, तो कभी डर रहता है कि कहीं कंपटीशन की रेस में पीछे न रह जाऊं।

-**अंकित दूबे**, बीटेक छात्र, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय

युवाओं के लिए विश्वविद्यालय जीवन के साथ भविष्य की जिम्मेदारियां आती हैं, जिन्हें संभालना कुछ छात्रों के लिए मुश्किल होता है। आत्मनियमन और क्रोध प्रबंधन से तनाव दूर हो सकता है। सबसे जरूरी बात कि आप भविष्य में किस दिशा में जाना चाहते हैं। अपने शौक को, कार्य करने के तरीके का भी उसी अनुरूप बनाएं। पढ़ाई के बीच-बीच में अपने पसंदीदा काम करें, जैसे संगीत सुनना, पेंटिंग, खेल आदि। अपनी भावनाएं, परेशानियां और दबाव किसी भरोसेमंद व्यक्ति से साझा करें। अकेले सब कुछ सहने की कोशिश न करें। दोस्तों और परिवार में खुलकर बातचीत करें। छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं और उन्हें पूरा करें। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और तनाव कम होता है।

-**प्रो. अर्चना शुक्ला**, मनोविज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

जॉब अलर्ट

राजकोट नागरिक सहकारी बैंक (आरएनएसबी)

- पोस्ट- कनिष्ठ कार्यकारी
- योग्यता- पदानुसार
- आयु सीमा- 30 वर्ष
- अंतिम तिथि- 23-10-2025
- वेबसाइट-rnsbindia.com

भारतीय सेना

- पोस्ट - ऑफिसर
- पद -90
- योग्यता- 12 वीं
- अंतिम तिथि - 13-11-2025
- वेबसाइट-joinindianarmy.nic.in

सीमा सड़क संगठन (बीआरओ)

- पोस्ट- एमएसडब्ल्यू, वाहन मैकेनिक
- पदों -542
- वेतन मैट्रिक्स- 18000-63200 रु.
- योग्यता- आईटीआई, 10 वीं
- आयु सीमा-18 से 25 वर्ष
- अंतिम तिथि-24-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट-bro.gov.in

करियर की अच्छी शुरुआत के लिए उपयोगी कंप्यूटर कोर्स

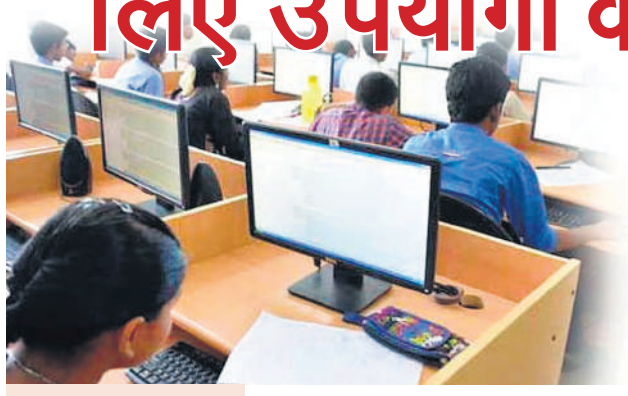

आज के डिजिटल युग में हर काम कंप्यूटर से जुड़ा है। बैंकिंग हो, ऑफिस वर्क या बिजनेस, कंप्यूटर का ज्ञान अब सिर्फ जरूरी नहीं, बल्कि एक अहम स्किल बन चुका है। अगर आपने 12 वीं पास कर ली है और कम बजट में ऐसा कोर्स करना चाहते हैं, जिससे अच्छी कमाई हो सके, तो ये पांच कंप्यूटर कोर्स आपके लिए परफेक्ट हैं।

डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन

डीसीए एक बेसिक, लेकिन बेहद उपयोगी कोर्स है। यह आपको कंप्यूटर की मूलभूत जानकारी देता है। यह कोर्स 6 महीने से 1 साल में पूरा हो जाता है। इसमें आपको एमएस ऑफिस, एमएस वर्ड, एक्सल, पॉवर प्वाइंट और इंटरनेट का सही इस्तेमाल सिखाया जाता है। इसकी फीस भी कम होती है, इसलिए यह शुरुआती छात्रों के लिए सबसे उपयुक्त है। इस कोर्स को करने के बाद आप ऑफिस असिस्टेंट, डेटा एंट्री ऑपरेटर या कंप्यूटर टीचर के रूप में काम शुरू कर सकते हैं।

टैली ईआरपी 9

अगर आपकी रुचि अकाउंटिंग और फाइनेंस में है, तो टैली ईआरपी 9 सबसे अच्छा विकल्प है। यह कोर्स बुककीपिंग, जीएसटी, बिलिंग, इन्वेंटरी और अकाउंट मैनेजमेंट जैसी स्किल्स सिखाता है। इस कोर्स की मदद से आप किसी कंपनी के अकाउंट सेक्शन में नौकरी कर सकते हैं या अपनी बुककीपिंग सर्विस शुरू कर सकते हैं।

कंप्यूटर नेटवर्क और इंटरनेट कोर्स

कंप्यूटर नेटवर्किंग और इंटरनेट कोर्स कम फीस में उपलब्ध है। यह कोर्स आपको नेटवर्क सेटअप, ईमेल मार्केटिंग, इंटरनेट सिक्योरिटी और ब्राउजिंग जैसी जरूरी चीजें सिखाता है। इससे आप डिजिटल मार्केटिंग, नेटवर्क एडमिन या फ्रीलांसर के रूप में काम कर सकते हैं।

ई-बिजनेस और इंटरनेट सिक्योरिटी कोर्स

आज डिजिटल युग में ई-बिजनेस और इंटरनेट सिक्योरिटी की मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है। यह कोर्स आपको ऑनलाइन बिजनेस चलाना, वेबसाइट मैनेज करना, पेमेंट सिस्टम और साइबर सिक्योरिटी जैसी स्किल्स सिखाता है। कोर्स पूरा होने के बाद आप ऑनलाइन स्टोर मैनेजर, डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी या साइबर सिक्योरिटी कंसल्टेंट के रूप में काम कर सकते हैं।

C++ और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग का कोर्स

अगर आप टेक्नोलॉजी में गहरी रुचि रखते हैं, तो C++ या सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग का शॉर्ट-टर्म कोर्स करें। इसमें प्रोग्रामिंग की बेसिक जानकारी दी जाती है। थोड़ी मेहनत और प्रैक्टिस के बाद आप सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट या एप्लीकेशन डिजाइनिंग में करियर बना सकते हैं।

वो कॉलेज के दिन

कक्षा आठ से पहले सुनते थे कि कॉलेज में एक-दो किताबें लेकर ही जाना होता है। मुझे गणित विषय में रूचि नहीं थी, उसको जबरदस्ती पढ़ना होता था। मैंने सुना था कि कक्षा नौ में अपनी मर्जी से विषय चुन सकते हैं। कक्षा आठ में परीक्षा से पहले जब आखिरी गणित की क्लास हुई, तो मैं खुशी से चहक उठा। कक्षा नौ में एडमिशन लेने का वक्त आया, तो मेरे जीजाजी ने मेरा फॉर्म भरा और उन्होंने फिर साइंस विषय दिला दिया। मुझे फिर से मैथ्स विषय पढ़ना पढ़ा। मैंने जामिया मिल्लिया इस्लामिया दिल्ली से ग्रेजुएशन किया। मैं इस बात को लेकर उत्साहित था कि बिना ड्रेस और भारी बैग से निजात मिलने के बाद कॉलेज का अनुभव रहेगा? क्योंकि एक आदत पड़ी हुई थी ड्रेस पहनकर जाना, कई किताबें और कॉपी भी रखना। कॉलेज में बैग हल्का जरूर है, लेकिन पढ़ाई का बोझ बढ़ जाता है। खुद से पढ़ने को लेकर सीरियस होना पड़ता है। उसकी वजह यह है कि किसी भी विषय से संबंधित पूरे सिलेबस के चैप्टर एक ही किताब में नहीं मिलते हैं। अलग-अलग किताबों से ढूंढकर सिलेबस को पूरा पढ़ना होता है। कई कॉपी की जगह एक ही रफ कॉपी में कई क्लास अटेंड की जा सकती हैं, लेकिन घर पहुंचकर सभी विषयों के अलग-अलग नोट्स बनाने होते हैं। सीनियर होने का भी अलग सुखद अनुभव होता है। यदि कोई लंबाई या उम्र में ज्यादा है, लेकिन हमसे पीछे क्लास में है, तो वह 'आप' कहकर ही बोलता है। साथ ही सीनियर होने के नाते सम्मान देता है और मार्गदर्शन प्राप्त करता है। यह देखकर बड़ी खुशी होती थी। हालांकि मैंने व्यक्तिगत रूप से अपने सीनियर होने पर घमंड नहीं दिखाया और न ही जूनियर के साथ अभद्र व्यवहार किया। कॉलेज एक वजह से और अलग है कि यदि आपको सभी शिक्षकों की क्लास नहीं लेनी, तो आप बाद में भी कॉलेज आ सकते हैं या बीच में कुछ शिक्षकों की क्लास करके भी जा सकते हैं। कॉलेज में सीखने की दो प्रमुख जगहें हैं। एक कैंटीन, जहां चाय पर सहपाठी किसी भी विषय पर वाद-विवाद करने लगते हैं और दूसरा लाइब्रेरी है, जहां छात्र क्लास से भी ज्यादा समय देकर सेल्फ स्टडी करते हैं। यही छात्र अपने फील्ड में नाम रोशन और लक्ष्य को पाते हैं। ग्रेजुएशन में एडमिशन लेने के बाद दो साल तक यूनिवर्सिटी बंद रही। यूनिवर्सिटी खुलवाने के प्रदर्शन में मैं कई बार अपने घर से 100 किमी दूर प्रदर्शन में शामिल होने गया था। मुझे आज भी अफसोस रहता है कि काश उन दो सालों को मैं यूनिवर्सिटी में बिताता तो अपने ज्ञान में और वृद्धि का पाता साथ ही मेरे लिए और भी अवसर खुलते। मास्टर्स पूरा होने के बाद कॉलेज का कैंपस याद आता है और मन करता है कि यदि जिंदगी में कोई और जिम्मेदारी न हो, तो किसी और कोर्स में एडमिशन लेकर कैंपस में समय व्यतीत किया जाए।

-**एम बिलाल मंसूरी**
डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय

दिवाली पर बिजली खपत में आई कमी

नई दिल्ली। देश में दिवाली पर बिजली की अधिकतम मांग या बिजली की सबसे ज्यादा आपूर्ति इस बार पिछले साल की तुलना में कम रही, जिससे त्योहार के दौरान आम रुझान में गिरावट दिखी। सोमवार को बिजली की अधिकतम मांग घटकर 180.14 गीगावाट रह गई, जो गत वर्ष 31 अक्टूबर, 2024 को दिवाली के दिन अधिकतम मांग 182.87 गीगावाट थी। दिवाली पर घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं द्वारा लाइट और अन्य उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से बिजली की खपत के साथ मांग भी बढ़ जाती है।

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 23 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

जापान का निर्यात और आयात सितंबर में बढ़ा

तोक्यो। जापान के निर्यात में सितंबर में 4.2% की वृद्धि हुई है। एशिया को मजबूत निर्यात से अमेरिका को निर्यात में आई गिरावट की भरपाई हुई है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार जापान के वित्त मंत्रालय ने बताया कि गत माह जापान का एशिया को निर्यात सालाना आधार पर 9.2% बढ़ा। अमेरिका को निर्यात में 13.3% की गिरावट आई। अमेरिका को निर्यात में लगातार छठे महीने गिरावट आई जबकि चीन को निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में 5.8% बढ़ा। जापान का आयात कुल मिलाकर सितंबर में 3.3 % बढ़ा। एशिया में 6% की वृद्धि हुई, जिसमें चीन से आयात में 9.8 % की वृद्धि शामिल है।

सेंचुरी की बिक्री बुकिंग दोगुना से अधिक

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी सेंचुरी रियल एस्टेट की बिक्री बुकिंग आवासीय परियोजनाओं की मजबूत मांग के कारण चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में दोगुना से अधिक होकर 1,062 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 452 करोड़ की संपत्तियां बेची थीं। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों के दौरान कंपनी की बिक्री बुकिंग बढ़कर 1,305 करोड़ रुपये हो गई, पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी की बिक्री बुकिंग 907 करोड़ थी। सेंचुरी रियल एस्टेट के सीईओ महेश प्रभु ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर की अवधि निर्णायक तिमाही रही है, जिसमें हमारे पोर्टफोलियो में रिकॉर्ड तोड़ बिक्री हुई।

मोटर वाहन क्षेत्र में 4.6 अरब डॉलर के हुए सौदे

नई दिल्ली। भारत के मोटर वाहन क्षेत्र ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 4.6 अरब डॉलर के 30 लेनदेन हुए। इसे टाटा मोटर्स के इवेको एसपीए के 3.8 अरब डॉलर के अधिग्रहण से बढ़ावा मिला। ग्रांट थॉर्नटन भारत ने बुधवार को यह जानकारी दी। 'ग्रांट थॉर्नटन भारत क्यू3 (तीसरी तिमाही) 2025 ऑटोमोटिव डीलट्रैकर' के अनुसार, टाटा मोटर्स-इवेको सौदे को छोड़कर अप्रैल-जून तिमाही में मूल्य में 36% की गिरावट आई जो दर्शाता है कि बड़े रणनीतिक दांव समग्र सौदे की गति को परिभाषित करते रहेंगे। सौदों की मात्रा गत तिमाही के समान रही लेकिन मूल्यों में तेजी से वृद्धि हुई।

सस्ते आयात और डंपिंग से इस्पात क्षेत्र को नुकसान

आरबीआई बुलेटिन के अनुसार क्षेत्र को नीतिगत समर्थन की जरूरत

● स्टील अंडर सीज: अंडरस्टैंडिंग द इम्पैक्ट ऑफ डंपिंग ऑन इंडिया शीर्षक से प्रकाशित हुआ लेख

मुंबई, एजेंसी

देश के इस्पात क्षेत्र को 2023-24 और 2024-25 के दौरान प्रमुख वैश्विक इस्पात उत्पादकों के सस्ते आयात और डंपिंग के कारण भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नवीनतम बुलेटिन में यह जानकारी दी गई।

केंद्रीय बैंक के अक्टूबर बुलेटिन में प्रकाशित लेख में कहा गया कि इस्पात आयात में वृद्धि देखी गई है जिसका मुख्य कारण आयात कीमतें कम होना है। इससे घरेलू इस्पात उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। साथ ही इसमें घरेलू इस्पात उत्पादन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन का आह्वान किया गया है। 'स्टील अंडर सीजः अंडरस्टैंडिंग द इम्पैक्ट ऑफ डंपिंग ऑन इंडिया' शीर्षक वाले लेख में कहा गया कि वैश्विक उत्पादकों के सस्ते इस्पात की डंपिंग से घरेलू इस्पात उत्पादन को खतरा हो सकता है। हालांकि, इसे उपयुक्त नीतिगत उपायों के माध्यम से कम किया जा सकता है। हाल ही में सुरक्षा शुल्क लगाने की पहल आयात डंपिंग के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है।

भारत ने अपनी मांग को पूरा करने के लिए इस्पात उत्पादों का आयात किया। देश के लौह एवं इस्पात आयात में 2024-25 की पहली छमाही में 10.7% की वृद्धि हुई, जबकि 2024-25 की दूसरी छमाही में इसमें कमी दर्ज की गई जिसका मुख्य कारण रक्षोपाय (सेफगार्ड) शुल्क था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इस्पात की कम कीमतों से भारत ने 2023-24 में अपने इस्पात आयात में 22% की वृद्धि दर्ज की। भारत 45% इस्पात का आयात दक्षिण कोरिया (14.6%), चीन (9.8%), अमेरिका (7.8%), जापान (7.1%) व ब्रिटेन (6.2%) से करता है। 2024-25 के दौरान चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया और वियतनाम से इस्पात आयात में वृद्धि हुई है। इसके अलावा अप्रैल, 2022 से नवंबर, 2024 तक भारत की इस्पात खपत औसतन 12.9% (मासिक वृद्धि दर का औसत) बढ़ी है। 2022 से घरेलू खपत एवं उत्पादन के बीच का अंतर बढ़ गया है। अप्रैल, 2022 से घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर इस्पात की कीमतों में कमी आई है।

चुनौतियों से घरेलू बाजार व उत्पादकों पर बढ़ा दबाव

आरबीआई के सांख्यिकी एवं सूचना प्रबंधन विभाग के अधिकारी अनिर्बन सान्याल और संजय सिंह द्वारा लिखे लेख में कहा गया, हाल के दिनों में भारत के इस्पात क्षेत्र को प्रमुख इस्पात उत्पादक देशों से बढ़ते आयात और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इन कारकों ने घरेलू बाजार हिस्सेदारी को प्रभावित किया है। इन्होंने क्षमता उपयोग को कम किया तथा घरेलू उत्पादकों पर दबाव बढ़ाया है। साथ ही निर्यातक देशों की मूल्य निर्धारण रणनीतियां इस्पात उद्योग के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। इन चुनौतियों से निपटने को संतुलित दृष्टिकोण की जरूरत है, जिसमें नीतिगत समर्थन और नवोन्मेषण, लागत दक्षता एवं टिकाऊ व्यवहार से भारत के इस्पात उत्पादन की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने के लिए पहल शामिल हैं। आयात में वृद्धि इस्पात की कम आयात कीमतें हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ये लेखकों के विचार हैं। ये लेख 2013-25 तक के मासिक आंकड़ों पर आधारित है।

रिजर्व बैंक का स्वर्ण भंडार 880 टन के पार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक का स्वर्ण भंडार वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में 880 टन के स्तर को पार कर गया। इस भंडार में केंद्रीय बैंक ने सितंबर के अंतिम सप्ताह में 0.2 टन सोना जोड़ा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 26 सितंबर, 2025 तक सोने का कुल मूल्य 95 अरब डॉलर था। बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच, हाल के महीनों में सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने की मांग में वृद्धि हुई है। सितंबर में समाप्त छमाही में, रिजर्व बैंक ने 0.6 टन (600 किलोग्राम) सोना खरीदा। रिजर्व बैंक के नवीनतम बुलेटिन के अनुसार, सितंबर और जून में क्रमशः कुल 0.2 टन (200 किलोग्राम) और 0.4 टन (400 किलोग्राम) सोना खरीदा गया। रिजर्व बैंक के पास कुल स्वर्ण भंडार सितंबर के अंत तक बढ़कर 880.18 टन हो गया, जो 2024-25 के अंत तक 879.58 टन था। 2024-25 के दौरान, रिजर्व बैंक ने 54.13 टन सोना जोड़ा था। बुलेटिन में कहा गया कि वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ने से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमतों में वृद्धि हुई है, जिसने सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी को प्रोत्साहित किया और केंद्रीय बैंकों और निवेशकों द्वारा वित्तीय परिसंपत्ति के रूप में सोने की निरंतर मांग ने घरेलू कीमतों में वृद्धि को बढ़ावा दिया। वैश्विक स्तर पर, केंद्रीय बैंकों ने आधिकारिक भंडार में 166 टन सोना जोड़ा, जिससे इसकी मांग में और वृद्धि हुई।

वैश्विक चुनौतियों के खिलाफ ग्लोबल साउथ साथ आए

नई दिल्ली, एजेंसी

अंकटाड के 16वें सत्र को केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने किया संबोधित

भारत ने बुधवार को विकासशील और अल्प विकसित देशों से शुल्क बाधाएं, एकतरफा पर्यावरणीय प्रतिबंध और सेवा क्षेत्र में आने वाली रुकावटें जैसी वैश्विक व्यापार से जुड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। जिनेवा में आयोजित संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (अंकटाड) के 16वें सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अब समय आ गया है कि 'ग्लोबल साउथ' अपनी साझा चिंताओं पर एकजुट होकर आवाज उठाए।

उन्होंने कहा कि इस समय दुनिया अस्थिर स्थिति में है, जहां वैश्विक व्यापार प्रणाली कई तरह की अनिश्चितताओं, चुनौतियों और अस्पष्टताओं से घिरी हुई है। हम ऐसे समय में रह रहे हैं जहां बहुपक्षीय संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और देशों के बीच विश्वास की भारी कमी है। हमें हर दिन कई गंभीर और जटिल चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। नियम-आधारित व्यापार प्रणाली में लोगों का भरोसा कमजोर हो रहा है। बाजार से इतर प्रथाएं बढ़ रही हैं। मुक्त व्यापार में शुल्क और गैर-शुल्क अड़चनें आ रही हैं। साथ ही आपूर्ति श्रृंखला का अत्यधिक केंद्रीकरण भी एक बड़ी समस्या बन गई है। चाहे वह उत्पादन स्तर पर हो या कभी-कभी मांग के स्तर

● बोले- नियम-आधारित व्यापार प्रणाली में लोगों का भरोसा हो रहा कमजोर

पर। गोयल ने बताया कि जब विश्व व्यापार संगठन की स्थापना हुई थी, तब विकासशील और अल्प विकसित देशों को जो विशेष और अलग तरह की सुविधाएं दी गई थीं, उनमें अब ढील दी जा रही है।

मंत्री ने कुछ देशों और भौगोलिक क्षेत्रों द्वारा लगाए जा रहे एकतरफा पर्यावरणीय प्रतिबंधों, दुनिया को विभाजित करने वाली प्रौद्योगिकियों और सेवा क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक नीतियों जैसी बाधाओं पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ये मुद्दे हमारे सामने खुले तौर पर मौजूद हैं और हमें इन्हें देखने तथा इनका समाधान करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये चुनौतियां विशेष रूप से कम विकसित और विकासशील देशों को सबसे ज्यादा प्रभावित करती हैं, क्योंकि उनके सामने विकास का एजेंडा है।

आपूर्ति श्रृंखला में जुझारूपन लाने को अतिरिक्त खर्च करने को तैयार

पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार सभी क्षेत्रों की आपूर्ति श्रृंखला को जुझारू बनाने के लिए काम कर रही है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त खर्च करने को भी तैयार है। गोयल ने अंकटाड की बैठक में 'जुझारू, टिकाऊ और समावेशी आपूर्ति श्रृंखला और व्यापार लॉजिस्टिक' पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार ने देश की खुदरा और औद्योगिक क्षमता बढ़ाने के इरादे से आत्मनिर्भर भारत पहल शुरू की है। गोयल ने कहा कि हम प्रत्येक आपूर्ति श्रृंखला को उद्योग के हिसाब से देख रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि हम कहां कमजोर हैं और हमें कहां क्षमता विस्तार की जरूरत है। हम अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में जुझारू बनाने के लिए अतिरिक्त खर्च करने को तैयार हैं। सरकार ने 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन' (पीएलआई) योजना और सेमीकंडक्टर उत्पादन बढ़ाने की नीति शुरू की है।

बॉण्ड वाले एमएफ से 1.02 लाख करोड़ की निकासी

नई दिल्ली, एजेंसी

● नकदी जरूरतों और अग्रिम कर भुगतान से जुड़ी संस्थागत निकासी का नतीजा

निश्चित आय वाले बॉण्ड आधारित म्यूचुअल फंड (एमएफ) योजनाओं से सितंबर महीने में 1.02 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई। बड़े संस्थागत निवेशकों की निकासी इसकी प्रमुख वजह रही। म्यूचुअल फंड उद्योग के निकाय एम्फी की तरफ से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।

अगस्त में इन फंड योजनाओं से 7,980 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई थी जबकि जुलाई में 1.07 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया था। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने ऋण या बॉण्ड में निवेश करने वाली 16 में से 12 एमएफ श्रेणियों में शुद्ध निकासी दर्ज की गई। इनमें लिक्विड फंड योजनाओं से 66,042 करोड़, मनी मार्केट फंड से 17,900 करोड़ रुपये और बेहद कम अवधि वाले फंड से 13,606 करोड़ रुपये की निकासी शामिल है।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया में विश्लेषक नेहाल मेश्राम ने कहा कि यह निकासी मुख्यतः सितंबर तिमाही के अंत की नकदी जरूरतों और अग्रिम कर भुगतान से जुड़ी संस्थागत निकासी का नतीजा है। बड़े पैमाने पर निकासी से ऋण आधारित फंड योजनाओं की प्रबंधन-अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) सितंबर अंत तक घटकर 17.8 लाख करोड़ रह गईं, जो अगस्त में 18.71 लाख करोड़ थीं। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड में सितंबर में 30,421 करोड़ का शुद्ध निवेश हुआ है।

भारत के स्मार्टफोन बाजार में तीन प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

● ओमडिया के अनुसार, लाभ एक मजबूत वर्ष के अंत तक बरकरार रहने की संभावना नहीं

भारत का स्मार्टफोन बाजार कैलेंडर वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 3% बढ़कर 4.8 करोड़ इकाई तक पहुंच गया। ओमडिया के अनुसार, शुरुआती गति के बावजूद, लाभ एक मजबूत वर्ष के अंत तक बरकरार रहने की संभावना नहीं है।

ओमडिया के अनुसार, यह मामूली वृद्धि मुख्य रूप से जुलाई और अगस्त में नए स्मार्टफोन के बाजार में आने, खुदरा विक्रेताओं को दिए गए प्रोत्साहन और त्योहारी सीजन जल्दी शुरू होने से हुई, जिससे कंपनियों ने पहले ही माल भेजना शुरू कर दिया। ओमडिया के प्रमुख विश्लेषक संयम चौरसिया ने कहा कि चूंकि बाजार में स्वाभाविक मांग कम थी, इसलिए तीसरी तिमाही की बिक्री मुख्य रूप से दुकानों और वितरकों को दिए प्रोत्साहनों के जरिये बढ़ी, न कि ग्राहकों की सामान्य खरीदारी से। विवो (आईक्यूओओ को छोड़कर) ने 97 लाख इकाई (20% बाजार हिस्सेदारी) के साथ बाजार में अपनी बढ़त बढ़ा दी, जबकि सैमसंग 68 लाख इकाई (14% बाजार हिस्सेदारी) के साथ दूसरे स्थान पर रहा। शाओमी तीसरे स्थान पर रही, जिसने ओप्पो (वनप्लस को छोड़कर) को थोड़े से अंतर से पीछे छोड़ा, दोनों ने 65 लाख इकाई की बिक्री की।

राष्ट्रीय

ऑनलाइन सट्टेबाजी : कोर्ट ने केंद्र से मांगी मदद

याचिका के अनुसार, देश की करीब आधी आबादी ऑनलाइन खेलने में संलिप्त, सालाना 1.8 लाख करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी

● सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका की एक प्रति केन्द्र सरकार के वकील को देने के लिए कहा

सुप्रीम कोर्ट ने सोशल और ई-स्पोर्ट्स खेलों की आड़ में चल रहे ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी करने से जुड़ी याचिका पर केंद्र सरकार से सहायता मांगी है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि वह जनहित याचिका की एक प्रति केन्द्र सरकार के वकील को सौंपें।

पीठ ने शुक्रवार को कहा कि हम वीसी भारती से अनुरोध करते हैं कि वह याचिका पर गौर करें और अगली सुनवाई में हमारी सहायता करें। सुनवाई दो सप्ताह बाद के लिए सूचीबद्ध की जाए। शीर्ष अदालत 'सेंटर फॉर अकाउंटेबिलिटी एंड सिस्टमिक चेंज' (सीएएससी) थिंक टैंक की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें केंद्र को ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है कि ये प्लेटफार्म कथित तौर पर सोशल और ई-स्पोर्ट्स गेम की आड़ में संचालित होते हैं। जनहित याचिका में दावा किया गया, ''भारत के अधिकतर राज्यों में सट्टेबाजी और जुए को गैरकानूनी गतिविधियां माना जाता है। उच्च न्यायालयों में कई मामलों पर सुनवाई हुई, जिनमें सरकार और गेमिंग प्लेटफार्म ने हलफनामे दायर किए। इनका विश्लेषण करने पर पता चला है कि 65 करोड़ से अधिक लोग ऐसे खेल खेल रहे हैं। इससे भारत में 1.8 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वार्षिक कारोबार होता है। याचिका के अनुसार ''भारत की लगभग आधी आबादी ऑनलाइन गेम खेलने में संलिप्त है, जिससे समाज, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

23 साल चले मुकदमे के बाद महिला को मिलेगा मुआवजा

सुप्रीम कोर्ट ने 2002 में रेल हादसे में अपने पति को खो चुकी महिला को वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद रेलवे से उचित मुआवजा दिलाने की व्यवस्था की। सायनोक्ता देवी के पति विजय सिंह के पास 21 मार्च 2002 को बखियारपुर स्टेशन से भागलपुर-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस से पटना जाने के लिए वैध रेलवे टिकट था, लेकिन डिब्बे में भारी भीड़ से वह दुर्घटनावश बखियारपुर स्टेशन पर ही चलती ट्रेन से गिर गए और उनकी मौत हो गई। सायनोक्ता देवी ने इसके बाद पति की मौत का मुआवजा पाने के लिए करीब दो साल तक कानूनी लड़ाई लड़ी। उनके दावे को रेलवे दावा न्यायाधिकरण और पटना उच्च न्यायालय ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि मृतक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। सायनोक्ता देवी ने उच्च न्यायालय द्वारा उनके दावे को खारिज करने के आदेश के खिलाफ वकील फौजिया शकील के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में रेलवे दावा न्यायाधिकरण और पटना हाईकोर्ट की दलीलों को खारिज करते हुए आदेशों को बेतुका, काल्पनिक और रिकॉर्ड पर निर्विवाद तथ्यों के विपरीत करार देते हुए रद्द कर दिया। शीर्ष अदालत ने 2 फरवरी, 2023 के आदेश में कहा था, अपीलकर्ता के दावे को न्यायाधिकरण और हाईकोर्ट दोनों ने इस आधार पर स्वीकार नहीं किया कि मृतक मानसिक रूप से अस्वस्थ था और वह अज्ञात ट्रेन ने गिरा था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि मृतक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होती तो वह वैध रेलवे टिकट खरीदना और ट्रेन में चढ़ने की कोशिश नहीं करता। शीर्ष अदालत ने रेलवे को निर्देश दिया कि वह मृतक की पत्नी को दावा की तारीख से 6% वार्षिक ब्याज के साथ दो माह में चार लाख रुपये का मुआवजा दे।

वाराणसी में इंडिगो विमान की आपात लैंडिंग, यात्री सुरक्षित

वाराणसी। कोलकाता से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई-6961 को बुधवार शाम ईंधन रिसाव (फ्यूल लीक) की सूचना के बाद वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी। पायलट ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वाराणसी के हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी।

अनुमति पर विमान को शाम 4:10 बजे रनवे पर सुरक्षित उतारा गया। गोमती जोन पुलिस के अनुसार, विमान में सवार सभी 166 यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं। यात्रियों को सुरक्षित रूप से आगमन कक्ष (एराइवल हॉल) में ले जाया गया है। तकनीकी टीम वर्तमान में विमान की जांच और मरम्मत में जुटी हुई है। स्थिति पूर्णतः सामान्य और नियंत्रण में है।

निर्देशों की अवहेलना पर 1000 बीएलओ को नोटिस

कोलकाता, एजेंसी

● अनुरोध पर भी ईआरओ-नेट पोर्टल पर बीएलओ ने अपना नाम नहीं किया पंजीकृत

प. बंगाल में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत चुनावी निर्देशों की अवहेलना पर लगभग एक हजार बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को जारी नोटिस का हवाला देते हुए कहा कि संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के बार-बार अनुरोध के बावजूद अधिकारी ईआरओ-नेट पोर्टल पर बीएलओ के रूप में अपना नाम पंजीकृत करने में कथित रूप से विफल रहे हैं।

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नोटिस के अनुसार, ऐसी विफलताएं जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 के तहत जानबूझकर की लापरवाही और कर्तव्य की उपेक्षा के बराबर हैं, जिसमें यह अनिवार्य है कि चुनावी कार्य के लिए नियुक्त सभी अधिकारी भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। नोटिस में कहा गया कि चुनाव ड्यूटी के दौरान बीएलओ को भारत निर्वाचन आयोग में प्रतिनियुक्ति पर माना जाएगा और वे उसके पर्यवेक्षण एवं अनुशासनात्मक नियंत्रण के अधीन होंगे। बीएलओ को तीन दिन में यह बताने को कहा गया है कि जानबूझकर लापरवाही बरतने और सरकारी आदेश की अवहेलना पर उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए। तय समयसीमा में जवाब न देने पर यह माना जाएगा कि उनके पास कोई वैध औचित्य नहीं है और कानून एवं विभागीय नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

जनता को वादे कर मूर्ख न बनाएं तेजस्वी

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने राजद नेता और प्रशांत किशोर को घेरा

● सुधांशु त्रिवेदी ने यादव के वादों को बताया क्रूर मजाक

भाजपा ने बुधवार को राजद नेता तेजस्वी यादव पर बड़े-बड़े चुनावी वादे करके बिहार की जनता को मूर्ख बनाने का आरोप लगाया और प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी पर भी निशाना साधा। भाजपा ने लोगों से महागठबंधन की चाल या नई प्रयोगात्मक राजनीति में फंसने के बजाय राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के जांचे-परखे नेतृत्व को जनादेश देने का आह्वान किया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने यादव के चुनावी वादों को क्रूर मजाक करार दिया और उन्होंने ऐसे बड़े-बड़े वादे करने के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता की नीयत पर सवाल उठाए, जिसके लिए बिहार सरकार के वर्तमान बजट से कहीं अधिक धन की जरूरत होगी। त्रिवेदी ने भाजपा मुख्यालय में कहा कि उन्होंने वादा किया कि वह हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देंगे। मौजूदा अनुमानों के अनुसार, बिहार की आबादी 13.5 करोड़ है... जिन परिवारों के सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी, उनकी संख्या 2.90 करोड़ होगी। इनका वेतन 30,000 रुपये से दो लाख रुपये तक होगा। यदि उनका अनुमानित औसत वेतन 75,000 के आसपास आता है, तो इस मद में व्यय 29 लाख करोड़ आएगा, जबकि बिहार का वर्तमान बजट 3,17,000 करोड़ है।

त्रिवेदी ने कहा, तेजस्वी यादव, आप बुद्ध की धरती के लोगों को बुद्धू बनाना बंद करें। भाजपा नेता ने कहा, तेजस्वी यादव ने कहा कि 10 से 20 लाख लोगों को नौकरी दी जाएगी, तो उनके मनोभाव को समझिए। उनका मतलब था कि 10 और 20 लाख रुपये में नौकरी दी जाएगी। अगर ऐसा संभव नहीं हुआ, तो वह जमीन ले लेंगे। जन सुराज पार्टी के उम्मीदवारों को भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा धमकाए जाने के आरोप पर त्रिवेदी ने कहा, जो अपनी ही पार्टी में विश्वास पैदा नहीं कर पाए, वे जनता का भरोसा कैसे हासिल कर पाएंगे?

सरफराज के चयन में 'उपनाम' को लेकर कांग्रेस-भाजपा में रार

नई दिल्ली, एजेंसी

● शमा मोहम्मद की टिप्पणी पर भाजपा ने कहा- सांप्रदायिक एजेंडे से क्रिकेट से रखें दूर

कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने बुधवार को सवाल उठाकर विवाद खड़ा कर दिया कि क्या मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान को उनके उपनाम की वजह से भारतीय ए क्रिकेट टीम में नहीं चुना गया। उन्होंने गौतम गंभीर पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हम जानते हैं कि इस मामले में उनका क्या रुख है। भाजपा ने उनकी टिप्पणी पर कहा कि सांप्रदायिक एजेंडे से क्रिकेट को दूर रखा जाना चाहिए।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीआईआई) की राष्ट्रीय चयन समिति ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैचों के लिए भारतीय टीम का चयन किया है। खान को ऋषभ पंत की अगुवाई वाली दो टीमों में स्थान नहीं मिला। भारतीय ए टीम में उन्हें शामिल न किए जाने पर सोशल मीडिया पर लोगों ने पूछा कि टीम में जगह पाने के लिए वह और क्या कर सकते हैं। कांग्रेस नेता ने एक्स पर पोस्ट किया, क्या सरफ़राज़ खान को उनके उपनाम की वजह से नहीं चुना गया है? बस पूछ रही हूं। गौतम गंभीर इस मामले में क्या सोचते हैं। उन पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह महिला और उनकी पार्टी बीमार हैं। रोहित शर्मा को मोटा कहने के बाद, वह और उनकी पार्टी क्रिकेट टीम को भी सांप्रदायिक आधार पर बांटना चाहती है? देश का बंटवारा करके मन नहीं भरा क्या? उसी टीम में मोहम्मद सिराज और खलील अहमद खेलेंगे।

दिल्ली की फिजा में तीसरे दिन भी 'जहर'

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में मान सिंह रोड पर छाया घना धुंध।

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी तथा हवा की गति कम होना इसकी बड़ी वजह रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी दैनिक बुलेटिन के अनुसार, बुधवार शाम चार बजे शहर का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 353 रहा। यह इस मौसम में अब तक का सबसे अधिक दर्ज किया गया एक्यूआई है। एक्यूआई मंगलवार को 351 और सोमवार को 345 था। दिन के समय दिल्ली में धुंध छाई रही और हवा की गति सात किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक नहीं रही।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आने वाले दिनों में प्रदूषण बढ़ने का अनुमान जताया है। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक कृष्ण मिश्रा ने कहा कि हवा की दिशा पूर्व से पश्चिमी हो गई है, लेकिन गति कम बनी हुई है। रात के समय हवा धीमी बनी रही और दिन में गति केवल 5-7 किमी प्रति घंटे रहती है। 27 अक्टूबर के आसपास कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव की उम्मीद है, लेकिन इससे भारी बारिश या हवा की गति में वृद्धि की संभावना नहीं है। केंद्र की वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (ईडब्ल्यूएस) के पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि दिल्ली का एक्यूआई शनिवार तक बेहद खराब श्रेणी में बना रहेगा, जिसके बाद छह दिनों तक यह खराब और बेहद खराब के बीच रह सकता है। सीपीसीबी के अनुसार 39 केंद्रों में से 3 गंभीर, जबकि 33 बेहद खराब श्रेणी में रहे।

वर्ल्ड ब्रीफ

उत्तर कोरिया ने एपेक सम्मेलन से पहले दागी कई मिसाइलें

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने पिछले पांच महीनों में पहली बार बुधवार को कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन से पहले उत्तर कोरिया के इस कृत्य से इस क्षेत्र में फिर से तनाव बढ़ने लगा है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के अनुसार, मिसाइलें स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 8:10 बजे प्योंगयांग के दक्षिण में एक क्षेत्र से दागी गई और लगभग 350 किलोमीटर (217 मील) की दूरी तय करने के बाद जमीन पर गिरीं। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेसीएस ने कहा, "हमारी सेना ने अतिरिक्त प्रक्षेपणों की आशंका में निगरानी और तैयारी बढ़ा दी है और अमेरिका तथा जापान के साथ जानकारी साझा कर रहे हैं।

श्रीलंका में अज्ञात बंदूकधारी ने विपक्षी नेता की हत्या की

कोलंबो। श्रीलंका में अज्ञात बंदूकधारी ने बुधवार को एक विपक्षी नेता की उनके कार्यालय में गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने एक बयान में कहा कि राजधानी कोलंबो से लगभग 150 किलोमीटर दक्षिण में स्थित तटीय शहर वेलिगामा के परिषद प्रमुख लासांथा विक्रमसेकरा (38) अपने आधिकारिक कार्य निपटा रहे थे, तभी बंदूकधारी ने कार्यालय की इमारत में प्रवेश किया और पिस्तौल से गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि हमलावर गोलीबारी के बाद मौके से फरार हो गया। विक्रमसेकरा को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस ने गोलीबारी के कारणों का खुलासा नहीं किया और कहा कि संदिग्ध की पहचान के लिए जांच जारी है।

पाकिस्तानी नौसेना ने जब्त किए एक अरब डॉलर के मादक पदार्थ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नौसेना ने अरब सागर में दो नावों से लगभग एक अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किये हैं। 47 राष्ट्रों की नौसैनिक साझेदारी वाले, संयुक्त समुद्री बल (सीएमएफ) ने यह जानकारी दी। सीएमएफ में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले 'संयुक्त कार्य बल 150' के प्रत्यक्ष समर्थन में काम कर रहे पाकिस्तानी नौसेना के पोत यारमुक ने 16 अक्टूबर को शुरू हुए अभियान के दौरान अरब सागर में 972,400,000 अमेरिकी डॉलर मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए। सीएमएफ 47 देशों की नौसैनिक साझेदारी वाला बल है जो विश्व के महत्वपूर्ण नौवहन मार्गों को शामिल करते हुए 32 लाख वर्ग मील जलीय क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देता है।

लुव्र संग्रहालय दिनदहाड़े चोरी की घटना के तीन दिन बाद फिर खुला

- चोरी गए आभूषणों का मूल्य 10.2 करोड़ डॉलर, कोई गिरफ्तारी नहीं

पेरिस। लुव्र संग्रहालय दिनदहाड़े चोरी की वारदात के बाद बुधवार सुबह दोबारा खोला गया। तीन दिन पहले चोरों ने संग्रहालय की एक खिड़की तोड़कर करीब 10.2 करोड़ डॉलर मूल्य के फ्रांसीसी शाही आभूषण चुरा लिए थे। यह चोरी संग्रहालय में प्रदर्शित मोना लिसा की पेंटिंग से 250 मीटर दूरी पर हुई थी, इसने पूरे देश को झकझोर दिया है।

कुछ अधिकारियों ने इस चोरी की तुलना 2019 में 'नोट्रे-डेम कैथेड्रल' में लगी आग से की है। चोरी के बाद संग्रहालय में तीन दिन तक जांच चली। जिस अपोलो कक्ष में चोरी हुई थी, वह आगंतुकों के लिए बंद रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार, चोरों ने सिर्फ चार मिनट से भी कम समय में वारदात को अंजाम दिया। चोरी हुए आठ आभूषणों में 19वीं सदी की रानी मैरी-अमेलिया और हॉर्टेंस का नीलम से जड़ा मुकुट, हार और एक कान की बाली, नेपोलियन बोनापार्ट की दूसरी पत्नी महारानी मैरी-लुईज़ का पन्ना जड़ित हार और बालियां, एक कीमती ब्रोच, महारानी यूजनी का हीरे जड़ा मुकुट और हीरे-पन्ने का ब्रोच शामिल हैं। इनमें महारानी यूजनी का पन्ना जड़ा मुकुट जिसमें 1300 से ज्यादा हीरे हैं, बाद में संग्रहालय के बाहर क्षतिग्रस्त हालत में पड़ा मिला। पेरिस की अभियोजक लॉरे बेकुआ ने बताया चुराए गए शाही आभूषणों की कीमत 10.2 करोड़ डॉलर आंकी गई है। अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

बड़े फैसलों का अभी इंतजार

लोकपाल को चाहिए विदेशी कार

लोकपाल का गठन वैसे तो भ्रष्टाचार रोकने और संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों के खिलाफ जांच करने के उद्देश्य से किया गया था लेकिन अपने गठन के पांच साल बाद यह संस्था अगर किसी वजह से सर्वाधिक चर्चा में है तो वह उसका कोई फैसला नहीं है, बल्कि लोकपाल के सदस्यों के लिए करीब 70-70 लाख कीमत की सात विदेशी बीएमडब्ल्यू लग्जरी कारें खरीदने के लिए टेंडर जारी करने के कारण है। सवाल उठ रहा है कि जिस संस्था की जिम्मेदारी लोकसेवकों के भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना है, उसके सदस्यों के लिए इतनी महंगी कारें क्यों खरीदी जा रही हैं। इस बीच लोकपाल के गठन के बाद से उससे की गई शिकायतों और उनके निस्तारण के स्तर पर भी चर्चा शुरू हो गई है। ज्यादातर शिकायतें खारिज हो जाने और काफी कम मामलों में अभियोजन की स्वीकृति देने जैसे मुद्दे इनमें शामिल हैं। रिकॉर्ड बताता है कि लोकपाल का अब तक एक भी ऐसा फैसला नहीं है जिसने उसके गठन को सार्थक साबित किया हो और देश की जनता के लिए यादगार बना हो।

लोकपाल का इतिहास

- वर्ष 1966 में एलएम सिंहवी समिति ने पहली बार लोकपाल जैसे तंत्र के गठन का सुझाव दिया था।
- इसके बाद 1968 से 2011 के बीच कई बार लोकपाल बिल संसद में आया पर पारित नहीं हो सका।
- वर्ष 2011 में अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन ने लोकपाल के गठन के लिए दबाव बढ़ाया।
- वर्ष 2013 में लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम पारित हुआ लेकिन नियुक्ति प्रक्रिया अटकी रही।
- वर्ष 2019 में छह साल बाद जस्टिस पिनाकी चंद्र घोष भारत के पहले लोकपाल नियुक्त किए गए।

उद्देश्य/ नियुक्ति

- उच्च पदस्थ लोकसेवक जैसे प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसद और केंद्रीय कर्मियों पर भ्रष्टाचार के आरोपों की स्वतंत्र जांच।
- सीबीआई और इन्फोर्समेंट एजेंसियों पर सीधी निर्भरता के बजाय अलग अर्ध-स्वायत्त जांच ढांचे के गठन के लिए।
- शासन में जनविश्वास बनाए रखने के साथ प्रशासन की जवाबदेही और समस्याओं के निस्तारण को सुनिश्चित करना।
- चयन समिति में प्रधानमंत्री अध्यक्ष, लोकसभा स्पीकर, राज्यसभा में विपक्ष के नेता, सीजेआई और एक नामित सदस्य।
- एक समिति लोकपाल के लिए उपयुक्त नामों का सुझाव देती है। अधिकतम कार्यकाल पांच वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक।

शिकायतों का निस्तारण

- पांच साल में लोकपाल ने 24 मामलों में जांच के आदेश दिए, इनमें से छह में अभियोजन की मंजूरी दी गई।
- लगभग 90 प्रतिशत शिकायतों को खारिज कर दिया गया, इनका सही प्रारूप में न होना कारण बताया गया।
- पांच वर्षों में लगभग 2,320 दोषरहित शिकायतें की गईं, 226 एक अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच की गईं।
- तीन प्रतिशत शिकायतें संसद सदस्य, केंद्रीय मंत्री के विरुद्ध थीं, 21 प्रतिशत केंद्र के अधिकारियों के विरुद्ध।
- 35% शिकायतें केंद्रीय निकायों के अध्यक्ष-सदस्यों, 41% शिकायतें अन्य श्रेणी के लोगों के विरुद्ध थीं।

कार्य निस्तारण में दिक्कतें

- लोकपाल अधिनियम 2013 में पारित हुआ लेकिन पहले लोकपाल को 19 मार्च, 2019 को आठ सदस्यों के साथ नियुक्त किया गया था।
- पहले लोकपाल न्यायमूर्ति घोष मई 2022 में पद से हटे। उनकी जगह सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एएम खानविलकर दो साल बाद नियुक्त हुए।
- जांच निदेशक और अभियोजन निदेशक के पदों को भरने के लिए केंद्र सरकार को कई बार भेजे गए प्रस्तावों पर अभी निर्णय नहीं।

दुनिया की कई प्रमुख हस्तियां एआई सुपर इंटेलिजेंस के खिलाफ एकजुट

प्रतिबंध की मांग करने वालों में प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेघन भी शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी

- गूगल, ओपनएआई जैसी आईटी कंपनियों को जारी किया पत्र
- मानवता के लिए बताया खतरा, आपसी होड़ छोड़ने को कहा

प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेघन प्रमुख कंप्यूटर वैज्ञानिकों, अर्थशास्त्रियों, कलाकारों, ईसाई धर्मगुरुओं और अमेरिकी रूढ़िवादी टिप्पणीकारों स्टीव बैनन और ग्लेन बेक के साथ मिलकर मानवता के लिए खतरा पैदा करने वाली एआई सुपर इंटेलिजेंस पर प्रतिबंध लगाने की मुहिम में शामिल हो गए हैं। राजनीतिक और भौगोलिक रूप से विविध सार्वजनिक हस्तियों के एक समूह की ओर से एक पत्र सीधे तौर पर गूगल, ओपनएआई और मेटा प्लेटफॉर्म जैसी प्रौद्योगिकी कंपनियों के नाम बुधवार को जारी किया गया।

ये कंपनियां कई कार्यों में मनुष्यों से आगे निकलने के लिए डिज़ाइन किए गए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के एक रूप को बनाने के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। पत्र में कुछ शर्तें पूरी न होने तक एआई सुपर इंटेलिजेंस पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया गया है। एक बयान में कहा गया है, हम सुपर इंटेलिजेंस के विकास पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हैं, और इसे तब तक नहीं हटाया जाना चाहिए जब तक इस बात पर व्यापक वैज्ञानिक सहमति न बन जाए कि यह सुरक्षित और नियंत्रण योग्य तरीके से किया जाएगा। साथ ही इसे जनता की ओर से भी समर्थन प्राप्त होना चाहिए।

प्रिंस हैरी ने एक निजी नोट में कहा कि "एआई का भविष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि उसे उसकी जगह लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि प्रगति की असली परीक्षा यह नहीं होगी कि हम कितनी तेज़ी से आगे बढ़ते हैं, बल्कि यह होगी कि हम कितनी समझदारी से आगे बढ़ते हैं। 'ड्यूक ऑफ ससेक्स' के साथ उनकी पत्नी 'डचेस ऑफ ससेक्स' मेघन ने भी हस्ताक्षर किए हैं। गैर-लाभकारी संस्था 'फ्यूचर ऑफ लाइफ इंस्टीट्यूट' द्वारा जारी इस पत्र से एआई पर शोध कर रहे समुदाय के बीच सुपर इंटेलिजेंस एआई की संभावना, उस तक पहुंचने के तकनीकी रास्ते और यह कितना खतरनाक हो सकता है, इस बारे में बहस छिड़ने की संभावना है।

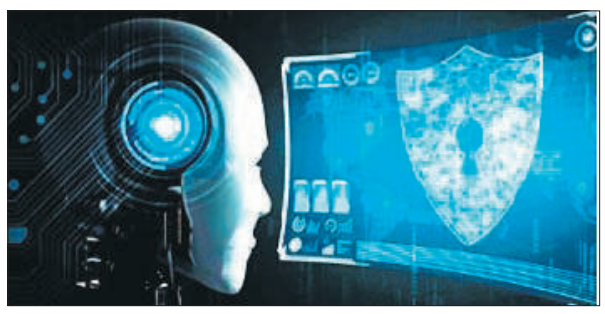

एआई के जाने-माने विशेषज्ञों ने भी गिनाए खतरे लिखा- इससे मानवता विलुप्त होने की आशंका

पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में एआई के अग्रणी विशेषज्ञ और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में कंप्यूटर विज्ञान के प्रोफेसर स्टुअर्ट रसेल ने लिखा है, यह केवल एक प्रस्ताव है कि एक ऐसी प्रौद्योगिकी के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है, जिसके निर्माताओं के अनुसार, मानव के विलुप्त होने की काफी आशंका है। कंप्यूटर विज्ञान के सर्वोच्च ट्यूरिंग पुरस्कार के सह-विजेता एआई के विशेषज्ञ योशुआ बेंगियो और जेफ्री हिंटन ने भी इसपर हस्ताक्षर किए हैं। हिंटन को पिछले साल भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला था। दोनों ने उस तकनीक के खतरों की ओर ध्यान आकर्षित करने में अपनी भूमिका निभाई है, जिसके निर्माण में उन्होंने योगदान दिया था।

कई यूरोपीय-ब्रिटिश सांसद और अरबपति कारोबारी भी विरोध में

सूची में एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव वोज्नियाक, ब्रिटिश अरबपति कारोबारी रिचर्ड ब्रैनसन, अमेरिकी ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के पूर्व अध्यक्ष माइक मुलेन, जो रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक प्रशासन के अधीन काम कर चुके हैं, तथा डेमोक्रेटिक विदेश नीति विशेषज्ञ सुज़ैन राइस भी शामिल हैं। आयरलैंड की पूर्व राष्ट्रपति मैरी रॉबिन्सन और कई ब्रिटिश और यूरोपीय सांसदों ने भी इस पर हस्ताक्षर किए हैं। अभिनेता स्टीफन फ्राई और जोसेफ गॉर्डन-लेविट और संगीतकार विलआई एम ने भी हस्ताक्षर किए, जिन्होंने संगीत निर्माण में एआई को अपनाया है।

पूरी दुनिया में चिंता

- इससे पहले अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस एआई कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों को व्हाइट हाउस में बुलाकर एआई से जुड़े संभावित खतरों को सीमित करने को कह चुकी है।
- यूरोप में भी एआई को हाई रिस्क घोषित करने की तैयारी चल रही है। ईयू इस पर पर अंकुश लगाने के लिए नया कानून बना रही है। इसने अमेरिकी टेक कंपनियों को चिंता में डाल दिया है।

अमेरिका इजराइल का संरक्षक नहीं: नेतन्याहू

तेल अवीव, एजेंसी

- वेंस के साथ बैठक से पहले कहा- अपनी सुरक्षा का फैसला इजराइल ही करेगा

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ गाजा के संवेदनशील युद्धविराम समझौते की प्रगति पर चर्चा करने से पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को अपना रुख कड़ा करते हुए घोषणा की कि उनका देश अपनी सुरक्षा का स्वयं जिम्मेदार है और वह अमेरिका का संरक्षित देश नहीं है।

दरअसल, इजराइल जनता में चिंता है कि ट्रंप के फैसले के तहत गाजा में एक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की उपस्थिति, भविष्य के खतरों को विफल करने के लिए उस क्षेत्र में हमला करने की इजराइल की क्षमता को सीमित कर सकती है। नेतन्याहू की टिप्पणी को इसी चिंता को कम करने का प्रयास माना जा रहा है। वेंस के साथ बैठक में जाने से पहले नेतन्याहू ने एक बयान में कहा, हम अमेरिका के संरक्षित देश नहीं हैं। अपनी सुरक्षा का फैसला इजराइल ही करेगा। बैठक शुरू होने से पहले पत्रकारों के साथ बाचतीत में वेंस ने माना कि शांति की राह में बड़ी बाधाएं हैं। हालांकि उन्होंने उस उत्साहपूर्ण लहजे को बनाए रखने की कोशिश की, जो उन्होंने मंगलवार को इजराइल पहुंचने पर व्यक्त किया था।

वेंस ने कहा, हमारे सामने एक बहुत ही कठिन काम है: हमास को निरस्त्र करना और गाजा के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए गाजा का पुनर्निर्माण करना। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना कि हमास अब हमारे इजराइली दोस्तों के लिए खतरा न रहे। यह आसान नहीं है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा, अभी बहुत काम करना बाकी है, लेकिन मैं अपनी स्थिति को लेकर बहुत आशावादी हूं। वेंस बुधवार को इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्ज़ोग से भी मुलाकात करेंगे। उनके साथ पश्चिम एशिया के लिये अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर भी हैं।

इस बीच, इज़राइल ने कहा कि उसने दो और बंधकों के शवों की पहचान पूरी कर ली है, जिन्हें रेड क्रॉस ने मंगलवार को गाजा में इजराइली सेना को सौंप दिया था। युद्धविराम शुरू होने के बाद से, 15 बंधकों के अवशेष इज़राइल को लौटा दिए गए हैं। तेरह अन्य बंधकों को अब भी गाजा में बरामद करके उन्हें सौंपना बाकी है, जो युद्धविराम समझौते का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

युगांडा : हाईवे पर आपस में टकराए कई वाहन, 46 लोगों की मौत, तमाम घायल

कंपाला। पश्चिमी युगांडा में बुधवार को एक राजमार्ग पर दो बसें और दो अन्य वाहन आपस में टकरा गए। इस दुर्घटना में कम से कम 46 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक यह देश में हाल के वर्षों में हुई सबसे भीषण दुर्घटनाओं में से एक है।

पुलिस ने शुरू में मृतकों की संख्या 63 बताई थी लेकिन बाद में इसे संशोधित कर 46 कर दिया। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना स्थल पर बेहोश पाए गए कुछ लोग अब भी जीवित हैं। उत्तरी युगांडा के एक प्रमुख शहर गुलु के राजमार्ग पर मध्यरात्रि के बाद हुई इस दुर्घटना में कई लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, किरयांडोंगो कस्बे के पास विपरीत दिशाओं से आ रही दो बसें अन्य वाहनों को ओवरटेक करने की कोशिश में आपस में टकरा गईं। युगांडा और पूर्वी अफ्रीका के अन्य हिस्सों में घातक सड़क दुर्घटनाएं आम हैं, जहां सड़कें अक्सर संकरी होती हैं। पुलिस आमतौर पर ऐसी दुर्घटनाओं के लिए तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने वालों को जिम्मेदार ठहराती है।

व्हाइट हाउस के सुरक्षा द्वार को कार से टक्कर मारने वाला गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति भवन 'व्हाइट हाउस' के बाहर सुरक्षा द्वार को कार से टक्कर मारने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि आरोपी व्यक्ति ने मंगलवार रात 10 बजकर 37 मिनट पर व्हाइट हाउस के सुरक्षा द्वार को अपनी कार से टक्कर मार दी। सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने उस व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि जांचकर्ताओं ने उसकी कार की तलाशी ली और उसे सुरक्षित पाया।

जेल में बंद दो पत्रकारों को यूरोपीय संघ का शीर्ष मानवाधिकार पुरस्कार

ब्रुसेल्स। यूरोपीय संसद की अध्यक्ष रोबर्टा मेट्सोला ने बुधवार को घोषणा की कि बेलारूस और जॉर्जिया के जेल में बंद दो पत्रकारों ने यूरोपीय संघ का शीर्ष मानवाधिकार सम्मान 'सखारोव पुरस्कार' जीता है।

आंद्रेज पोकजोबुत प्रभावशाली पोलिश अखबार गजेटा विबोर्जा के संवाददाता हैं। उन्हें बेलारूस की राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने का दोषी ठहराया गया और आठ साल की सजा सुनाई गई थी, जो वे नोवोपोलोत्स्क कॉलोनी में काट रहे हैं। जॉर्जिया के दो स्वतंत्र मीडिया संस्थानों की संस्थापक, प्रमुख पत्रकार म्जिया अमाघ्लोबेली को एक सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान एक पुलिस प्रमुख को थप्पड़ मारने का दोषी ठहराया गया था। उन्हें दो साल की सजा सुनाई गई थी, जिसकी मानवाधिकार समूहों ने मीडिया की आजादी पर अंकुश लगाने के प्रयास के रूप में निंदा की थी। मेट्सोला ने फ्रांस के स्ट्रासबर्ग स्थित संसद में कहा, दोनों पत्रकार वर्तमान में केवल अपना काम करने और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के झूठे आरोपों में जेल में हैं। उनके साहस ने उन्हें स्वतंत्रता और लोकतंत्र के संघर्ष का प्रतीक बना दिया है।

जी-20 सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नवंबर में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 सत्र में शामिल नहीं होंगे। इस समूह में विश्व की 20 सबसे बड़ी आर्थिक शक्तियां शामिल हैं जो विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद का 85 प्रतिशत , अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का 75 प्रतिशत तथा वैश्विक जनसंख्या का दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करती हैं। क्रेमलिन प्रवक्ता ने दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन में रूस की भागीदारी पर टिप्पणी करते हुए कहा, "श्री पुतिन व्यक्तिगत रूप से शामिल नहीं होंगे लेकिन रूस का प्रतिनिधित्व उचित स्तर पर होगा।

पुतिन ने रूसी परमाणु बलों को दिए युद्धाभ्यास के निर्देश

मॉस्को, एजेंसी

- ट्रंप के शिखर वार्ता को टालने के बाद रूसी राष्ट्रपति का फैसला

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को देश के सामरिक परमाणु बलों को युद्धाभ्यास करने का निर्देश दिया, जिसमें मिसाइल दागना भी शामिल है। यह युद्धाभ्यास करने का निर्देश ऐसे समय में दिया गया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ यूक्रेन पर उनकी प्रस्तावित शिखर वार्ता स्थगित कर दी गई है।

रूस सरकार के कार्यालय क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि मॉस्को के परमाणु बल के सभी अंगों से जुड़े युद्धाभ्यास के एक हिस्से के रूप में, उत्तर-पश्चिमी रूस स्थित प्लेसेत्स्क प्रक्षेपण केंद्र से एक यार्स अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया गया, और बैरेंट्स सागर में एक पनडुब्बी द्वारा एक सिनेवा आईसीबीएम का प्रक्षेपण किया गया। इस युद्धाभ्यास में लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलें दागने वाले टीयू-95 सामरिक बमवर्षक भी शामिल थे।

क्रेमलिन ने कहा कि इस युद्धाभ्यास में सैन्य कमान संरचनाओं के कौशल का परीक्षण किया गया। शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल वालेरी गेरासिमोव ने वीडियो लिंक के जरिये पुतिन को जानकारी दी कि युद्धाभ्यास का उद्देश्य परमाणु हथियारों के उपयोग को अधिकृत करने की प्रक्रियाओं को जांचना था। पुतिन ने रेखांकित किया कि युद्धाभ्यास की योजना पहले से बना ली गई थी, लेकिन यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मंगलवार को यह कहे जाने के कुछ घंटों बाद हुआ कि बुडापेस्ट में पुतिन के साथ शीघ्र बैठक की उनकी योजना स्थगित कर दी गई है, क्योंकि

रूस के खिलाफ समर्थन जुटाने में जुटे जेलेंस्की बुधवार को नॉर्वे पहुंचे।

रूस के हमले में यूक्रेन में छह लोगों की मौत

कीव। रूस ने बुधवार को यूक्रेन पर ड्रोन और मिसाइल से व्यापक हमले किए जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री ने कहा कि देश के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर रात भर बड़े पैमाने पर हमले किए गए जो बुधवार तड़के तक जारी रहे। यह सर्दियों से पहले देश की ऊर्जा प्रणाली को तबाह करने की कोशिश का हिस्सा है। कीव प्रशासन के प्रमुख तिमुर तकाचेंको ने बताया कि हमले में 18 लोग घायल हो गए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 अक्टूबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 22.46 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

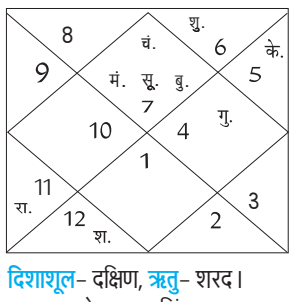

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- शरद। चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर। ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र- विशाखा 24 अक्टूबर 04.51 तक तत्पश्चात अनुराधा।

मेष — आज बैंकिंग और फाइनेंस से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आप सकारात्मक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। समाज में आपकी छवि मजबूत होगी। जीवनसाथी से सहयोग की अपेक्षा रख सकते हैं। विवाह योग्य जातकों का विवाह तय हो सकता है।

वृष — आज अपने मन को शांत रखें। आपके व्यवहार की प्रशंसा होगी। व्यस्तता के चलते कुछ आवश्यक कार्य बाधित होंगे। आपको किसी प्रियजन की सहायता करनी पड़ेगी। युवा लोगों को अपने करियर को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ सकते हैं।

मिथुन — आज दिनचर्या अत्यंत अव्यवस्थित रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का आनंद ले सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर घर में तनाव हो सकता है। विदेश यात्रा को लेकर असमंजस में रहेंगे।

कर्क — आज आपको धैर्य और शांति से कार्य करना चाहिए। स्वस्थ रहने के लिए अनुलोम-विलोम और कपालभाति अवश्य करें। विवाह आदि कार्यक्रम किसी कारण टल सकते हैं। थकान की वजह से कमजोरी और जोड़ों में दर्द की शिकायत हो सकती है।

सिंह — आज आर्थिक परेशानियां काफी हद तक दूर हो जाएंगी। बुद्धिमान लोगों की सलाह पर विचार अवश्य करें। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छी सफलता मिल सकती है। आप चतुराई पूर्वक कठिन समझे जाने वाले कार्यों को आसानी से कर लेंगे।

कन्या — आज कार्यक्षेत्र में आपके सुझावों को अत्यंत उपयुक्त माना जाएगा। लोगों के बीच आप सम्मान के पात्र बने रहेंगे। विद्यार्थियों को शिक्षा में बाधा आएगी। दूसरों की कमियों के बजाय स्वयं पर ध्यान दें। घर के सदस्यों के बीच तालमेल कुछ कम रहेगा।

तुला — आज कार्यक्षेत्र में नए लोगों से आपका संपर्क हो सकता है। आप अत्यंत अनुशासित होकर घर के सभी लोगों का ध्यान रखेंगे। आप किसी महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारी कर सकते हैं। शांति और धैर्य के साथ अपने काम करें।

वृश्चिक — आज अधीनस्थ कर्मचारियों से मनमुटाव हो सकता है। बिना विचार किये आप बड़े आर्थिक सौदे न करें। अपने विचारों को दूसरों पर न थोपें। समय के अनुसार अपने स्वभाव में परिवर्तन कर लें। दांपत्य संबंधों के लिए समय अवश्य निकालें।

धनु — आज नया करियर शुरू करने वाले लोगों को काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। पारिवारिक मामलों से अत्यंत जुड़े हुए रहेंगे। आप दबाव में अधिक अच्छा प्रदर्शन करेंगे। अपने सहयोगियों को अत्यंत संतुष्ट भी रखेंगे।

मकर — आज वर्तमान परिस्थितियों के बीच आपके कार्य लोगों के लिए प्रेरणा बनेंगे। सभी कार्य आपकी योजना अनुसार ही होंगे। व्यापार व कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार रहेंगे।

कुंभ — आज पिछले कई दिनों से आप जिस समस्या से परेशान थे, उससे आपको राहत मिलेगी। अपने संसाधनों का सार्थक उपयोग करेंगे। विवाहेतर संबंधों से आपको दूरी बनानी चाहिए। परोपकार के कार्यों में धन खर्च कर सकते हैं।

मीन — आज आपका व्यवहार आपसी संबंधों पर प्रभाव डालेगा। अपने खानपान को संयमित रखें। परेशान होने के बजाय आपको आराम अधिक करना चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपको बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। पुराने मुद्दों के दोबारा उभरने से दबाव में आ सकते हैं।

सुडोकू - 138

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2		4				
	7		5					
					2			
2						8		6
	4	1			5		9	
3		8						
			9				7	
9		4			1		5	
	8	6		5		2		

सुडोकू - 137 का हल

1	6	9	5	4	8	2	7	3
2	3	5	7	1	9	4	8	6
4	8	7	2	6	3	1	9	5
8	2	1	9	5	6	3	4	7
9	7	6	3	2	4	8	5	1
3	5	4	1	8	7	9	6	2
7	1	3	8	9	5	6	2	4
6	9	2	4	7	1	5	3	8
5	4	8	6	3	2	7	1	9

मिलानो कॉर्टिना 2026 ओलंपिक मशाल रिले के लिए मशालवाहक चुने जाने पर मैं सचमुच बहुत खुश हूं। ओलंपिक मशाल का मेरे दिल में हमेशा एक खास स्थान रहा है। यह सपनों, दृढ़ता और खेल द्वारा हमारी दुनिया में लाई गई एकता का प्रतीक है।

-अभिनव बिंद्रा

स्टेडियम

हल्द्वानी, गुरुवार 23 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

फिटनेस के लिए घरेलू क्रिकेट खेलनी चाहिए

इंदौर : पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता संजय जगदाले का मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिर्फ एक प्रारूप खेल रहे भारत के महान बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को मैच फिटनेस बरकरार रखने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। बीसीसीआई के पूर्व सचिव जगदाले ने कहा कि दोनों की 2027 विश्व कप में खेलने की उम्मीद उनके फॉर्म और फिटनेस पर निर्भर करेंगी। जगदाले ने पीटीआई से कहा उन्होंने सिर्फ एक प्रारूप में खेलने का फैसला लिया है और यह उनके लिए कठिन है।

कैरी की वापसी, फिलिप को मौके का इंतजार

एडिलेड : भारत के खिलाफ पर्थ में अपने घरेलू मैदान पर पदार्पण मैच में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले आस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज जोश फिलिप को नियमित विकेटकीपर एलेक्स कैरी की वापसी के कारण गुरुवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बाहर बैठना पड़ सकता है, लेकिन वह अगले मौके के लिए इंतजार करने के लिए तैयार हैं।

अबुधाबी टी-10 में खेलेंगे हरभजन

अबुधाबी : पूर्व भारतीय क्रिकेटरों हरभजन सिंह, श्रीसंत और पीयूष चावला के साथ वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड और दक्षिण अफ्रीका के फाफ डु प्लेसी ने 18 से 30 नवंबर तक यहां जायद क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले अबुधाबी टी10 क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलने की पुष्टि कर दी है। इस टूर्नामेंट में इस बार कुल आठ टीम हिस्सा लेंगी जिनमें पांच नई टीम अजमान टाइटन्स, विस्टा राइडर्स, रॉयल चैंप्स, एस्पिन स्टैलियंस और क्वेटा क्वालरी शामिल हैं।

कोहली और रोहित पर फिर रहेंगी निगाहें

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला का दूसरा मैच आज, जीत के साथ हिसाब बराबर करना चाहेगा भारत

समय पूर्वाह्न 9 बजे से

एडिलेड, एजेंसी

भारतीय टीम की आलराउंडरों पर बहुत अधिक निर्भरता की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले दूसरे एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में कड़ी परीक्षा होगी। हालांकि एक बार फिर से सभी की निगाहें विराट कोहली और रोहित शर्मा पर टिकी रहेगी जो अच्छा प्रदर्शन करके श्रृंखला बराबर करने में अपना योगदान देना चाहेंगे।

तीन मैचों की श्रृंखला का पहला एकदिवसीय मैच में भारत के लिए कुछ भी अच्छा नहीं रहा। बारिश के लगातार व्यवधान के कारण भारतीय बल्लेबाजी प्रभावित हुई और आखिर में उसे सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर पाए थे लेकिन मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल जैसे गेंदबाजों को केवल 131 रन के लक्ष्य का बचाव करना था जो आसान काम नहीं था। एडिलेड ओवल में भी चुनौतियां अलग नहीं होंगी, क्योंकि मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड एक बार फिर भारतीय बल्लेबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। आस्ट्रेलियाई ग्रीष्म ऋतु के शुरू होने के साथ ही, देश की नई पिचों पर उछाल और गति होती है और ऐसी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता है।

इस बीच ऑस्ट्रेलिया ने पिछले मैच के हीरो बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमैन को रिलीज कर दिया है और अनुभवी लेग-ब्रेक गेंदबाज एडम ज़म्पा अपने बच्चे के जन्म के बाद वापस आ गए हैं। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी की भी वापसी हुई है। यशस्वी जायसवाल जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी के बेंच पर बैठे रहने से रोहित शर्मा पर अच्छा प्रदर्शन करने का भारी दबाव है। यह पूर्व कप्तान इससे अच्छी तरह वाकिफ है और इसलिए उन्होंने मैच से पहले जमकर अभ्यास किया। वह एडिलेड ओवल के अभ्यास मैदान में कम से कम 45 मिनट पहले पहुंच गए, जबकि कुछ अन्य सदस्य वैकल्पिक नेट सत्र के लिए उनके साथ शामिल हुए। कोचिंग स्टाफ से एकमात्र व्यक्ति जो नेट्स पर मौजूद था, वह थे मुख्य कोच गौतम गंभीर। उनके साथ दो थ्रो-डाउन विशेषज्ञ दयानंद गरानी और राघवेंद्र भी थे। बाकी कोचिंग स्टाफ कुछ देर बाद आया। वास्तव में, रोहित जिस पहले नेट पर उतरे थे, वह गीला था और थ्रो-डाउन गेंदें सीधे गेंद की लम्बाई से बाहर जा रही थीं। यह भांपते हुए कि टीम का सबसे सीनियर खिलाड़ी चोटिल हो सकता है, कोच गंभीर ने उन्हें दूसरे नेट पर अभ्यास करने के लिए कहा जिस पर रोहित ने लंबे समय तक बल्लेबाजी की। रोहित ने जहां जमकर अभ्यास किया वहीं कोहली ने मंगलवार को नेट पर काफी समय बिताने के बाद विश्राम किया।

वाशिंगटन सुंदर और नितीश रेड्डी के साथ नंबर आठ तक बल्लेबाज रखने का गंभीर का तरीका एक व्यावहारिक विकल्प है या नहीं, यह सीरीज समाप्त होने तक स्पष्ट हो जाएगा। कोटक ने कहा हार्दिक जैसे खिलाड़ी का न होना हमेशा बड़ा नुकसान होता है।

टीम

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी, कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा।

अच्छी लय में दिख रहे हैं दोनों दिग्गज : कोटक

एडिलेड : रोहित शर्मा और विराट कोहली आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में भले ही अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, लेकिन भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक उनकी फॉर्म को लेकर चिंतित नहीं हैं और उनका मानना है कि ये सीनियर खिलाड़ी अच्छी लय में हैं और अगले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। भारत पर्थ में पहला मैच सात विकेट से हार गया था और अब वह गुरुवार को यहां श्रृंखला का दूसरा मैच खेलेगा। कोटक से जब पर्थ में रोहित के आठ रन और कोहली के शून्य पर आउट होने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि रोहित और कोहली की बल्लेबाजी में किसी तरह की कमजोरी है। मुझे लगता है कि दोनों के पास काफी अनुभव है।

नीरज को सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि

नई दिल्ली, एजेंसी

ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नीरज को इसके लिए बधाई दी है।

नीरज को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गई। राजनाथ सिंह ने अपने सोशल मीडिया के जरियें तस्वीरें शेयर करते हुये लिखा भारत के उत्कृष्ट खिलाड़ी और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद का प्रतीक चिन्ह प्रदान करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

नीरज चोपड़ा दृढ़ता, देशभक्ति और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने की भारतीय भावना के प्रतीक हैं। उनके सभी भावी प्रयासों में सफलता की कामना करता हूँ।

जोकोविच पेरिस मास्टर्स से हटे

पेरिस, एजेंसी : दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स से हट गए हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। इससे कुछ दिन पहले ही उन्होंने पैर में चोट के कारण एक प्रदर्शनी टूर्नामेंट में पहले सेट के बाद खेलना बंद कर दिया था। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सत्र में बहुत कम टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। उन्होंने चार ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अलावा केवल आठ एटीपी टूर प्रतियोगिताओं में ही भाग लिया है। जोकोविच इस सत्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचे। मई के अंत से सितंबर के अंत तक उन्होंने केवल तीन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में भाग लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को छह विकेट से हराया

इंदौर, एजेंसी

जीत का जश्न मनातीं एश्ली गार्डनर और एनाबेल सदरलैंड। एजेंसी

हरफनमौला एश्ली गार्डनर और एनाबेल सदरलैंड ने गेंद से आपस में पांच विकेट साझा करने के बाद बल्ले से 180 रन की आक्रामक अटूट साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड पर महिला वनडे विश्व कप मैच में बुधवार को छह विकेट की आसान जीत दिला दी। स्पिनरों अलाना किंग (20 रन पर एक विकेट), सोफी मोलिनक्स (52 रन पर दो विकेट), गार्डनर (39 रन पर दो विकेट) और मध्यम तेज गेंदबाज सदरलैंड (60 रन पर तीन विकेट) ने इंग्लैंड को टैमी ब्यूमोंट (78) की अर्धशतकीय पारी के बावजूद नौ विकेट पर 244 रन पर रोक दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने लक्ष्य का पीछा करते हुए छह ओवर के अंदर 24 रन पर तीन और फिर 68 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे लेकिन सदरलैंड ने संयम से नाबाद 98 रन की पारी खेली जबकि गार्डनर ने 73 गेंद की नाबाद आक्रामक पारी में 104 रन बनाकर टीम को 57 गेंद शेष रहते जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह टूर्नामेंट में अब तब अजेय रहते हुए तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। लॉरेन बेल (48 रन पर एक विकेट) और लिंसी स्मिथ (43 रन पर दो विकेट) ने छह ओवर के अंदर तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल में डाल दिया था लेकिन सात बार के विश्व चैंपियन ने अपनी मजबूत बल्लेबाजी का नजारा पेश करते हुए एक बार फिर साबित किया कि टूर्नामेंट में उसके और अन्य टीमों में बड़ा अंतर है।

बेथ मूनी (20) ने सदरलैंड के साथ चौथे विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी की और विकेटों के पतन को रोका जबकि गार्डनर ने क्रीज पर आते ही आक्रामक रुख के साथ इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। गार्डनर ने 16 चौके जड़े।

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	6	5	0	1	11	1.704
द.अफ्रीका	6	5	1	0	10	0.276
इंग्लैंड	6	4	1	1	9	1.024
भारत	5	2	3	0	4	0.526
न्यूजीलैंड	5	1	2	2	4	-0.245
श्रीलंका	6	1	3	2	4	-1.035
बांग्लादेश	6	1	5	0	2	-0.578
पाकिस्तान	6	0	4	2	2	-2.651

सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए न्यूजीलैंड को आज हराना ही होगा

नवी मुंबई, एजेंसी

समय दोपहर 3 बजे से

भारतीय टीम पिछले तीन मैच में हार से सबक लेकर गुरुवार को यहां महिला विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल जैसे मुकाबले में जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह पक्की करने की कोशिश करेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम यदि डीवाई पाटिल स्टेडियम के अपने चिर परिचित विकेट पर न्यूजीलैंड की टीम को हरा देती है तो वह सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली चौथी टीम बन जाएगी। लेकिन अगर वह पिछले तीन मैच की तरह गलतियां करती है तो फिर वह अगर मगर के भंवर में फंस जाएगी। यदि भारत न्यूजीलैंड से हार जाता है, तो उसे सेमी फाइनल में जगह बनाने के लिए इंग्लैंड की न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले मैच में जीत के लिए दुआ करनी होगी और फिर बांग्लादेश के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप लीग मैच में भी जीत हासिल करनी होगी। न्यूजीलैंड को अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे। टीम एक और मुकाबले में बारिश के खतरे के बीच उतर रही है क्योंकि शाम या रात में 'बारिश या गरज के साथ बौछारें' पड़ने की भविष्यवाणी की गई है। मैच बारिश की भेंट चढ़ने की स्थिति में चौथे सेमीफाइनलिस्ट की पहचान के लिए जब आकलन किया जाएगा तो अधिक जीत और बेहतर नेट रन रेट के कारण भारत फायदे की स्थिति में होगा। ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। भारत भी सेमीफाइनल में पहुंचने का प्रबल दावेदार था लेकिन लगातार तीन मैच में हार का सामना करने के कारण उसके समीकरण बिगड़ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों ने भारत की गेंदबाजी में कमजोरी को खुलकर उजागर किया लेकिन उसे सबसे बड़ा झटका इंग्लैंड के खिलाफ समय 54 गेंद पर 56 रन की जरूरत थी लेकिन वह लक्ष्य तक पहुंचने में नाकाम रहा।

इंदौर में कप्तान हरमनप्रीत कौर।

हमारा ध्यान अपने नियंत्रण वाले चीजों पर: डिवाइन

नवी मुंबई : न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने बुधवार को कहा कि उन्हें इस बात का कोई भ्रम नहीं है कि महिला विश्व कप के क्वार्टर फाइनल जैसे मैच में भारी दबाव के बावजूद भारत प्रबल दावेदार है लेकिन उनकी टीम अपनी क्षमता के अनुसार चीजों को नियंत्रित करने की कोशिश करेगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बृहस्पतिवार को होने वाला मुकाबला बेहद अहम होगा क्योंकि मेजबान टीम जीत से सेमीफाइनल के लिए अपना दावा बेहद मजबूत कर लेगी। डिवाइन ने भारत के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा ईमानदारी से कहूं तो, मैं कल्पना भी नहीं कर सकती कि भारतीय टीम किस तरह के दबाव में है।

चैंपियंस लीग में हुई गोलों की बरसात

गोल करने के बाद जश्न मनाते पीएसजी टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

मैनचेस्टर, एजेंसी

- पीएसजी और बार्सिलोना ने बड़ी जीत दर्ज की

चैंपियंस लीग में मंगलवार की रात को गोल की जबरदस्त बरसात देखने को मिली। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने सात, बार्सिलोना ने छह और एर्लिंग हालैंड ने सत्र का अपना 24वां गोल किया। कुल मिलाकर नौ मैच में 43 गोल हुए, जिनमें से छह टीमों ने चार या उससे अधिक गोल किए।

पीएसवी आइंडहोवन ने इतालवी चैंपियन नेपोली को 6-2 से हराया, जबकि आर्सेनल और इंटर मिलान ने भी बड़ी जीत हासिल कर यूरोप के इस सबसे बड़े क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। लेकिन गत विजेता पीएसजी बायर लेवरकुसेन के खिलाफ 7-2 से जीत के बाद शीर्ष पर है।

तैयारी | प्रस्ताव दस्तावेजों को अंतिम रूप से प्रस्तुत करने की तिथि 21 नवंबर निर्धारित की गई

महिला प्रीमियर लीग की नीलामी अगले माह

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को निविदा प्रक्रिया के जरिए महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आधिकारिक साझेदार अधिकार (ओपीआर) हासिल करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं से बोलिया आमंत्रित की।

बीसीसीआई ने कहा कि कोटेशन के लिए अनुरोध (आरएफक्यू) में बोली लगाने और उसके मूल्यांकन से संबंधित नियम और शर्तों की जानकारी दी गई है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक विज्ञप्ति में कहा आरएफक्यू 1,00,000 रुपये की गैर-वापसी योग्य फीस और लागू वस्तु एवं सेवा कर की प्राप्ति पर उपलब्ध कराया जाएगा। इस प्रक्रिया के लिए विशिष्ट समय-सीमा निर्धारित की गई है तथा आरएफक्यू खरीदने की अंतिम तिथि 12 नवंबर है। स्पष्टीकरण 14 नवंबर तक मांगे जा सकते हैं तथा प्रस्ताव दस्तावेजों को अंतिम रूप से प्रस्तुत करने की तिथि 21 नवंबर निर्धारित है।

डब्ल्यूपीएल में केवल पांच टीमें हैं और अधिकतम 18 खिलाड़ियों की टीम है, इसलिए इस प्रक्रिया में ज्यादा समय लगने की संभावना नहीं है, भले ही 90 खिलाड़ियों की नीलामी हो। हालांकि, यह एक असंभव परिदृश्य है, क्योंकि टीमों के नीलामी में काफी संख्या में रिटेन किए गए खिलाड़ियों के साथ उतरने की उम्मीद है। फ्रेंचाइजी को 5 नवंबर तक अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जमा करने के लिए कहा गया है। प्रत्येक टीम को पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति है और अगर कोई टीम सभी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसे पहले खिलाड़ी के लिए 3.5 करोड़ रुपये, दूसरे खिलाड़ी के लिए 2.5 करोड़ रुपये, तीसरे खिलाड़ी के लिए 1.75 करोड़ रुपये, चौथे खिलाड़ी के लिए 1 करोड़ रुपये और पांचवें खिलाड़ी के लिए 50 लाख रुपये का नुकसान होगा। नीलामी के लिए खिलाड़ियों की कुल राशि 15 करोड़ रुपये है और पांच रिटेंशन पर एक टीम को 9.25 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। बीसीसीआई ने कहा है कि यह दिशानिर्देश मूल्य केवल वेतन सीमा की गणना के लिए है।

पांच आरटीएम विकल्पों को मंजूरी

बीसीसीआई ने पांच राइट टू मैच (आरटीएम) विकल्पों को मंजूरी दी है, लेकिन किसी फ्रेंचाइज़ी के लिए उपलब्ध आरटीएम की संख्या रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या पर निर्भर करेगी। प्रत्येक रिटेन किए गए खिलाड़ी के लिए, फ्रेंचाइजी एक आरटीएम विकल्प खो देगी। उदाहरण के लिए, अगर कोई टीम पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसके पास नीलामी में राइट टू मैच (आरटीएम) का इस्तेमाल करने का विकल्प नहीं होगा। दूसरी ओर, बिना किसी रिटेंशन के नीलामी में जाने वाली टीम अपने पांच खिलाड़ियों के लिए राइट टू मैच (आरटीएम) का इस्तेमाल कर सकती है।

आईसीसी बैठक में टकराव की संभावना

कराची, एजेंसी

- एशिया कप ट्रॉफी को लेकर बीसीसीआई और पीसीबी होंगे आमने-सामने

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अगले महीने होने वाली बैठक में टकराव की स्थिति बन सकती है। क्योंकि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख के तौर पर व्यक्तिगत रूप से भारत को एशिया कप ट्रॉफी सौंपने के अपने रुख से पीछे नहीं हट रहे हैं।

बीसीसीआई और अन्य एसीसी सदस्य देशों को भेजे गए जवाब में नकवी ने जोर देकर कहा है कि वह 10 नवंबर को दुबई में एक समारोह आयोजित करने के इच्छुक हैं, जहां बीसीसीआई का प्रतिनिधि और भारतीय टीम का कोई भी उपलब्ध खिलाड़ी उनसे ट्रॉफी ले सकता है।

नकवी ने अपने जवाब में लिखा एसीसी ट्रॉफी सही मायने में भारतीय क्रिकेट टीम की है और यह तब तक एसीसी मुख्यालय में रखी रहेगी जब तक बीसीसीआई का कोई पदाधिकारी किसी भी उपलब्ध प्रतिभागी खिलाड़ी के साथ एसीसी अध्यक्ष से इसे प्राप्त नहीं कर लेता। उन्होंने कहा इसके लिए समारोह आयोजित किया जाएगा क्योंकि हमें स्थापित परंपराओं से नहीं हटना चाहिए और कोई नई मिसाल नहीं कायम की जानी चाहिए।